■ सीएए विरोधी याचिकाओं पर 5 मई से सुनवाई : सुप्रीम कोर्ट - 12

■ बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का ब्लॉकचेन फॉर इम्पैक्ट से समझौता - 12

■ अमेरिका से समझौता करने में ही है ईरान की भलाई : व्हाइट हाउस - 13

■ जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को भी दी पटखनी, लगाई जीत की हैट्रिक - 14

आज का मौसम | 24.0° अधिकतम तापमान | 13.0° न्यूनतम तापमान | सूर्योदय 06.47 | सूर्यास्त 06.05

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष तृतीया 02:38 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 20 फरवरी 2026, वर्ष 5, अंक 361, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

नवाचार व जिम्मेदारी से तय होगा एआई का भविष्य

प्रधानमंत्री मोदी ने एआई के लिए मानव विजन का किया अनावरण, प्रौद्योगिकी पर मानव नियंत्रण की वकालत की

- कहा-भारत ने जीवंत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण किया, जिसे दुनिया से साझा कर रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एआई की पहुंच सभी तक सुनिश्चित किए जाने की वकालत करते हुए गुरुवार को 'मानव विजन' का अनावरण किया जिसके तहत संप्रभुता और समावेशिता पर विशेष जोर देते हुए तेजी से उभरती इस प्रौद्योगिकी के उपयोग एवं मानव-केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाने की परिकल्पना की गई है। प्रधानमंत्री ने यहां एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत का मानना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता दुनिया की भलाई के लिए वास्तव में तभी काम आएगी जब इसे साझा किया जाएगा और इसके कोड सार्वजनिक होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने एक जीवंत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण किया है और इसे दुनिया के साथ साझा कर रहा है क्योंकि प्रौद्योगिकी देश के लिए शक्ति का माध्यम नहीं बल्कि सेवा का माध्यम है, प्रभुत्व स्थापित करने का नहीं बल्कि सशक्त बनाने का माध्यम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश एआई से डरता नहीं है बल्कि इसमें भविष्य की संभावनाएं देखता है। सभी का कल्याण व खुशहाली एआई के लिए हमारा मापदंड है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मनुष्य महज 'डेटा' बिंदु या कच्चा माल न बनकर रह जाएं। मोदी ने कहा, मैं एआई के लिए मानव (एमएएनएवी) दृष्टिकोण प्रस्तुत करता हूं जिसमें एम का अर्थ मोरल एंड इथिकल सिस्टम्स (नैतिक एवं नीतिपरक प्रणालियां), ए से तात्पर्य अकाउंटेबल गवर्नेंस (जवाबदेह शासन), एन से तात्पर्य नेशनल सॉवेरिनिटी (राष्ट्रीय संप्रभुता), ए से तात्पर्य एक्सेसबल इंड इन्क्लूसिव (सुलभ और समावेशी) और वी से तात्पर्य वैलिड एंड लेजिटिमेट (वैध और कानूनी) है। सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा, स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गी पॉहमेलॉ सहित दुनिया भर के नेता और कई प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों के सीईओ उपस्थित थे।

नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, ओपनएआई के सीईओ सैम अल्टमैन और अन्य लोगों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● एजेंसी

11 भाषाओं में मोदी के भाषण का प्रसारण

नई दिल्ली। समिट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत की प्रगति तब देखने को मिली जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण का 11 भाषाओं में सीधा प्रसारण किया गया, साथ ही एआई-सक्षम सांकेतिक भाषा अनुवाद की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। भारत मंडपम के सभागार में प्रधानमंत्री के पीछे लगी एक बड़ी स्क्रीन पर एआई-सक्षम सांकेतिक भाषा अनुवाद प्रदर्शित किया गया, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि उनका भाषण सभी के लिए सुलभ हो।

उद्योग की प्रकृति बदल देगा एआई : ऑल्टमैन

नई दिल्ली। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि एआई सॉफ्टवेयर उद्योग की प्रकृति बदल देगी। उन्होंने कहा कि कुछ कंपनियों के लिए यह नुकसानदेह हो सकता है जबकि कई अन्य कंपनियां अपनी अलग मूल्य पेशकश के कारण इससे लाभ उठा सकेंगी। ऑल्टमैन ने कहा कि एआई से प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए बहुत कुछ बदलने वाला है, क्योंकि 'कोडिंग' अब पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान और तेज हो गई है। लोग जरूरत से ज्यादा सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रतिक्रियाएं देते हैं।

डेटा की तरह सस्ता होगा एआई, 10 लाख करोड़ का करेंगे निवेश

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी ने अगले सात वर्ष में एआई में 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश की गुरुवार को घोषणा की और वादा किया कि वह एआई को भारत में उसी तरह सस्ता एवं सुलभ बनाएंगे जैसे मोबाइल व इंटरनेट डेटा को बनाया था। अंबानी ने कहा कि यह पहल हर नागरिक, व्यवसाय और सरकारी सेवा को एआई से जोड़ेगी, जो जियो की डिजिटल क्रांति के परिवर्तनकारी पैमाने को दर्शाती है। जियो अब भारत को बुद्धिमता (इंटेलिजेंस) के युग से जोड़ेगी। भारत अब बुद्धिमता को किराये पर लेने का जोखिम नहीं उठा सकता। इसलिए, हम बुद्धिमता से हासिल जानकारी की लागत को उतनी ही तेजी से कम करेंगे जितनी हमने डेटा के मामले में की थी। जामनगर में गीगावाट-पैमाने वाले एआई-तैयार डेटा सेंटर, जो 10 गीगावाट तक की हरित ऊर्जा अधिशेष का लाभ उठाएंगे।

भारत के डिजिटल सिस्टम के मुरीद हुए फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों

नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि भारत और फ्रांस मिलकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए एक ढांचा तैयार करने पर काम करेंगे जिसमें नवाचार को जिम्मेदारी के साथ और प्रौद्योगिकी को मानवता के साथ जोड़ा जाएगा। मैक्रों ने कहा कि भारत ने ऐसा डिजिटल सिस्टम बनाया है, जो दुनिया में किसी और देश ने नहीं बनाया। भारत ने 140 करोड़ लोगों के लिए डिजिटल पहचान (आईडी) बनाई है। भारत का डिजिटल पेमेंट सिस्टम हर महीने करीब 20 अरब लेन-देन करता है। भारत ने 50 करोड़ लोगों को डिजिटल हेल्थ आईडी भी जारी की है। इन सबको मिलाकर एक व्यवस्था बनी है। यह एक खुला और जुड़ा हुआ डिजिटल सिस्टम है और यही इस सम्मेलन का मुख्य विषय है। दुनिया अब डिजिटल क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ने के नए दौर की शुरुआत पर खड़ी है।

अनिल अंबानी का शीर्ष कोर्ट को हलफनामा, बिना इजाजत देश नहीं छोड़ूंगा

- 40 हजार करोड़ के बैंक फ्रॉड मामले में दिया हलफनामा
- एजेंसी के साथ जांच में सहयोग करने की बात भी कही

नई दिल्ली। रिलायंस (एडीएजी) के चेयरमैन अनिल अंबानी ने उच्चतम न्यायालय में हलफनामा देकर कहा है कि वह बिना पूर्व-अनुमति के देश नहीं छोड़ेंगे और एजेंसियों के साथ जांच में पूरा सहयोग करेंगे। यह मामला अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) द्वारा कथित रूप से 40,000 करोड़ रुपये की बैंकिंग एवं कॉरपोरेट धोखाधड़ी से जुड़ा है। शीर्ष अदालत में दायर हलफनामे में अंबानी ने कहा कि उनका देश छोड़ने का कोई इरादा नहीं है और न ही उनकी कानूनी प्रक्रिया से बचने की कोई मंशा है।

अंबानी ने कहा, मैं शपथ लेकर कहता हूं कि मैंने जुलाई, 2025 से मौजूदा जांच शुरू होने के बाद से भारत नहीं छोड़ा है और फिलहाल देश से बाहर जाने का मेरा कोई इरादा नहीं है। उन्होंने साथ ही वादा किया कि यदि उन्हें किसी काम से विदेश जाना पड़ा तो वह उससे पहले अदालत की अनुमति लेंगे। उन्होंने कहा, मैं पूरी ईमानदारी से जांच में एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग कर रहा हूं और आगे भी ऐसा करना जारी रखूंगा। अंबानी ने यह हलफनामा पूर्व नौकरशाह ईएएस सरमा की उस अर्जी के जवाब में दिया है, जिसमें एडीएजी, अनिल अंबानी और समूह की कंपनियों से जुड़े बड़े बैंकिंग और कॉरपोरेट घोटाले की निष्पक्ष, तुरंत और बिना किसी भेदभाव के जांच की अपील की गई है।

ब्रीफ न्यूज

उत्तराखंड विस सत्र 9 मार्च से

देहरादून। उत्तराखंड की पंचम विधानसभा का इस साल का प्रथम सत्र आगामी 9 मार्च को विधानसभा भवन, भराड़ीसैंण, गैरसैंण, चमोली में आहूत किया गया है। विधानसभा सत्र प्रातः 11 बजे से आरंभ होगा। उत्तराखंड विधानसभा के उप सचिव (लेखा) हेम चंद्र पंत ने बताया कि गुरुवार को राज्यपाल गुरमीत सिंह ने इसकी मंजूरी दे दी है।

राहुल को गोली मारने की धमकी देने वाला पकड़ा

जयपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्षी दल के 25 अन्य सांसदों को गोली मारने की धमकी देने वाला वीडियो जारी करने वाले एक व्यक्ति को गुरुवार को राजस्थान के कोटा में पुलिस ने हिरासत में ले लिया। कोटा की पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि आरोपी को बोरखेड़ा थाने में हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा, अभी तक किसी भी संगठन से उनके संबंधों की कोई पुष्टि नहीं हुई है।

महिला डिब्बे में बुर्का पहन दाखिल हुआ व्यक्ति

ठाणे। उपनगरीय ट्रेन के महिला डिब्बे में एक पुरुष के बुर्का पहनकर यात्रा करने के वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उत्पन्न हुई सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर व्यक्ति को चिह्नित कर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। रेलवे पुलिस के अधिकारी ने यह जानकारी दी।

चिन्यालीसौड़ व गौचर हवाई पट्टी सेना के हवाले

- मुख्यमंत्री धामी ने चिन्यालीसौड़ कैंप में सुनीं जन समस्याएं, किया निस्तारण
- कहा-अभियान से आम जन को राहत, प्रशासनिक व्यवस्था बनी और अधिक सुलभ व पारदर्शी

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश में हेली सेवा के विस्तार के लिए सरकार ने अहम निर्णय लिए है। चिन्यालीसौड़ एवं गौचर हवाई पट्टी से हेली सेवा शुरू होगी। दोनों हवाई पट्टी सेना के माध्यम से संचालित करने की योजना है। मुख्यमंत्री धामी ने गुरुवार को विकास खंड परिसर चिन्यालीसौड़ में आयोजित जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम में विभागीय स्टालों का निरीक्षण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनते हुए मौके पर ही अधिकारियों की उपस्थिति में अधिकांश समस्याओं का निस्तारण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित ''जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार'' कार्यक्रम से आम जन को राहत मिली है तथा प्रशासनिक व्यवस्था और अधिक सुगम और पारदर्शी हुई है। इस अभियान के तहत अब तक 600 से अधिक शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इन शिविरों में पांच लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया, जबकि 40 हजार से ज्यादा लोगों को विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि, सरकार की मंशा है कि दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए जिला मुख्यालय तक न जाना पड़े। इसी उद्देश्य से यह महत्वाकांक्षी अभियान चलाकर गांव-गांव में शिविर लगाए जा रहे हैं, जहां मौके पर ही समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। इस पहल से आमजन को राहत मिली है। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने कहा कि इस अभियान में ग्रामीणों की छोटी-छोटी समस्याओं के निस्तारण के लिए संयुक्त टीमें गठित कर समस्याओं का मौके पर समाधान किया जा रहा है जिनका निस्तारण नही किया जा सका उन्हें ऑनलाइन कर नियमित रूप से फॉलोअप करते हुए उनका निस्तारण किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को स्मृति चिन्ह भेंट करते स्थानीय जनप्रतिनिधि।

आज देश-दुनिया में सनातन का उद्घोष

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि, आज पूरी दुनिया में सनातन का उद्घोष हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया का सिरमौर बनेगा। प्रधानमंत्री ने जो विकसित भारत का संकल्प लिया है उसमें उत्तराखंड भी अपना महत्वपूर्ण रूप से योगदान देगा। मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तिकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने तय किया है कि हमारी बहनों द्वारा उत्पादित उत्पादों की देश ही नही बल्कि दुनिया में पहचान मिल सके जिसके लिए निरंतर काम किया जा रहा है। महिलाओं द्वारा जो भी उत्पाद बनाये जा रहे हैं, उसकी देश और दुनिया में मांग बढ़ी है। इस दिशा में सरकार ने अब तक दो लाख से अधिक लखपति दीदियों को सशक्त किया है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों की मांग पर सीएचसी चिन्यालीसौड़ एवं महाविद्यालय का उच्चीकरण को सीएम घोषणा में सम्मिलित करने का आश्वसन दिया।

चारधाम यात्रा में सरकार समन्वयक

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी अप्रैल माह से चारधाम यात्रा शुरू हो जाएगी। सरकार ने यात्रा की तैयारी पहले से ही शुरू कर दी है ताकि यात्री एवं श्रद्धालु यहां से अच्छा अनुभव लेकर जाएं। सीएम ने कहा कि सरकार यात्रा शुरू कराने में समन्वयक के रूप में है जबकि असली यात्रा शुरू कराने में स्थानीय हितधारक, तीर्थ पुरोहित, होटल,टैक्सी, मैक्सी संचालक एवं स्थानीय लोग हैं।

एपस्टीन मामले में किंग चार्ल्स के छोटे भाई एंड्रयू गिरफ्तार

लंदन। ब्रिटेन पुलिस ने किंग चार्ल्स के छोटे भाई एंड्रयू माउंटबैटन-विंडसर को सार्वजनिक पद पर रहते हुए कदाचार के संदेह में गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी उनके और यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के बीच संबंधों की जांच के सिलसिले में की गई है।

गुरुवार सुबह पूर्वी इंग्लैंड के सैंड्रिंघम एस्टेट स्थित 'वुड फार्म' पर पुलिस की छह कारें व सादे कपड़ों में लगभग आठ अधिकारी पहुंचे थे। टेम्स वैली पुलिस ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि वे उन आरोपों की समीक्षा कर रहे हैं जिनमें दावा किया गया है कि माउंटबैटन-विंडसर ने जेफरी एपस्टीन को गोपनीय सरकारी दस्तावेज सौंपे थे।

लकड़ी लेने गई महिला को हाथी ने कुचलकर मार डाला

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: शारदा रेंज के जंगल में लकड़ी लेने गई महिला को हाथी ने पटक दिया और फिर कुचल कर मार डाला।

जानकारी के अनुसार, नई बस्ती, वार्ड नंबर पांच निवासी माधुरी देवी (54) पत्नी भूपराम गुरुवार दोपहर बाद शारदा रेंज, सेना पानी मार्ग की अन्य महिलाओं संग लकड़ी लेने गई थी। इस दौरान एक हाथी ने महिलाओं पर हमला कर दिया। अन्य महिलाएं चीख-पुकार मचाते हुए भागने लगी। इस दौरान हाथी ने माधुरी को उठाकर पटका और फिर कुचल दिया। इस दौरान गश्त पर निकले वन दारोगा मुकेश तड़ागी व वन बीट अधिकारी मुल्की राज को महिलाओं ने घटना की जानकारी दी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उधर, सीएम कैंप कार्यालय के नोडल अधिकारी केदार बृजवाल ने सीएम पुष्कर सिंह धामी को घटना की जानकारी दी जिस पर सीएम ने शोक संवेदना व्यक्त की। उनके निर्देश पर मौके पर डीएफओ कुंदन कुमार पहुंचे। उन्होंने मृतका के परिजनों को 10 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की।

माधुरी देवी (फाइल)

- महिलाओं के साथ गई थी जंगल में लकड़ी लेने

खटीमा में सैनिक की मां की नृशंसता से हत्या

खटीमा। खटीमा में गोरखा रेजिमेंट के सैनिक की माता की नृशंसता से हत्या कर दी गई। एकाकी जीवन बिता रहीं 60 वर्षीय जानकी देवी पत्नी पूर्व फौजी स्व. हरि चंद का उनके बंद घर से शव मिलने से सनसनी फैल गई। हत्यारा कोई करीबी माना जा रहा है, जो वारदात को अंजाम देकर घर का चैनल लॉक कर फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार, जानकी देवी सितारगंज रोड पर देवभूमि धर्मशाला के पास अपने मकान के प्रथम तल पर अकेली रहती थीं जबकि भूतल पर किराएदार रहता है। हरियाणा के कथित संत रामपाल की अनुयायी जानकी के पुत्र सूरज चंद गोरखा रेजिमेंट में हैं जो पंजाब के गुरदासपुर बॉर्डर पर तैनात हैं जबकि दोनों पुत्रियां पूनम और सुमन गुरुगांव और गाजियाबाद में रहती हैं। बड़ी बेटी पूनम ने बुधवार को मां को कई बार कॉल की लेकिन वह रिसीव नहीं हुई। पूनम ने खटीमा में अपने चाचा नरेश चंद रजवार को कॉल कर मां का पता लगाने को कहा। बुधवार देर रात चाचा मकान पर पहुंचे तो चैनल पर ताला लगा मिला। (संबंधित पेज-7)

जानकी देवी (फाइल)

- बंद घर में खून से लथपथ शव मिला
- अकेली रहती थीं जानकी

अब उत्तराखंड हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

संवाददाता, नैनीताल/चम्पावत

अमृत विचार: उत्तराखंड में अदालतों को बम से उड़ाने की धमकियों का सिलसिला लगातार जारी है। गुरुवार को नैनीताल स्थित उत्तराखंड हाईकोर्ट को भी बम धमाके से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने पर हड़कंप मच गया।

सूचना पर हाईकोर्ट तथा जिला न्यायालयों की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई और परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल के साथ एटीएस को तैनात कर दिया गया। आईजी रिद्धिम अग्रवाल ने बताया कि हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल कार्यालय को ई-मेल के माध्यम से धमकी मिली थी। सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं और न्यायालय परिसरों में बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड के साथ व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। हालांकि सर्च के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। उधर, चम्पावत जिला न्यायालय परिसर को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। जिला जज कार्यालय को भेज ई-मेल के बाद पुलिस प्रशासन ने कोर्ट परिसर की सघन तलाशी ली। इस दौरान कहीं से कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली। बता दें कि इससे पूर्व नैनीताल, उत्तरकाशी, टिहरी, रुद्रप्रयाग और देहरादून जिला न्यायालय परिसर को भी बम से उड़ाने की ई-मेल के जरिए धमकी मिली थी। देहरादून जिला न्यायालय में गुरुवार को भी धमकी भरा ईमेल भेजा गया।

एटीएस के दस्ते को निर्देश देतीं आईजी कुमाऊं रिद्धिम।

संदेश सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त सुविधा संस्कृति की आलोचना की, कहा- देश के आर्थिक विकास में बाधा डालने वाली ऐसी नीतियों पर पुनर्विचार करने यही समय

फ्री खाना मिलेगा तो लोग काम क्यों करेंगे, राज्य सरकारें रोजगार दें

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने लोगों को मुफ्त सुविधाएं देने की संस्कृति की कड़ी आलोचना करते हुए गुरुवार को कहा कि देश के आर्थिक विकास में बाधा डालने वाली ऐसी नीतियों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एक याचिका दायर कर उपभोक्ताओं की वित्तीय स्थिति पर गौर किए बिना हर किसी को निःशुल्क बिजली प्रदान करने का प्रस्ताव दिया है।

शीर्ष अदालत ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अगर राज्य गरीबों की मदद करते हैं तो यह बात पूरी तरह से समझ में आती है। देश के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची एवं न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि अधिकतर राज्यों का राजस्व घाटे में हैं लेकिन वे विकास की अनदेखी करते हुए इस तरह की मुफ्त सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि इस तरह की मुफ्त सुविधाएं देने से देश के आर्थिक विकास में बाधा पैदा होती है और राज्यों को सभी को मुफ्त भोजन, साइकिल और बिजली देने के बजाय रोजगार के अवसर खोलने के लिए काम करना चाहिए। हालांकि, न्यायालय ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के नेतृत्व वाली बिजली वितरण कंपनी की मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य को नोटिस जारी किया। बिजली वितरण कंपनी ने विद्युत संशोधन नियम, 2024 के एक नियम को चुनौती दी है। पीठ ने कहा, भारत में हम कैसी संस्कृति विकसित कर रहे हैं? यह समझ में आता है कि कल्याणकारी कदमों के तहत आप उन लोगों को (निःशुल्क) सुविधाएं उपलब्ध कराना चाहते हैं, जो बिजली शुल्क चुकाने में असमर्थ हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, लेकिन जो वहन कर सकते हैं और जो नहीं कर सकते, उनमें भेद किए बिना आप वितरण शुरू कर देते हैं। क्या यह तुष्टीकरण की नीति नहीं होगी? पीठ ने पूछा कि बिजली शुल्क अधिसूचित होने के बाद तमिलनाडु की कंपनी ने अचानक जेब ढीली करने का फैसला क्यों किया। सीजेआई ने कहा, राज्यों को रोजगार के रास्ते खोलने के लिए काम करना चाहिए।

कफ सिरप बनाने वाली कंपनी से पूछा, क्या आपको पता है कि देश की छवि को कितना नुकसान पहुंचा

नई दिल्ली। जिस फार्मास्युटिकल कंपनी के कफ सिरप के सेवन से उज्बेकिस्तान में 18 से अधिक बच्चों की मौत हो गई थी, उससे उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को पूछा, क्या आपको पता है कि इससे देश की छवि को कितना नुकसान हुआ है? प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने उस आदेश को रद्द करने से मना कर दिया, जिसमें कंपनी और उसके कुछ अधिकारियों को एक शिकायत पर तलब किया गया था, जिसमें मानक रहित दवाओं के विनिर्माण और बिक्री सहित कई नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया था। पीठ ने कहा, सिर्फ पैसों के लिए, आप इसमें शामिल हुए? इससे देश की छवि खराब हुई है।

स्टेट ब्रीफ

युवक ने खुद को गोली से उड़ाया

हरिद्वार : कोतवाली क्षेत्र की आकाशदीप कॉलोनी में गुरुवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां राजेश प्रजापति नामक युवक ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई, जबकि परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार राजेश लंबे समय से किडनी की बीमारी से जूझ रहा था और इसी कारण मानसिक तनाव में बताया जा रहा है। कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह ने बताया कि मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है तथा पुलिस हर पहलू से घटना की जांच कर रही है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं स्थानीय लोगों में भी शोक की लहर दौड़ गई है।

समय रहते काबू न पाया तो खड़ी होंगी बड़ी समस्याएं, वैज्ञानिकों ने इसे पर्यावरण और जलवायु के लिए बताया खतरा

फीका पड़ रहा देवभूमि का श्रृंगार, राज्य में घट रही हरियाली

बबलू चन्द्रा, नैनीताल

अमृत विचार: हिमालय की गोद में बसी देवभूमि का श्रृंगार फीका पड़ रहा है। इसकी बड़ी वजह उत्तराखंड की हरियाली में कमी आना है। 2001 से 22 के बीच 5.4 फीसद हरियाली घट गई है। पर्यावरण वैज्ञानिकों ने इसे पर्यावरण और जलवायु के लिए बड़ा खतरा बताया है। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज और कई अन्य देशों के वैज्ञानिक शोध के बाद निकले निष्कर्ष में यह खुलासा हुआ है।

दरअसल, तमाम वित्तीय-व्यवहारिक कारणों से संसाधनों में कमी एक अलग विषय है, लेकिन हरियाली में कमी का कारण सीधे पर्यावरण से जुड़ा है। ऐसे में बुद्धिजीवियों, वैज्ञानिकों का चिंतित होना स्वाभाविक है।

इसी चिंता को लेकर एरीज के डॉ. उमेश दुम्का के नेतृत्व में ग्राफिक एरा व आईआईएस देहरादून, ग्रीस और ऑस्ट्रेलिया के पर्यावरण वैज्ञानिकों ने हाल ही में सामूहिक शोध किया। इस शोध में चौंकाने वाले परिणाम सामने आए।

यह शोध डिपार्टमेंट साइंस एंड टेक्नोलॉजी में प्रकाशित हुआ है। वैज्ञानिकों ने शोध में ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स (एचडीआई) में वर्ष 2001 से 2022 तक के आंकड़े लिए गए और गूगल अर्थ इंजन सहयोग लिया गया।

विश्लेषण के बाद नतीजा आया कि राज्य की हरियाली में 21 साल के अंतराल में 5.4 प्रतिशत की कमी आई है। इसकी वजह कृषि क्षेत्र में कमी आना और भवन निर्माण है। जिस कारण हरियाली के साथ जैव विविधता के लिए भी अच्छे संकेत नहीं है, जिससे भविष्य में बड़े नुकसान उठाने पड़ सकते हैं। शोधकर्ता वैज्ञानिकों का कहना है कि अभी यह आंकड़ा इतना बड़ा नहीं है, जिससे बड़ा नुकसान उठाने पड़े, लेकिन रफ्तार इसी तरह से जारी रही तो हालात काबू से बाहर जा सकते हैं। इधर इस वर्ष शीतकाल में बर्फ और वर्षा में कमी का असर हरियाली में पड़ना स्वाभाविक है।

बीते साल शीतकाल में भी अधिकांश समय राज्य का अधिकांश हिस्सा सूखे की चपेट में रहा। इसके पीछे कारणों को समझा जा सकता है कि जलवायु परिवर्तन के कारण बदलाव आया है।

उत्तराखंड हरियाली की दिशा में अपनी अलग पहचान रखता है, जो देश की औसत हरियाली में बड़ी भूमिका निभाता है। अब उत्तराखंड जैसे वनाछिद क्षेत्र में हरियाली का घटना, भविष्य के पर्यावरण के पर्यावरण के लिए खतरे की घंटी है। जिसे समझने की सख्त जरूरत है।

घास के मैदान और जंगलों में आ रहा है बदलाव

शोध का नेतृत्व कर रहे एरीज के वैज्ञानिक डॉ. उमेश दुम्का के अनुसार राज्य में मौसम के साथ घास के मैदान और जंगलों बदलाव आने लगा है। हमारी वनस्पतियों पर भी प्रभाव नजर आने लगा है। जलवायु परिवर्तन सबसे बड़ी वजह मानी जा सकती है, लेकिन कृषि भूमि का आवासीय क्षेत्र में स्थानांतरण भी बड़ी वजह है, जो हरियाली को कम कर रही है। अब ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्या सिर उठा रही है, जिसकी बड़ी मार जलवायु को पढ़ रही है। समय रहते हरियाली का संतुलन संतुलित करना होगा, तभी भविष्य के पर्यावरण के खतरे को टाला जा सकेगा।

कुंभ क्षेत्र में बनाएं एडवांस्ड एवं एकीकृत कंट्रोल रूम

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने गुरुवार को राज्यपाल गुरमीत सिंह से लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की।

डीजीपी ने राज्यपाल को चारधाम यात्रा की तैयारियों तथा आगामी कुंभ मेले की प्रस्तावित सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, संवेदनशील स्थलों की निगरानी एवं अंतर विभागीय समन्वय की तैयारियों से अवगत कराया। राज्यपाल ने कहा कि, कुंभ जैसे विश्वस्तरीय आयोजन में एआई एवं अत्याधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग किया जाए ताकि भीड़ प्रबंधन, संदिग्ध गतिविधियों की पहचान तथा रियल-टाइम मॉनिटरिंग प्रभावी ढंग से की जा सके। उन्होंने कहा कि कुंभ क्षेत्र में एडवांस्ड एवं एकीकृत कंट्रोल रूम की स्थापना की जाए जो विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों, सीसीटीवी नेटवर्क, ड्रोन सर्विलांस तथा ट्रैफिक मॉनिटरिंग सिस्टम से समन्वित हो। राज्यपाल ने प्रदेशभर में चल रहे सघन सत्यापन अभियान को और अधिक फोकस एवं परिणामोन्मुखी ढंग से अनवरत संचालित करने पर बल दिया।

राज्यपाल गुरमीत सिंह से शिष्टाचार भेंट करते डीजीपी दीपम सेठ।

जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार

सुशासन की नई कार्यशैली का प्रतीक और सशक्त मिसाल बना यह अभियान : धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में संचालित 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम प्रदेश में सुशासन की सशक्त मिसाल के रूप में उभरकर सामने आया है। यह अभियान केवल एक प्रशासनिक पहल भर नहीं, बल्कि शासन को सीधे आमजन तक पहुंचाने की प्रभावी कार्यशैली के रूप में स्थापित हुआ है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि जनकल्याणकारी योजनाएं कागज़ों तक सीमित न रहें, बल्कि प्रदेश के दूरस्थ, पर्वतीय और सीमांत क्षेत्रों तक वास्तविक रूप से पहुंचें। अधिकारियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर जनसमस्याओं का मौके पर समाधान किया गया, जिससे बड़ी संख्या में नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हुआ। रिकॉर्ड स्तर पर लाभार्थियों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि शासन व्यवस्था अब अधिक सक्रिय, उत्तरदायी और जनोन्मुखी बनी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अनुसार, यह पहल प्रशासनिक संवेदनशीलता और पारदर्शिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुई है। शिकायतों के त्वरित निस्तारण, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और संवाद की खुली व्यवस्था ने जनता के विश्वास को सुदृढ़ किया है। इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों की भागीदारी और भरोसा दोनों मजबूत हुए हैं। कार्यक्रम ने यह भी स्पष्ट किया है कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि उनका वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वरोजगार, खाद्य सुरक्षा तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से आमजन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि, जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान अब एक सतत अभियान के रूप में प्रदेश में सुशासन, सेवा और विकास की नई परंपरा स्थापित कर रहा है। यह कार्यक्रम प्रशासन और जनता के बीच दूरी कम कर उत्तराखंड को प्रगतिशील एवं जनकेंद्रित राज्य के रूप में सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अभियान के दौरान जन समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

नंबर-1 पर ट्रेंडिंग कर रहा अभियान

देहरादून : जन जन की सरकार जन जन के द्वार अभियान नेशनवाइड नंबर-1 पर ट्रेंडिंग कर रहा है। शासन के अनुसार, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में संचालित इस कार्यक्रम ने इतिहास रच दिया है। यह अभियान केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि आम जनता तक सीधे शासन की पहुंच का सशक्त उदाहरण बन चुका है। रिकॉर्ड संख्या में लोग इससे लाभान्वित हुए हैं, जो यह प्रमाणित करता है कि सरकार की योजनाएं अब काग़ज़ों तक सीमित नहीं, बल्कि ज़मीनी स्तर पर हर नागरिक तक पहुंच रही हैं। यह कार्यक्रम सुशासन, संवेदनशील प्रशासन और जनसेवा के संकल्प का जीवंत प्रतीक बन गया है।

बारिश से पहले 28 डिग्री तक पहुंचा पारा

हल्द्वानी : शहर में गुरुवार दोपहर तक अपेक्षाकृत काफी तेज धूप रही और लोगों को हल्की गर्मी का अहसास हुआ। शाम के समय मौसम बदल गया और तेज हवा चलने लगी। काठगोदाम, रानीबाग, आवास विकास, मुखानी आदि इलाकों में बारिश भी हुई।

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार राज्य में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है लेकिन गुरुवार की अपरान्ह तक हल्द्वानी में इसका असर नहीं दिखा। दोपहर के समय धूप काफी तेज थी और इस बार फरवरी माह में सबसे ज्यादा 28 डिग्री तक पारा पहुंच गया। यह सामान्य से 3.7 डिग्री ज्यादा दर्ज किया गया है तो वहीं न्यूनतम तापमान 13.8 डिग्री रहा जो सामान्य से 5.7 डिग्री ज्यादा था। शाम होने के साथ ही मौसम में फिर से बदलाव हो गया। तेज हवा चलने लगी और पूरे शहर में बादल छा गए। दमुवाढूंगा, रानीबाग, आवास विकास, मुखानी आदि इलाकों में बारिश हुई। मौसम बदलने से लोगों को ठंड का अहसास होने लगा। एकदम से बढ़ रहे पारे से भी लोगों को राहत मिली। मौसम विभाग के मुताबिक 20-21 फरवरी को मौसम शुष्क रहेगा और फिर एक बार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा जिससे 22 से 24 फरवरी तक बारिश के साथ ही बर्फबारी होने की संभावना है।

नैनीताल में हिमकणों के साथ बारिश

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल में गुरुवार सुबह अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। तड़के हल्की बारिश के साथ हिमकण गिरने से ठंड में बढ़ोतरी दर्ज की गई।

सुबह करीब साढ़े पांच बजे हल्की वर्षा हुई, जिसके बाद कुछ देर तक हिमकण भी गिरते रहे। हालांकि कुछ समय बाद मौसम साफ हो गया और धूप निकल आई। दोपहर बाद फिर आसमान में घने बादल छा गए। शाम होते-होते हल्की बूंदाबांदी हुई, लेकिन बारिश इतनी कम थी कि जमीन पूरी तरह गीली भी नहीं हो सकी।बारिश थमने के बावजूद दिनभर बादलों का डेरा बना रहा और वर्षा की संभावना बनी रही।

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में यह बदलाव आया है। इसका प्रभाव आज समाप्त होने की संभावना है, जिसके बाद अगले दो से तीन दिनों तक मौसम साफ रहने का अनुमान है। हालांकि इसके बाद एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है, जिसका असर तीन दिन बाद देखने को मिल सकता है। मौसम में बदलाव के कारण ठंड में इजाफा हुआ है। जीआईसी स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार गुरुवार को अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

नैनीताल में गुरुवार को बारिश के बाद आसमान में काले बादल छा गए। ● अमृत विचार

- **दिनभर बादलों से घिरी सरोवर नगरी में बारिश की उम्मीद गुरुवार को पूरी नहीं हो सकी**

अल्मोड़ा में बारिश से तापमान गिरा

अल्मोड़ा : काफी दिनों से खिल रही अच्छी धूप के बाद गुरुवार को मौसम ने करवट बदली। सुबह से हुई बारिश ने एक बार फिर ठंड में इजाफा कर दिया है। इससे लोगों की दिक्कतें बढ़ गई हैं। दरअसल, बीते एक पखवाड़े से नगर सहित अन्य हिस्सों में चटख धूप ने लोगों को ठंड से राहत दिलाई थी। इससे तापमान में भी सुधार आया था। लोग सुबह और शाम की सैर के लिए घरों से निकलने लगे थे। गुरुवार सुबह एकाएक मौसम ने करवट बदली और बारिश शुरू हुई। झमाझम बारिश का सिलसिला दोपहर तक चला। इसके बाद धूम खिलने से मौसम सुहावना हो गया। वहीं, सुबह बारिश के चलते स्कूली बच्चों को परेशानी झेलनी पड़ी। बारिश और ठंड के चलते बाजार में भी कम ही लोग दिखाई दिए। आपदा कंट्रोल के मुताबिक गुरुवार को नगर का अधिकतम तापमान 18 डिग्री रिकार्ड किया गया, जबकि न्यूनतम छह डिग्री रहा। बारिश के बाद अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले दिनों में सुबह और शाम की ठंड में और इजाफा होगा।

बागेश्वर में मौसम ने करवट बदली

बागेश्वर : जनपद में गुरुवार सुबह से ही मौसम ने करवट बदली। विभिन्न क्षेत्रों में रुक-रुककर हो रही बारिश से तापमान में गिरावट आई है। बुधवार को आसमान में बादल छाए हुए थे। रात्रि में बादल हटे तथा गुरुवार को एक बार फिर बादलों ने आसमान को अपने आगोश में ले लिया। कुछ देर बाद तेज बरसात होने लगी। दिन में भी बारिश होने का क्रम जारी है।

नकलविहीन होंगी बोर्ड परीक्षाएं

मुख्य संवाददाता, देहरादून

21 फरवरी से शुरू होंगी 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं

2.15 लाख से ज्यादा परीक्षार्थी होंगे परीक्षा में शामिल

अमृत विचार: उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की हाईस्कूल (10वीं) एवं इंटरमीडिएट (12वीं) की परीक्षाएं आगामी 21 फरवरी से शुरू होंगी। इस बार प्रदेश भर में 2 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं बोर्ड परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। बोर्ड परीक्षा को नकलविहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी कराने के लिए विभागीय अधिकारियों को जरूरी निर्देश दे दिए गए हैं।

विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने गुरुवार को मीडिया को बताया कि आगामी 21 फरवरी से शुरू होने वाली उत्तराखंड बोर्ड परीक्षाओं को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर दी गई है। 10वीं व 12वीं कक्षाओं की परिषदीय परीक्षाएं निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं नकलविहीन कराने के लिए गाइडलाइन जारी कर दी गई है, जिसमें विभागीय अधिकारियों, जिला प्रशासन व पुलिस को आपसी समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। संवेदनशील एवं अति संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों पर अतिरिक्त व्यवस्था, विशेष उड़नदस्तों की तैनाती तथा लगातार निगरानी करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए हैं। उन्होंने आगे बताया कि, परीक्षा केन्द्रों के आसपास धारा-144 के नियमों का पालन, अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक तथा प्रश्नपत्रों की सुरक्षित आपूर्ति, संग्रहण व गोपनियता सुनिश्चित करने को केन्द्र व्यवस्थापकों, निरीक्षकों और संबंधित अधिकारियों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन करने को कहा है। डॉ. रावत ने बताया कि बोर्ड परीक्षा में इस बार लगभग 2 लाख 15 हजार से अधिक परीक्षार्थी शामिल होंगे, इसके लिये प्रदेशभर में 1261 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं, जिसमें 156 संवेदनशील जबकि 6 अति संवेदनशील केन्द्र हैं। मंत्री डॉ. रावत ने सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे बिना किसी तनाव के आत्मविश्वास व सकारात्मक सोच के साथ परीक्षा दें। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों से भी आग्रह किया कि वे बच्चों को प्रोत्साहित करें ताकि बच्चे परीक्षा हॉल में अच्छे से परीक्षाएं दे सकें।

वक्फ बोर्डः सरकार ने किया आश्वस्त

नैनीताल : उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद पर जल्द ही संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी की नियुक्ति कर दी जाएगी। राज्य सरकार की ओर से यह स्वीकारोक्ति गुरुवार को हाईकोर्ट में की है। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता की अगुवाई वाली खंडपीठ ने राज्य सरकार को इस मामले में अगले सप्ताह तक प्रगति रिपोर्ट पेश करने को कहा है। इस मामले को शादाब आलम की ओर से जनहित याचिका के माध्यम से चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि वक्फ बोर्ड के सीईओ के पद पर राज्य सरकार की ओर से संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी के बजाय अनु सचिव स्तर के अधिकारी नियुक्ति की गई है जो कि गलत है।

प्रमुख शहरों में विकसित होंगे आधुनिक सीसी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा निर्देशन में उत्तराखंड आवास एवं विकास परिषद ने शहरी विकास को नई दिशा देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

गुरुवार को आवास सचिव एवं आवास आयुक्त डॉ. आर. राजेश कुमार की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसलों पर मुहर लगी। उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में परिषद की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई और आम जनता को सुनियोजित, सुविधायुक्त एवं किफायती आवास उपलब्ध कराने के लिए ठोस कार्ययोजना तय की गई। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि परिषद की योजनाएं केवल भवन निर्माण तक सीमित न रहें, बल्कि नागरिकों को बेहतर जीवनस्तर और आधुनिक आधारभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराएं। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सचिव डॉ. कुमार ने कहा कि परिषद द्वारा देहरादून, ऋषिकेश, रुड़की, काशीपुर सहित अन्य नगरों में आधुनिक सामुदायिक केंद्र (सीसी) विकसित किए जाने का प्रस्ताव रखा गया है। इन केंद्रों को इस प्रकार डिजाइन किया जाएगा कि आमजन विवाह, सामाजिक कार्यक्रम एवं अन्य आयोजनों के लिए कम दरों पर उपयोग कर सकें। यह पहल मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए विशेष राहत लाएगी। इससे सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को निजी महंगे बैंक्वेट हॉल पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। बैठक में देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार, रुड़की, काशीपुर, जसपुर और अल्मोड़ा में भूखंडों और भवनों के आवंटन की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए गए। इन योजनाओं में चौड़ी सड़कें, हरित पार्क, सामुदायिक केंद्र और अन्य मूलभूत सुविधाएं होंगी।

परिषद का उद्देश्य है कि नागरिकों को सुनियोजित वातावरण में सुरक्षित और व्यवस्थित आवास मिल सके। इससे जीवनस्तर सुधरेगा बल्कि राज्य की आय में भी वृद्धि होगी। बैठक में श्रीनगर आवास योजना और जसपुर आवास योजना को प्राथमिकता के आधार पर विकसित करने का निर्णय लिया गया।

अधिकारियों के साथ बैठक करते आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार।

अंतरिक्ष विज्ञान

टाइटन के साथ एक अन्य उपग्रह की टक्कर से हुआ शनि के छल्लों का जन्म

शनि ग्रह के खूबसूरत छल्लों की उत्पत्ति का रहस्य उजागर

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : शनि ग्रह के छल्लों की उत्पत्ति का रहस्य उजागर हो गया है। शनि के अपने ही दो उपग्रहों के आपस में टकराने के कारण इसके छल्ले अस्तित्व में आए। छल्लों की उम्र 10 करोड़ साल है।

शनि ग्रह अपने छल्लों के कारण सौर मंडल के अन्य ग्रहों की तुलना में खास पहचान रखता है। शनि अपने करीब 29 सालों के परिक्रमाकाल में जब इसके छल्ले स्पष्ट नजर आते हैं तो इसकी सुंदरता धरती से देखने लायक होती है। मगर इनके छल्लों की उत्पत्ति को लेकर वैज्ञानिकों के बीच चर्चाएं अक्सर होती रही हैं, लेकिन अब बहस के इस मुद्दे पर विराम लग चुका है। कैल्टेक के साउथ वेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट और पेरिस स्थित ऑब्जरवेटरी डी पेरिस के वैज्ञानिकों के संयुक्त रिसर्च से शनि के छल्लों की उत्पत्ति का खुलासा हो पाया है। शोधकर्ता वैज्ञानिकों का कहना है कि पहले शनि का एक और उपग्रह हुआ करता था, इसका नाम प्रोटो हाईप्रियन था। यह उपग्रह टाइटन के इतने करीब आया कि उससे टकरा गया। इस टक्कर में

प्रोटो हाईप्रियन टूटकर बिखर गया और इसके मलवे से शनि का छल्ला बनाता चला गया। आज भी शनि के चारों ओर इसका मलवा बिखरा हुआ है, जो छल्लों से लिपटता जा रहा है। इस भीषण टकराव में मलवे का कुछ हिस्सा टाइटन से जा मिला और टाइटन का आकार भी बड़ा हो गया। वैज्ञानिकों के अनुसार तब टाइटन इतना बड़ा नहीं था, मलवा शामिल होने के कारण ही यह आकार में बड़ा हो गया और वर्तमान में शनि का सबसे बड़े उपग्रह बन गया। यह भी कहा गया है कि इस टक्कर ने शनि को भी प्रभावित किया और उसके झुकाव में बढ़ोतरी हो गई, जो 26.7 डिग्री पहुंच गई। रिसर्च में यह भी साफ किया गया है कि टक्कर से पहले टाइटन में चंद्रमा की सतह की तरह पिंडों के टकराने से विशाल गड्ढे हुआ करते थे, जो प्रोटो हाईप्रियन के के मलवे से भर गए। इसलिए टाइटन की सतह सपाट नजर आती है। यह रिसर्च पेपर इसी माह प्लेनेटरी साइंस जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

शनि ग्रह के साथ टाइटन और छल्ले की तस्वीर।

सौर मंडल के निर्माण में अभी भी कई रहस्य उजागर होने बाकी हैं

नैनीताल : आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डा शशिभूषण पांडे कहते हैं कि हमारे सौर मंडल समेत ग्रहों के निर्माण को लेकर अभी भी कई प्रश्न अनुत्तरित हैं। अब शनि के ग्रहों के निर्माण को लेकर किया गया खुलासा सराहनीय है। इस रिसर्च के बाद शनि के छल्लों को लेकर अन्य जानकारियां भी आने लगेंगी।

चारधाम यात्रा में स्वास्थ्य सेवा की चर्चा

मुख्य संवाददाता, देहरादून/नई दिल्ली

अमृत विचार : कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने गुरुवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान डॉ. रावत ने केन्द्रीय मंत्री से चारधाम यात्रा में स्वास्थ्य सुविधाओं के लेकर विस्तृत चर्चा की।

कैबिनेट मंत्री डॉ. रावत ने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को यात्रा को लेकर राज्य सरकार की जा रही तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार केदारनाथ एवं बदरीनाथ धाम में आधुनिक चिकित्सा इकाई स्थापित कर दी गई है जिनका शुभारम्भ इसी यात्रा सीजन में होगा। उन्होंने बताया कि चार धाम यात्रा मार्गों पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती के साथ ही चिकित्सकों का पूल भी तैयार किया जा रहा है जिसमें राज्य की विभिन्न चिकित्सा इकाईयों में तैनात चिकित्सकों के साथ ही राज्य मेडिकल कॉलेज, एम्स ऋषिकेश के चिकित्सकों के साथ देशभर के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के चिकित्सकों की सेवाएं ली जाएगी। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिये एम्स ऋषिकेश, राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर व देहरादून की सेवा ली जाएगी। उन्होंने बताया कि यात्रा में 108 आपातकालीन सेवा, एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस, कार्डियक एम्बुलेंस सेवा की त्रिस्तरीय व्यवस्था सुविधाएं रहेगी।

डॉ. रावत ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राज्य के पीआईपी में प्रस्तावित नई कार्यक्रमों के संचालन के लिए अतिरिक्त बजट उपलब्ध कराने की भी मांग भी की जिस पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने सकारात्मक आश्वासन दिया। इस दौरान डॉ. रावत ने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को आगामी चारधाम यात्रा पर आने का न्योता भी दिया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से भेंट करते कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत।

- **कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से की मुलाकात**

सिटी ब्रीफ

देसी शराब के साथ एक गिरफ्तार

हल्द्वानी : पुलिस ने देसी शराब की तस्करी करते एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। मुखानी पुलिस के मुताबिक, 18 फरवरी को एसआई विरेन्द्र चन्द टीम के साथ गश्त पर थे। टीम छड़ायल चौराहे के पास पहुंची तो एक फास्ट फूड शॉप की सीढ़ी पर बैठा व्यक्ति पुलिस को देख कर भागने लगा। पुलिस ने उसे पकड़ लिया और उसी की निशानदेही पर पुलिस ने सीढ़ी के नीचे से देसी शराब के 192 टेट्रा पैक बरामद किए। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम विकास कुमार पुत्र इन्द्रलाल निवासी प्रेमपुर लोश्ज्ञानी मुखानी बताया।

स्कूटी से कर रहा था तस्करी, पकड़ा गया

हल्द्वानी : स्कूटी से शराब की तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। हल्द्वानी कोतवाली पुलिस के मुताबिक, बीती 18 फरवरी को एसआई आरती टीम के साथ गश्त करती हुई प्रेम टॉकीज के पास पहुंची। एक स्कूटी सवार पुलिस को देखकर घबरा गया। पुलिस ने उसे पकड़ा तो स्कूटी से देसी शराब की दो पेटियां बरामद कीं। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मोहित कश्यप पुत्र किशन कश्यप निवासी राजेन्द्रनगर राजपुरा बताया। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया।

पुलिस ने जिले में वाहनों की जांच की

हल्द्वानी : ब्रॉम्ब थ्रेट के बाद पुलिस ने जिले भर में चेकिंग अभियान चलाया। बैरियर, प्रमुख चौराहों पर बाहर से आने वाले वाहनों की विशेष चेकिंग की और देर रात तक पुलिस सड़कों पर मुस्तैद रही।

बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड ने चप्पा-चप्पा खंगाला

विदेशी आईपी एड्रेस से जुड़े मिले धमकी के तार, आईजी व एसएसपी ने सुरक्षा व्यवस्थाएं परखीं, परिसर में एसटीएस, पीएसी व अतिरिक्त पुलिस फोर्स तैनात

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः उत्तराखंड में अदालतों को बम से उड़ाने की धमकियों का सिलसिला लगातार जारी है। गुरुवार को स्थिति उस समय और गंभीर हो गई जब नैनीताल स्थित उत्तराखंड हाई कोर्ट को भी बम धमाके से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ। इससे पुलिस और न्यायिक प्रशासन में हड़कंप मच गया।

आनन-फानन में हाई कोर्ट तथा जिला न्यायालयों की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई और परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल के साथ एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) को तैनात कर दिया गया। पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) रिद्धिम अग्रवाल ने बताया कि हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल कार्यालय को ई-मेल के माध्यम से धमकी मिली थी। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में आ गईं और न्यायालय परिसर की व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया गया।

बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड ने कोर्ट परिसर के साथ आसपास के क्षेत्रों की भी गहन जांच की, हालांकि तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई।

चार दिनों से लगातार मिल रहीं धमकियांः प्रदेश में पिछले चार दिनों से जिला न्यायालयों को लगातार धमकी भरे ई-मेल मिल रहे हैं। इससे पहले नैनीताल, उत्तरकाशी, टिहरी और रुद्रप्रयाग सहित कुमाऊं और गढ़वाल मंडल के कई जिला न्यायालयों को भी बम से उड़ाने की धमकी दी जा चुकी है। सभी मामलों में संबंधित जनपदों में मुकदमे दर्ज किए गए हैं।

जिला न्यायालय में लगातार मिल रही बम की धमकी के बाद मुख्य गेट पर लगाए गए मेटल डिटेक्टर।

जिला न्यायालय के न्यायाधीश प्रशांत जोशी ने अधिवक्ताओं से की मुलाकात न्यायालय में देखी सुरक्षा व्यवस्था।

एंट्री गेट पर लगाए गए मेटल डिटेक्टर

धमकी भरे ई-मेल में इस बार ड्रोन के माध्यम से हाई कोर्ट और जिला न्यायालय परिसर को निशाना बनाने की बात कही गई है। खतरे की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कई स्थानों को खाली कराया और सुरक्षा घेरा बढ़ा दिया। न्यायालय परिसर के सभी प्रवेश द्वारों पर मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं तथा आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सघन जांच की जा रही है। बाहरी लोगों से पूछताछ भी की जा रही है।

जिला जज ने किया कोर्ट का निरीक्षण, जांची सुरक्षा व्यवस्था

जिला न्यायालय को तीसरी बार बम से धमकी मिलने और न्यायालय को उड़ाने की चेतावनी के बाद जिला जज प्रशांत जोशी ने जज चैंबर और कोर्ट परिसर का निरीक्षण किया गया। वहीं एसपी क्राइम नैनीताल डॉ. जगदीश चंद्रा ने बताया कि बम डिस्पोजल स्क्वॉड द्वारा लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

विदेश से जुड़े मिले आईपी एड्रेस

आईजी रिद्धिम अग्रवाल ने बताया कि मामले की जांच एसटीएफ द्वारा केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर की जा रही है। अब तक ट्रैक किए गए कुछ आईपी एड्रेस भारत से बाहर के पाए गए हैं, जिन्हें गंभीरता से जांच के दायरे में लिया गया है। ई-मेल भेजने वालों की पहचान करने और उनकी लोकेशन ट्रेस करने के प्रयास जारी हैं। कहा हाई कोर्ट और जिला न्यायालयों की सुरक्षा को लेकर किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जा रही है। अतिरिक्त पुलिस बल, एटीएस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड लगातार निगरानी में लगे हुए हैं। न्यायालय परिसरों में प्रवेश पूरी तरह नियंत्रित कर दिया गया है और हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। लगातार मिल रही धमकियों के कारण प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था में सतर्कता बढ़ा दी गई है। हालांकि अब तक की जांच में कोई विस्फोटक या संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां मामले को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए हर पहलू की जांच कर रही है।

डार्क वेब के मेल से जांच में 'अंधेरा'

गौरव जोशी, नैनीताल

अमृत विचार : उत्तराखंड के सभी जिला न्यायालयों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले मामलों ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। नैनीताल, पौड़ी, ऊधमसिंह नगर, टिहरी समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों की अदालतों को भेजी गई धमकी भरी ईमेल के पांच दिन बीत जाने के बावजूद अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ईमेल किसने भेजी और इसका स्रोत कहां है। जांच में सामने आया कि धमकी भरे संदेश डार्क वेब से भेजे गए हैं, जिससे पुलिस, आईटी सेल और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की जांच और अधिक जटिल हो गई है।

साइबर सुरक्षा पर फिर उठे सवाल : इस घटना ने एक बार फिर सरकारी संस्थानों की साइबर सुरक्षा और डिजिटल निगरानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिला बार एसोसिएशन महासचिव दीपक रुवाली का कहना है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए साइबर इंटेलिजेंस सिस्टम को और मजबूत करने की आवश्यकता है 5 दिन बीत जाने के बावजूद भी अब तक जिम्मेदार एजेंसियां आईपी एड्रेस ट्रैक नहीं कर सकी है। कोर्ट के मामले को भी सुरक्षा एजेंसियां हल्के में ले रही हैं लिहाजा पुलिस को इसको गंभीरता से लेना चाहिए।

डार्क वेब बनी जांच में सबसे बड़ी चुनौती

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि ईमेल डार्क वेब प्लेटफॉर्म का उपयोग कर भेजी गई है। डार्क वेब इंटरनेट का वह हिस्सा है जहां उपयोगकर्ता अपनी पहचान छिपाकर गतिविधियां संचालित कर सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इस माध्यम से भेजे गए संदेशों का वास्तविक स्रोत पता लगाना बेहद कठिन होता है क्योंकि इसमें कई स्तर की एन्क्रिप्शन और वर्चुअल नेटवर्क का इस्तेमाल किया जाता है। आईजी रिद्धिम अग्रवाल ने बताया कि अपराधी अक्सर वीपीएन, टोर नेटवर्क और फर्जी सर्वरों का उपयोग करते हैं, जिससे लोकेशन ट्रेस करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। यही कारण है कि पांच दिन बीत जाने के बाद भी जांच एजेंसियों को ठोस सुराग नहीं मिल पाया है।

एसटीएफ और साइबर सेल की संयुक्त जांच

मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य पुलिस, साइबर क्राइम सेल और एसटीएफ संयुक्त रूप से जांच कर रही हैं। ईमेल सर्वर, आईपी लॉग और डिजिटल ट्रेल खंगाले जा रहे हैं। केंद्रीय एजेंसियों से भी तकनीकी सहयोग लिया जा रहा है। जांच अधिकारी यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह शरारती तत्वों की हरकत है या किसी संगठित गिरोह द्वारा दहशत फैलाने की साजिश।

न्यायिक कार्य प्रभावित, लोगों में चिंता

लगातार मिल रही धमकियों के कारण कई न्यायालय परिसरों में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल भी बना। हालांकि प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं और न्यायिक कार्य सामान्य रूप से संचालित किए जा रहे हैं। इसके बावजूद अधिवक्ताओं और वादकारियों में सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है।

धमकी देने वाले अज्ञात पर केस दर्ज

हाई कोर्ट को बम से उड़ने की धमकी देने वाले के खिलाफ मल्लीताल कोतवाली पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ 351, बीएनएस 66 एफ, आईटी एक्ट संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। एसपी जगदीश चंद्रा ने बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जा रही है तथा जांच पूरी होने तक न्यायालय परिसर में कड़ी निगरानी जारी रहेगी।

पुराने मामलों में नई धमकी के तार तलाश रही पुलिस

- जिला जजों को लगातार धमकियों के बीच पुलिस के हाथ खाली, नहीं मिल रहे फुट प्रिंट

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : चार दिन पहले नैनीताल जिला कोर्ट को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली। इस धमकी ने पुलिस-प्रशासन के होश उड़ा दिए। पुलिस कुछ समझ पाती, इससे पहले ही ई-मेल से आने वाली धमकियों का सिलसिला शुरू हो गया। इसके पीछे टॉर डार्कवेब की बात सामने आई, लेकिन इतने दिन गुजर जाने और धमकियों के सिलसिले के बीच पुलिस के हाथ कोई ठोस सुबूत नहीं लगा। पुलिस अब हाईकोर्ट को पूर्व में मिली धमकी से नई धमकी के तार जुड़े होने की संभावनाओं को तलाश रही है।

पुलिस के मुताबिक, वर्ष 2023 अगस्त में भी हाईकोर्ट नैनीताल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। ये धमकी सीधे हाईकोर्ट को नहीं भेजी गई थी। बल्कि धमकी भेजने वाले ने नैनीताल पुलिस के ऑफीशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर भेजी थी। मामले में तल्लीताल पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया और पड़ताल शुरू की गई तो दिल्ली निवासी नितिन शर्मा का नाम सामने आया।

पुलिस ने धमकी देने वाले इस आरोपी को आंध्र प्रदेश से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपी को जेल भेजा, लेकिन अब वो कहां है किसी को नहीं पता।पुलिस का कहना है कि पूर्व में धमकी देने वाले के बारे में पता लगाया जा रहा है कि वह कहां है। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि कहीं पूर्व में मिली धमकियों के तार वर्तमान में आ रही धमकियों से तो नहीं जुड़े हैं।

एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल ने बताया कि वर्तमान में मिल रही धमकियों की जांच जारी है। साइबर पुलिस टीमें भेजे गए ई-मेल के डिजिटल फुट प्रिंट तलाश कर रही हैं। इसके अलावा पूर्व में मिली धमकी को भी जांच में शामिल किया गया है।

10 हजार आबादी पानी को तरसी

- हाइडिल और नई बस्ती में नलकूप खराब होने से पेयजल आपूर्ति हुई ठप

संवाददाता, हल्द्वानी

फाइल फोटो

अमृत विचार : शहर के दो प्रमुख क्षेत्रों में नलकूप हाइडिल और नई बस्ती स्थित नलकूपों में आई तकनीकी खराबी के चलते करीब 10 हजार से ज्यादा की आबादी पानी के परेशान है।

प्रभावित क्षेत्रों में सुबह और शाम होने वाली पानी की सप्लाई बंद होने से लोगों के दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। विशेषकर कामकाजी लोगों और स्कूली बच्चों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि नलकूपों के रखरखाव पर ध्यान न दिए जाने के कारण आए दिन इस तरह की स्थिति होती है। इधर, समस्या को देखते हुए जल संस्थान ने प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जा रही है। इन क्षेत्रों में टैंकर पहुंचते ही पानी के लिए लंबी लाइनें लग रही हैं।

जल संस्थान के सहायक अभियंता रविन्द्र कुमार का कहना है कि नलकूपों की मरम्मत का काम जारी है। मोटर में आई खराबी को ठीक करने का काम चल रहा है। जल्द ही नलकूपों को ठीक कर आपूर्ति सुचारू कर दी जाएगी, तब तक वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर टैंकरों से पानी की आपूर्ति की जा रही है।

स्थानीय लोगों ने विभाग से मांग की है कि पुरानी मोटरों को बदलकर नई मोटरें लगाई जाएं ताकि बार-बार होने वाली इस समस्या से स्थाई निजात मिल सके।

हर विस क्षेत्र की समस्या को उठाएंगेः सुमित

हल्द्वानी, अमृत विचारः कांग्रेस के हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति साझा की है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव व्यक्तिगत चुनाव होते हैं और इसमें हर विधानसभवार अलग-अलग मुद्दे महत्तवपूर्ण होते हैं। कांग्रेस 70 सीटों के मुद्दों की सूची बना रही है। भाजपा केवल जाति और धर्म के नाम लोगों को लड़ा रही है। जनता भाजपा के राज से त्रस्त हो चुकी है और हमें पूरा विश्वास है कि कांग्रेस इस बार सत्ता बदलेगी। कहा कि कांग्रेस में नेताओं की कमी नहीं है और चुनाव में पार्टी को उन्हीं प्रत्याशियों का चयन करना चाहिए जो चुनाव जीत सकें।

40 साल पुरानी जर्जर सीवर लाइन बदलो

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः शहर के वार्ड नंबर 11 बद्रीपुरा तल्ला गोरखपुर में पिछले लंबे समय से सीवर लाइन की जर्जर स्थिति से परेशान क्षेत्रवासियों ने गुरुवार अधिकारियों की हीलाहवाली के विरोध में पार्षद रवि जोशी के साथ वार्ड में ही धरना दिया।

पार्षद रवि जोशी ने कहा कि वार्ड की सीवर लाइन लगभग 40 वर्ष पुरानी हो चुकी है, जो पूरी पूरी तरह जर्जर है। सीवर का गंदा पानी गलियों और मोहल्लों में फैल रहा है। पार्षद ने आरोप लगाया कि अधिकारियों को कई बार लिखित और मौखिक रूप से सूचित किया जा चुका है लेकिन अधिकारी केवल जनता को गुमराह कर रहे हैं। क्षेत्र में गंदगी फैलने का बीमारी का खतरा बना हुआ है, जिसे अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बद्रीपुरा तल्ला में सीवर लाइन बदलने की मांग को लेकर धरना देते पार्षद रवि जोशी व अन्य। ● अमृत विचार

प्रदर्शन की सूचना मिलते ही जल निगम के सहायक अभियंता वाईएस यशपाल वार्ड 11 बद्रीपुरा पर चल रहे धरने स्थल पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को जानकारी दी कि इस क्षेत्र की जर्जर सीवर लाइन को बदलने का प्रस्ताव पहले ही स्वीकृत हो चुका है और इसके लिए सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि आगामी एक हफ्ते के भीतर धरातल पर सीवर लाइन डालने का काम शुरू कर दिया जाएगा। जिसके बाद पार्षद और स्थानीय निवासियों ने अपना धरना समाप्त किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि हफ्ते भर में काम शुरू नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस प्रदर्शन में मुख्य रूप से गोविंद शर्मा, ललित तिवारी, आशीष गोयल, चंपा पांडे, जगदीश डालाकोटी, नवीन जोशी, अनुज कांत अग्रवाल व गौरव अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

गारद की कमी से कैदियों को हायर सेंटर में नहीं मिलता इलाज

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

गुरुवार को उपकारागार का निरीक्षण करते आईजी जेल करण सिंह नगन्याल।

अमृत विचार : आईजी जेल का उपकारागार हल्द्वानी में बंदियों व कैदियों से आमना-सामना हुआ तो उन्होंने शिकायतों की झड़ी लगा दी। गारद की वजह से इलाज में देरी समेत तमाम शिकायतें बंदियों से आईजी से की। आईजी ने शिकायतों के समाधान का भरोसा दिया और जेल का निरीक्षण किया।

आईजी जेल करण सिंह नगन्याल गुरुवार को अचानक निरीक्षण के लिए उपकारागार पहुंचे। इस दौरान भोजन व्यवस्था, स्वच्छता और चिकित्सीय सुविधाओं की समीक्षा की। अस्पताल वार्ड का जायजा लिया गया, जहां बंदियों ने उपचार से जुड़ी कठिनाइयों को प्रमुखता से उठाया।

बंदियों का कहना था कि गंभीर बीमारी की स्थिति में बाहरी अस्पताल ले जाने के लिए पर्याप्त सुरक्षा गारद उपलब्ध नहीं हो पाती, जिससे इलाज में देरी होती है। उन्होंने बताया कि यदि उन्हें दिल्ली या ऋषिकेश जैसे बड़े चिकित्सा केंद्रों में रेफर किया जाता है तो सुरक्षा व्यवस्था के अभाव में प्रक्रिया अटक जाती है। इस पर आईजी ने जेल अधीक्षक प्रमोद कुमार पांडे से स्थिति स्पष्ट करने को कहा। पता लगा कि स्थानीय स्तर पर पुलिस गारद की कमी समस्या का मुख्य कारण है। नैनीताल से कभी-कभी गारद मिल जाता है, लेकिन ऊधमसिंह नगर से सहयोग नियमित रूप से नहीं मिल पा रहा। इस पर आईजी ने तत्काल संबंधित अधिकारियों से पत्राचार कर समाधान निकालने के निर्देश दिए। बंदियों ने अदालतों में गवाही की प्रक्रिया में देरी की शिकायत भी की। आईजी ने स्पष्ट किया कि न्यायिक प्रक्रिया अदालत के अधिकार क्षेत्र में आती है, फिर भी प्रशासनिक स्तर पर जो औपचारिक पहल संभव होगी, वह की जाएगी। उन्होंने महिला बैरक का दौरा कर महिला बंदियों से व्यक्तिगत रूप से बात की।

एसटीएच में नैनीताल जेल से रेफर बंदी की मौत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नैनीताल जिला कारागार में बंद एक 30 वर्षीय विचाराधीन बंदी की उपचार के दौरान हल्द्वानी स्थित डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय में मौत हो गई। मृतक युवक बनभूलपुरा क्षेत्र का निवासी था और एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में जेल में बंद था।

जानकारी के अनुसार, युवक लंबे समय से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहा था। वह नशे के इंजेक्शन का आदी रहा, जिसके चलते वह एचआईवी संक्रमण की चपेट में आ गया था। स्वास्थ्य खराब होने पर 12 फरवरी को पहले उसे बीडी पांडे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी खराब हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे उसी दिन हल्द्वानी रेफर कर दिया। बंदी को पूर्व में काला पीलिया भी हो चुका था, हालांकि उससे वह उबर गया था। बीते कई दिनों से उसे लगातार तेज बुखार की शिकायत थी और एसटीएच में उसका इलाज चल रहा था। बुधवार देर रात उसकी हालत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। गुरुवार को मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में वीडियोग्राफी के साथ पोस्टमार्टम कराया गया। बताया जा रहा है वह हेपेटाइटिस बी से भी ग्रसित था। कोतवाल विजय मेहता का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

21 दिन 3 सोमवार का हो विस का बजट सत्र

हल्द्वानी : नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने सीएम पुष्कर सिंह धामी को पत्र भेजकर विधानसभा बजट सत्र को 21 दिनों तक चलाने और इस अवधि में तीन सोमवार होने की मांग की है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार विधानसभा से जनता के प्रति उत्तरदायी होती है। सदन में प्रश्नकाल तथा अन्य संसदीय नियमों के अंतर्गत प्राप्त अधिकारों, पक्ष एवं विपक्ष के विधायकगण अपनी-अपनी सीटों तथा ज्वलंत मुद्दों पर सरकार से उत्तर मांगते हैं। विधानसभा की कार्य संचालन नियमावली में सदस्यों के विशेषाधिकार हैं। सीएम सहित प्रत्येक मंत्री के अधीन विभागों से संबंधित प्रश्नों के उत्तर के निर्धारित दिवस होते हैं। चतुर्थ एवं पंचम विस की परंपरा के अनुसार सीएम से संबंधित विभागों के प्रश्नों के लिए सोमवार का दिन नियत है।

श्रम आयुक्त के बाद भी नहीं मिल सका बोनस

- ऊर्जा आउटसोर्स श्रम संगठन लंबित मांग को कर रहा है आंदोलन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः ऊर्जा निगम के हजारों आउटसोर्स और संविदा श्रमिकों को इस वर्ष दिवाली के बाद भी बोनस नहीं मिलने से नाराजगी है। श्रम आयुक्त कार्यालय के स्पष्ट आदेशों के बावजूद विभागीय स्तर पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई न होने से कर्मचारियों में आक्रोश है।

उत्तराखंड ऊर्जा आउटसोर्स श्रम संगठन के सचिव पान सिंह चिलवाल ने महाप्रबंधक को पत्र भेजकर नराजगी व्यक्त की है। चिलवाल का कहना है कि श्रम आयुक्त कार्यालय की ओर 22 जनवरी को स्पष्ट निर्देश जारी किए गए थे कि तत्काल बोनस का भुगतान किया जाए। संगठन का आरोप है कि आदेश जारी हुए लगभग एक माह बीत चुका है, लेकिन 19 फरवरी तक विभाग की ओर से कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। श्रमिकों का कहना है कि वे विषम परिस्थितियों में दिन-रात कार्य कर ऊर्जा व्यवस्था को सुचारू बनाए हुए हैं, इसके बावजूद उनके वैधानिक अधिकारों की अनदेखी की जा रही है और भुगतान में अनावश्यक देरी की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि माननीय श्रम आयुक्त के आदेशों का शीघ्र पालन नहीं किया गया और बोनस भुगतान नहीं हुआ, तो संगठन आंदोलन करने को बाध्य होगा। उन्होंने विभाग से मांग की है कि सभी पात्र आउटसोर्स कर्मचारियों को बिना किसी और देरी के उनका वैधानिक बोनस दिया जाए।

सिटी ब्रीफ

विषाक्त पदार्थ के सेवन से महिला की मौत

रामनगर: विषाक्त पदार्थ का सेवन करने से एक महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बुधवार को गांधीनगर, काशीपुर, जिला ऊधमसिंह नगर की रानी (27) पत्नी नीटू सिंह ने घर में विषैले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालात गंभीर होने पर परिजनों ने उसे उपचार के लिए रामनगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक की दो छोटी बेटियां हैं और पति मजदूरी करता है। वहीं नायब तहसीलदार कुंदन पुरी ने सरकारी अस्पताल पहुंच मृतक के परिजनों से जानकारी ली।

लंबे समय से फरार वारंटी गिरफ्तार

नैनीताल: लंबे समय से फरार चल रहे एक आरोपी को नैनीताल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष तल्लीताल मनोज नयाल के नेतृत्व में चलाए जा रहे एनबीडब्ल्यू अभियान के तहत पुलिस टीम ने रूप किशोर पुत्र स्वर्गीय राम किशोर, निवासी प्रीत विहार, रम्पुरा, रुद्रपुर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तारी टीम में उप निरीक्षक सुनील कुमार तथा कांस्टेबल धर्मेंद्र साहनी शामिल रहे।

बहुद्देश्यीय शिविर में 60 शिकायतें हुईं दर्ज अधिकांश का मौके पर ही किया समाधान

जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत आयोजन, विधायक राम सिंह कैड़ा रहे मौजूद

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल के रामलीला मैदान में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के दूसरे चरण के अंतर्गत मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पांडे की अध्यक्षता में शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में पेयजल, सिंचाई, विद्युत, शिक्षा, सड़क, अतिक्रमण, होम-स्टे संचालन सहित विभिन्न समस्याएं लोगों ने प्राथमिकता से रखीं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निराकरण किया गया।

शिविर में लगभग 60 शिकायतें दर्ज की गईं। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकतर मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया, जबकि शेष समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन समस्याओं का समाधान शिविर में नहीं हो पाया है, उनका निस्तारण संबंधित विभाग प्राथमिकता से करेंगे और शिकायतकर्ताओं को इसकी सूचना भी देंगे।

पेयजल व विद्युत संबंधी शिकायतें: शिविर के दौरान

भीमताल में आयोजित 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम में मौजूद मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पांडे व अन्य।

कई लोगों ने पेयजल लीकेज की शिकायत की, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने जल संस्थान के अधिकारियों को तत्काल मरम्मत के निर्देश दिए। भीमताल के दो नागरिकों ने स्मार्ट विद्युत मीटर लगने के बाद अधिक बिल आने की शिकायत की। इस पर विद्युत विभाग को मीटर की जांच कर रीडिंग का मिलान करने तथा सत्यापन के बाद ही बिल जमा कराने के निर्देश दिए गए। नौकुचियाताल क्षेत्र में पानी की समस्या और पेयजल टैंक की क्षमता बढ़ाने व नए टैंक निर्माण का अनुरोध भी किया गया। इस पर अधिशासी अभियंता, जल संस्थान को निरीक्षण कर जरूरी कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

पेयजल टैंक हस्तांतरण के दिए निर्देश

भीमताल नगर पालिका के वार्ड नंबर 6 में पूर्व में निर्मित पेयजल टैंक, जो अभी तक जल संस्थान को हस्तांतरित नहीं किया गया है, के संबंध में मुख्य विकास अधिकारी ने अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका को निर्देश दिए कि जल संस्थान के साथ संयुक्त निरीक्षण कर एक सप्ताह के भीतर टैंक हस्तांतरित किया जाए। शिविर में नौकुचियाताल मार्ग पर लोक निर्माण विभाग की सड़क पर अवैध कब्जे, जून स्टेट भीमताल में भूमि विवाद, विद्यालयों में शिक्षकों की कमी और शिक्षकों के विलंब से पहुंचने जैसी शिकायतें भी सामने आईं, जिन पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य एवं अन्य विभागों की सेवाएं

स्वास्थ्य विभाग द्वारा 80 लोगों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा वितरित की गई। आयुर्वेदिक विभाग ने 35 तथा होम्योपैथिक विभाग ने 40 लोगों का परीक्षण कर नि:शुल्क दवा दी। पंचायतीराज विभाग द्वारा जन्म-मृत्यु पंजीकरण और बीपीएल प्रमाण पत्र की प्रतियां जारी की गईं। श्रम विभाग ने 10 व्यक्तियों को पंजीकरण संबंधी जानकारी देकर आवेदन पत्र उपलब्ध कराए। पशुपालन विभाग ने 10 पशुपालकों को विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किया। मत्स्य विभाग ने 6, विद्युत विभाग ने 6, कृषि विभाग ने 18, उद्यान विभाग ने 24 तथा उद्योग विभाग ने 8 लोगों को योजनाओं का लाभ दिया। कार्यक्रम का संचालन रामपाल सिंह गंगोला ने किया। इस अवसर पर भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा, उत्तराखंड सरकार में दायित्वधारी शांति मेहरा, नगर पालिका अध्यक्ष सीमा टम्टा, सहायक परियोजना निदेशक डीआरडीए चंदा फर्त्याल, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका राहुल कुमार सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष कमल जोशी सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

नैनीताल पहुंची पीस कार रैली रोटरी क्लब ने किया स्वागत

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: शांति, सद्भावना और भाईचारे का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से रोटरी इंटरनेशनल के मंडल 3110 के तत्वावधान में आयोजित पीस कार रैली गुरुवार को नैनीताल पहुंची। मंडल अध्यक्ष रो. राजेन विद्यार्थी के नेतृत्व में रैली 18 फरवरी को बरेली से रवाना हुई थी। यह पीलीभीत, रुद्रपुर, काशीपुर और रामनगर होते हुए 19 फरवरी को नैनीताल के बारापत्थर पहुंची। बारापत्थर में रोटरी क्लब नैनीताल के सदस्यों ने अपने वाहनों के साथ रैली का स्वागत कर डीएसए मैदान तक पहुंचाया।

यहां लीड क्लब बरेली से आए प्रतिभागियों का भारतीय शहीद सैनिक विद्यालय के इंटरैक्टर्स ने भव्य स्वागत किया। बैंड स्टैंड में कुमाऊनी लोकनृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी गई। डीएसए मैदान पार्किंग से रैली को मॉल रोड होते हुए हल्द्वानी के लिए रवाना किया गया। रैली नैनीताल से हल्द्वानी, रामपुर, उन्नाव, कासगंज, कानपुर, मथुरा, आगरा और अलीगढ़ होते हुए 23 फरवरी को पुनः बरेली पहुंचेगी। वहां रोटरी इंटरनेशनल सेलिब्रेशन डे के अवसर पर पीस सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। रैली में मंडल अध्यक्ष रो. राजेन विद्यार्थी, चीफ डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी रो. मोहन गुप्ता, पीस रैली चेयरमैन रो. मनीष शर्मा, रोटरी क्लब नैनीताल के अध्यक्ष शैलेंद्र शाह, सचिव शिवांगी शाह, रैली कोऑर्डिनेटर रो. विक्रम सयाल, मीडिया प्रभारी रो. सुमित खन्ना सहित मीरा सयाल, योगेश शाह, विनोद दुआ, विजय कृष्ण, यतींद्र सूरी, मनोज लांबा, जितेंद्र शाह, अनित शाह, मृदुला कृष्ण, अनु लांबा, हरप्रीत, साक्षी दुआ और ऋषि दुआ रहे। भारतीय शहीद सैनिक विद्यालय के प्रधानाचार्य बिशन सिंह मेहता आदि मौजूद रहे।

पत्रकार गोला के आवास पहुंचे पूर्व सीएम हरीश रावत, पिता के निधन पर दी सांत्वना

रामनगर: पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत वरिष्ठ पत्रकार चंचल गोला के पिता टीका प्रसाद गोला के निधन पर सांत्वना देने उनके आवास पहुंचे। पूर्व सीएम रावत ने टीका प्रसाद गोला के निधन को समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताई। उन्होंने बताया कि जब वह रामनगर में अध्ययनरत थे, तब से वह टीका प्रसाद गोला से भली-भांति परिचित थे। उनकी लिखी कविताएं आज भी समाज को नई दिशा प्रदान करती हैं और उनकी स्मृतियां सदैव जीवित रहेंगी। इस दौरान ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री पुष्कर दुर्गापाल, हरीश लाला, यूंका नेता ताईफ खान, राहुल डंगवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को दी कानूनों की जानकारी

- विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में हुआ आयोजन

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर राजकीय पॉलिटेकनिक कॉलेज नैनीताल में विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायाधीश नैनीताल प्रशांत जोशी के निर्देशन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सिविल जज एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पारुल थपलियाल ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए विश्व सामाजिक न्याय दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य समाज में सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना तथा प्रत्येक व्यक्ति को उसके अधिकारों और

जानकारी देतीं सचिव पारुल थपलियाल।

सुविधाओं का समान अवसर उपलब्ध कराना है।

उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं के बारे में बताया। साथ ही एनडीपीएस एक्ट की जानकारी देते हुए कहा कि उत्तराखंड में मादक एवं मनोविकार नाशक पदार्थों से संबंधित यह एक सख्त कानून है, जिसका उद्देश्य नशीले पदार्थों की खेती, उत्पादन, व्यापार, खरीद-फरोख्त, परिवहन और उपयोग को नियंत्रित करना है।उन्होंने बताया कि इस अधिनियम के अंतर्गत नारकोटिक्स पदार्थ जैसे चरस, गांजा, अफीम, हेरोइन और कोकेन तथा साइकोट्रोपिक पदार्थ जैसे एलएसडी, एमडीएमए और अल्प्राजोलम शामिल हैं। अपराध की सजा मादक पदार्थ की मात्रा के आधार पर निर्धारित की जाती है, जिसमें छोटी मात्रा पर एक वर्ष तक की सजा या 10 हजार रुपये तक जुर्माना, मध्यम मात्रा पर 10 वर्ष तक की कैद तथा व्यावसायिक मात्रा पर 10 से 20 वर्ष तक के सश्रम कारावास और 1 से 2 लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है।इस दौरान प्रधानाचार्य एकेएस गौर, यशवंत कुमार समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

जेईई मेन में चमके ग्रीन फील्ड एकेडमी के अंश

रामनगर: ग्रीन फील्ड एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के बारहवीं के छात्र अंश अग्रवाल ने संयुक्त इंट्रेंस एग्जाम (जेईई) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 98.54 (एनटीए) स्कोर प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है।

उन्होंने भौतिकी में 97.58, रसायन विज्ञान में 98.29 और गणित में 97.46 स्कोर अर्जित किए। अंश वर्तमान में 12वीं बोर्ड परीक्षा में हिस्सा ले रहे हैं। इस महत्वपूर्ण परीक्षा में उनकी यह उपलब्धि विद्यालय के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। विद्यालय के मैनेजर डायरेक्टर शिशुपाल सिंह रावत, डायरेक्टर गौरव रावत और प्रधानाचार्या कंचन बिष्ट समेत सभी शिक्षकों ने अंश को बधाई दी है।

जमा हो चुके पानी के बिल दोबारा भेजने का आरोप

- मार्च 2026 के बिल दोबारा थमाए जाने पर लोगों ने जताया आक्रोश सीई को भेजा ज्ञापन

संवाददाता, धानाचूली

अमृत विचार: जल संस्थान पूर्व में जमा किए जा चुके बिल दोबारा भेजने का आरोप लगा है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज शर्मा समेत स्थानीय लोगों ने इस पर कड़ी नाराजगी जताई है। आरोप है कि धारी ब्लॉक के दुदुली सहित कई ग्राम सभाओं में ग्रामीण मार्च 2026 तक का पानी का बिल अग्रिम जमा कर चुके हैं, इसके बावजूद विभाग ने जल जीवन मिशन के नाम पर मार्च 2026 तक का बिल दोबारा भेज दिया है। जिससे लोगों में आक्रोश है। उन्होंने इस संबंध में अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन प्रेषित कर समस्या का समाधान करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई

जल संस्थान के अधिकारी को ज्ञापन सौंपते मनोज शर्मा व अन्य। • अमृत विचार

की मांग की है।

कांग्रेस नेता मनोज शर्मा ने कहा कि एक ओर ग्रामीण बेमौसमी बारिश व ओलावृष्टि से परेशान हैं। ऐसे समय में राहत देने के बजाय दोबारा बिल भेज गरीब जनता का मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि दुदुली गांव में जल जीवन मिशन की योजना पहले से ही अनियमितताओं की भेंट चढ़ी हुई है और इस संबंध में एसडीएम स्तर की जांच चल रही है। उनके अनुसार योजना अधूरी है, पाइप लाइनों व पेयजल टंकियों में जगह-जगह लीकेज है तथा कार्य मानकों के अनुरूप नहीं हुआ है। पुरानी लाइनों को भी अव्यवस्थित कर दिया गया है, जिससे ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि विभिन्न स्तरों की जांच में भी गुणवत्ता संबंधी खामियां सामने आ चुकी हैं। मनोज शर्मा ने मांग की कि जिन गांवों में दोहरे बिल भेजे गए हैं, उन्हें तत्काल निरस्त किया जाए तथा जल जीवन मिशन की योजनाओं को गुणवत्ता के साथ निश्चित समय-सीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर बिल रद्द नहीं किए गए और जिम्मेदार अधिकारियों व ठेकेदारों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। क्षेत्र पंचायत सदस्य गुनियालेख अमित कुमार ने भी जल जीवन मिशन के नाम पर हो रही कथित अनियमितताओं को तत्काल बंद करने की मांग की है।

स्वास्थ्य शिविर में 150 लोगों की जांच

लालकुआं: एसबीआई लालकुआं परिसर में आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 150 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण और जांच की गई। बैंक एवं सेंट्रल हॉस्पिटल द्वारा लगाए गए संयुक्त स्वास्थ्य शिविर में 150 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, इस दौरान ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर व आंखों की जांच भी की गई। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. मानसी सेठी ने लोगों को उचित परामर्श दिया। शिविर में एसबीआई के शाखा प्रबंधक मुकेश बमेटा, वरिष्ठ अधिकारी अमित पांगती, नारायण सिंह टोलिया, मेघा नेगी, दिशा झा, राहुल बधानी और मनोज पुजारा आदि रहे।

भोजन माताओं को किया सम्मानित

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: खंड शिक्षा अधिकारी कैना चौहान ग्रोवर के दिशा-निर्देशन में विकासखंड स्तरीय भोजन माता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सभी न्याय पंचायतों से भोजन माताओं ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता में राजकीय कन्या इंटर कालेज भवाली की भोजन माता लीला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि राप्राबि भरतपुर की लीला देवी ने द्वितीय स्थान हासिल किया। सभी भोजन माताओं द्वारा अत्यंत स्वादिष्ट एवं जायकेदार भोजन तैयार किया गया, जिसका स्वाद निर्णायक मंडल

पुरस्कार ग्रहण करतीं विजेता भोजन माता। • अमृत विचार

एवं उपस्थित गणमान्य जनों ने लिया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में मोहम्मद आरिफ, विजेंद्र सिंह, मीरा सिंह एवं प्रताप राम शामिल रहे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में हरि शंकर कांडपाल, प्रकाश चंद्र नगदली, महेंद्र कुमार, अजय परगाई, हिमांशु कांडपाल, तनुजा बेलवाल एवं चित्रेश मोहन पंत आदि ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

धन का अर्थशास्त्र विषय पर व्याख्यान आयोजित

रामनगर: पीएनजी महाविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा गुरु दिवस व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में निदेशक प्राचार्य प्रो. एमसी. पाण्डेय ने व्याख्यान माला की प्रासंगिकता और उद्देश्यों से अवगत कराया। आयोजक सचिव डॉ. कृष्णा भारती ने कार्यक्रम की विषयवस्तु संक्षेप में प्रस्तुत की। मुख्य वक्ता, इलाहाबाद स्टेट यूनिवर्सिटी के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. चंद्र प्रकाश त्रिपाठी ने धन के विभिन्न आयामों पर व्याख्यान दिया। यहां डॉ. रश्मि आर्या, डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, डॉ. लोतिका अमित, डॉ. प्रकाश बिष्ट, डॉ. अनिता जोशी, डॉ. पुनीता कुशवाहा रहे।

भूटान के शाही परिवार से जुड़े नैनीताल के बौद्ध मठ में लोसर पर्व हुआ आरंभ

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: शहर में तिब्बती समुदाय का प्रमुख पर्व लोसर (तिब्बती नववर्ष) श्रद्धा और उत्साह के साथ शुरू हो गया। तीन दिनों तक चलने वाले इस पर्व के अंतर्गत 20 फरवरी को शेर का डांडा पहाड़ी स्थित बौद्ध मठ में सामूहिक पूजा का आयोजन किया जाएगा।नैनीताल का यह बौद्ध मठ लंबे समय से आध्यात्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। माना जाता है कि इसका संबंध भूटान का शाही परिवार से भी जुड़ा है। तिब्बती मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष यशी थुप्टेन के अनुसार मठ की स्थापना वर्ष 1976 में हुई थी। जिस भूमि पर मठ स्थित है, वह पहले भूटान की रानी के स्वामित्व में थी। बाद में उन्होंने इस भूमि को तिब्बती और भोटिया समुदाय के लिए आस्था स्थल के रूप में दान कर दिया, जिसके पश्चात यहां मठ का निर्माण किया गया। मठ परिसर में भगवान बुद्ध की लगभग एक हजार प्रतिमाएं स्थापित हैं। वर्ष 1995 में मठ का नया भवन तैयार किया गया, जिसमें भिक्षुओं के निवास के लिए कक्ष भी बनाए गए। वर्ष 2010 में परिसर में लोगों की उन्नति और विश्व शांति की कामना के लिए एक भव्य स्तूप का निर्माण कराया गया, जिसमें बुद्ध से जुड़े पवित्र अवशेष स्थापित किए गए हैं। लोसर पर्व के अवसर पर प्रतिवर्ष यहां विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें देशभर से बौद्ध धर्मावलंबी पहुंचते हैं। शुक्रवार को मठ में सामूहिक पूजा के साथ धार्मिक ध्वज (प्रेयर फ्लैग) बदले जाएंगे, जिसे शुभ और मंगलकारी माना जाता है।

डीएम से मिलेंगे संघर्ष समिति के सदस्य

- लालकुआं में संयुक्त संघर्ष समिति की बैठक हुई

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: संयुक्त संघर्ष समिति की हाल ही में सम्पन्न बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शीघ्र ही एक शिष्टमंडल वन अधिकार समिति के लंबित दावे की पत्रावली के संबंध में जिलाधिकारी से मुलाकात करेगा।

बैठक की अध्यक्षता समिति के संयोजक, सेवानिवृत्त कैप्टन इंद्र सिंह पनेरी ने की। वक्ताओं ने रैली की कमियों और सफलताओं पर चर्चा की और कहा कि भविष्य में इन त्रुटियों की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। बैठक में निर्णय लिया गया कि बीते डेढ़ माह से जिलाधिकारी कार्यालय में लंबित वन अधिकार समिति के दावों की पत्रावली के

लालकुआं में संयुक्त संघर्ष समिति की बैठक में मौजूद सदस्य।

संदर्भ में शिष्टमंडल उनसे मुलाकात करेगा और वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत स्वीकृत पत्रावली पर आवश्यक कार्यवाही का अनुरोध करेगा। बैठक में समिति के मुख्य संयोजक कैप्टन इंद्र सिंह पनेरी, श्याम सिंह रावत, पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष खिलाफ सिंह दानू, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पुष्कर सिंह दानू, वन अधिकार समिति के अध्यक्ष अर्जुन नाथ, भाकपा माले नेता भुवन चंद जोशी, भाजपा नेता भरत नेगी, समिति की संयोजक हरीश बिसौती, मोहन कुंआई, रमेश कुमार, शंकर राम, बिमला रौथान, पुष्पा आर्य, एडवोकेट आनंद सिंह दानू, किशन बघरी, उमेश भट्ट, कैप्टन प्रताप सिंह बिष्ट, कैप्टन हीरा सिंह बिष्ट, भगत सिंह, सूबेदार मेजर नंदन सिंह तुलेड़ा रहे।

आयोजन — कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के अंतर्गत ढेला रेस्क्यू सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे वन मंत्री सुबोध उनियाल

वन मंत्री ने नए बाड़ों व अत्याधुनिक लैब का किया उद्घाटन

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के अंतर्गत ढेला स्थित रेस्क्यू सेंटर में प्रदेश के वन मंत्री सुबोध उनियाल ने 10 नए बाड़ों और एक अत्याधुनिक लैब का उद्घाटन किया। इस विस्तार के साथ रेस्क्यू सेंटर में बाड़ों की संख्या 20 से बढ़कर 30 हो गई है, जिससे यहां रखे जाने वाले बाघ और लेपर्डों के लिए बेहतर और सुरक्षित आवास की सुविधा उपलब्ध होगी।

वन मंत्री ने बताया कि वर्तमान में रेस्क्यू सेंटर में 12 टाइगर और 13 लेपर्ड मौजूद हैं। नए बाड़ों के बनने से वन्यजीवों की देखभाल और प्रबंधन अधिक व्यवस्थित ढंग से किया जा सकेगा। उन्होंने कहा

ढेला रेस्क्यू सेंटर में अत्यानुधिक लैब और नए बाड़ों का निरीक्षण करते वन मंत्री उनियाल।

कि पहले सीमित स्थान के कारण वन्यजीवों के बीच आपसी संघर्ष की आशंका रहती थी, लेकिन अब पर्याप्त जगह मिलने से उन्हें अलग-अलग और अनुकूल वातावरण में रखा जा सकेगा। इससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं में भी कमी आने की उम्मीद है। वन मंत्री ने वन्यजीवों के सैंपल परीक्षण और आधुनिक उपकरणों के उपयोग के लिए अत्याधुनिक लैब का भी शुभारंभ किया। इस लैब के माध्यम से रेस्क्यू सेंटर में मौजूद वन्यजीवों की स्वास्थ्य जांच और अन्य आवश्यक परीक्षण अब स्थानीय स्तर पर ही किए जा सकेंगे, जिससे उपचार और निगरानी की प्रक्रिया तेज और प्रभावी होगी।

वन मंत्री ने वनाग्नि नियंत्रण के प्रयासों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों में जन सहभागिता बढ़ाने पर विशेष फोकस किया गया है। जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन और राजस्व विभाग को भी वन आग नियंत्रण अभियान में जोड़ा गया है। जिन क्षेत्रों में आग की घटनाएं अधिक होती हैं, वहां ग्राम प्रधानों की अध्यक्षता में फॉरेस्ट फायर मैनेजमेंट कमेटियां बनाई गई हैं, और प्रत्येक समिति को 30,000 रुपये की सहायता दी गई है। कर्मचारियों को आधुनिक उपकरण जैसे फायरप्रूफ जैकेट, बूट, ब्रश कटर और वुड कटर उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अलावा, आग बुझाने में सहयोग करने वाले कर्मचारियों, समूहों और आम नागरिकों को प्रोत्साहित करने की योजना भी शुरू की गई है। नई तकनीक और त्वरित रिस्पांस टीम के कारण पिछले चार वर्षों में वनाग्नि की घटनाओं में लगभग 19 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। उपस्थित अधिकारीः प्रमुख वन संरक्षक रंजन कुमार मिश्रा, कार्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. साकेत बडोला, उपनिदेशक राहुल मिश्रा, डीएफओ प्रकाश आर्या, ध्रुव मर्तोलिया, पार्क वार्डन बिन्दर पाल सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सिटी ब्रीफ

जेईई मेन में जिज्ञासा ने हासिल की सफलता

हल्द्वानी : बियरशिबा सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा जिज्ञासा गंगवार ने जेईई मेन परीक्षा में 99 .36 प्रतिशत हासिल कर स्कूल और परिवार का मान बढ़ाया है। इस उपलब्धि पर संस्थापक प्रबंधक निरूपमा भट्ट तलवार, प्रबंधक तिलक राज तलवार, प्रधानाचार्या मीना सती, उप प्रधानाचार्य एचएस बब्बर, प्रशासक निशा सिंह, सलाहकार के दत, विभागाध्यक्ष अनीता बिष्ट और कक्षा अध्यापिका शोभा नियोलिया सहित अन्य शिक्षकगण ने अपनी खुशी जताई और जिज्ञासा को शुभकामनाएं दीं।

शोध प्रगति समीक्षा कार्यशाला का समापन

हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विवि में आयोजित तीन दिवसीय शोध प्रगति समीक्षा कार्यशाला का समापन हो गया। कार्यशाला में वर्तमान समय में एआई आधारित उपकरणों के माध्यम से शोध की गुणवत्ता, डेटा विश्लेषण, नवाचार और परिणामों की सटीकता पर व्यापक चर्चा की गई। कुलपति प्रो . नवीन चन्द्र लोहनी ने कहा कि शोधार्थियों को इस कार्यशाला से महत्वपूर्ण लाभ मिला होगा। कार्यक्रम में सहायक शोध निदेशक डॉ . एसएन ओझा और विशेषज्ञ डॉ . शिवानंद कंवाई समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

गर्भाशय कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों में ही शुरू होगा इलाज

मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी में जांच और सैंपल लिया जाना हुआ शुरू, पूरे कुमाऊं से मरीजों के सैंपल एकत्र करने का लक्ष्य

अच्छी खबर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

1 **अमृत विचार :** महिला मरीजों में गर्भाशय कैंसर की पहचान के लिए एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमावायरस) जांच डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल में हो सकेगी। जांच के लिए सैंपल लिया जाना शुरू कर दिया गया है। यह जांच अस्पताल में आने वाली हर गर्भवती की जाएगी।

कैंसर मरीजों या जोखिम वाली महिलाओं में एचपीवी जांच एक नैदानिक परीक्षण है, जो सर्वाइकल (गर्भाशय ग्रीवा) कैंसर का कारण बनने वाले उच्च-जोखिम वाले वायरस के स्ट्रेन का पता लगाता है। यह कोशिकाओं में डीएनए या आरएनए के माध्यम से संक्रमण की जांच करता है, जिसका उपयोग अक्सर पैप स्मीयर के साथ कैंसर के शुरुआती लक्षणों या पूर्व-कैंसर परिवर्तनों को पहचानने के लिए किया जाता है।

राहत की बात है कि अब राजकीय मेडिकल कॉलेज के अधीन डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय अस्पताल में सभी गर्भवतियों की एचपीवी जांच की जाएगी। कॉलेज प्रबंधन के अनुसार कैंसर के उपचार में यह एक बड़ी कामयाबी है। अगर किसी महिला में गर्भाशय कैंसर के लक्षण शुरूआती चरणों में ही मिलेंगे तो उसका उपचार तुरंत शुरू किया जाएगा। इससे पहले की वह लक्षण एक विकराल कैंसर का रूप लें तब तक महिला को ठीक कर दिया जाएगा।

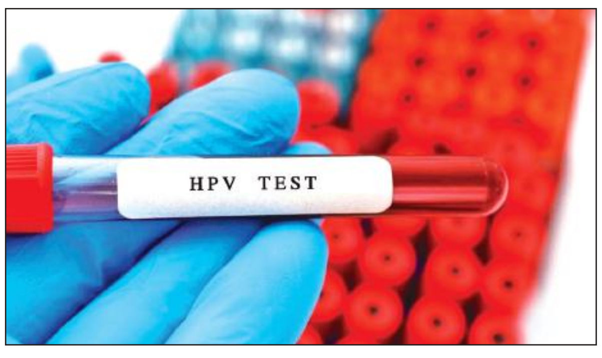

आईसीएमआर के प्रोजेक्ट के तहत होगी जांच

हल्द्वानी : इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के प्रोजेक्ट के तहत यह जांच की जाएगी। जो भी गर्भवती महिला डॉ . सुशीला तिवारी आएगी उसकी जांच की जाएगी। यहां कुमाऊं भर से मरीज आते हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि जो भी डाटा एकत्रित होगा वह पूरे कुमाऊं भर का होगा।

> हर गर्भवती महिला की एचपीवी जांच प्रोजेक्ट के तहत की जा रही है। अगर किसी महिला में गर्भाशय कैंसर के बहुत ही शुरूआती लक्षण हैं तब भी इस बीमारी को पकड़कर इसका उपचार किया जाएगा।
> **-डॉ . गोदावरी जोशी,** विभागाध्यक्ष, गायनी विभाग, राजकीय मेडिकल कॉलेज

> एसटीएच में हर गर्भवती ही एचपीवी जांच की सुविधा हो गई है। साथ ही कैंसर अस्पताल में कई तरह के कैंसर के उपचार मौजूद हैं। यह कैंसर उपचार में एक बड़ा कदम है।
> **-डॉ . केसी पांडे,** निदेशक, राज्य कैंसर संस्थान, हल्द्वानी

बनभूलपुरा रेलवे क्रॉसिंग के पास सड़क चौड़ीकरण को लेकर किया जा रहा भरान। ● अमृत विचार

गौला नदी के तट से सड़क के लेवल तक पहुंचने लगा भरान

2 **हल्द्वानी :** गौला नदी के कटाव से प्रभावित बनभूलपुरा-गौलापार लिंक मार्ग पर राहत के संकेत तो दिखने लगे हैं हालांकि पूरी तरह सुरक्षित और सुचारु यातायात के लिए अभी लंबा इंतजार करना होगा। सड़क के दाहिने हिस्से में भरान अब सड़क के लेवल तक पहुंचने लगा है और जेसीबी की मदद से इसे मजबूत किया जा रहा है, बावजूद इसके चौड़ीकरण और स्थायी समाधान फिलहाल दूर नजर आ रहा है। वर्ष 2024 में लगातार बारिश के दौरान उफनाई गौला नदी के कटाव ने वनभूलपुरा रेलवे क्रॉसिंग से गौलापार को जोड़ने वाले एप्रोच रोड को खतरे में डाल दिया था। दो जुलाई 2025 को दोबारा हुए कटाव में सड़क का हिस्सा बह जाने से करीब एक माह तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। स्थिति को संभालने के लिए राज्य आपदा मद से 1.49 करोड़ रुपये खर्च कर लोक निर्माण विभाग ने सड़क के दाहिने ओर करीब साढ़े चार मीटर चौड़ी अस्थायी सड़क तैयार की। सितंबर में हल्के वाहनों के लिए मार्ग खोल दिया गया, लेकिन भारी वाहनों का आवागमन अब भी प्रतिबंधित है। नदी की ओर से कटाव रोकने के लिए 1.87 करोड़ रुपये की लागत से लगभग 100 मीटर लंबी सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। विभागीय अधिकारियों का दावा है कि 15 मार्च तक दीवार का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। हालांकि सड़क के स्थायी चौड़ीकरण के लिए अभी पूरा भरान करना होगा। तकनीकी मानकों के अनुसार भरान के बाद उसे कम से कम एक बारिश तक छोड़ना जरूरी है, ताकि मिट्टी पूरी तरह बैठ सके। इसके बाद ही पक्का निर्माण कार्य शुरू हो पाएगा। लोनिवि ईई प्रत्यूष कुमार ने कहा कि पूरी तरह से भरान होने के बाद भी कम से कम एक बारिश का तो इंतजार करना ही पड़ेगा। इसके बाद ही सड़क चौड़ी होगी।

ऊर्जा निगम ने शिविर लगा सुनी उपभोक्ताओं की समस्याएं

हल्द्वानी : ऊर्जा निगम इन दिनों उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए अभियान चला रहा है। गुरुवार को ग्रामीण क्षेत्रों के कमलुवागांजा, हनुमान मंदिर परिसर और बेलबाबा मंदिर क्षेत्र में शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में विभागीय अधिकारियों ने सीधे जनता से संवाद कर उनकी शिकायतों को सुना और उनका समाधान किया।

शिविर के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे, जिनमें मुख्य रूप से गलत बिजली बिल, मीटर में खराबी, लो-वोल्टेज और नए कनेक्शन से जुड़ी शिकायतें मिली। विभागीय अधिकारियों ने सक्रियता दिखाते हुए कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर उपभोक्ताओं को राहत दी। ग्रामीण खंड के ईई एसे गुप्ता का कहना है कि निगम का उद्देश्य उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा देना और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाने से उन लोगों को विशेष लाभ मिल रहा है जो दूरी या अन्य कारणों से मुख्य कार्यालय तक नहीं पहुंच पाते।

बरकतों व रहमतों का मुकद्दस महीना माह-ए-रमजान शुरू

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर में गुरुवार को पहले रोजे के अवसर पर शहर की मस्जिदों और घरों में इबादत का दौर चला। रोजेदारों ने लगभग 14 घंटे की सख्त इबादत पूरी कर खुदा का शुक्र अदा किया। शाम को अजान की सदाओं के साथ खजूर और शरबत से रोजा इफ्तार कर मुल्क में अमन-चैन और भाईचारे की दुआ मांगी गई।

गुरुवार सुबह 5:22 बजे सहरी के साथ रोजे की शुरुआत हुई। दिन भर इबादत के बाद शाम 6:08 बजे इफ्तार किया गया। शहर की प्रमुख मस्जिदों जैसे जामा मस्जिद, बंजारन मस्जिद, नमरा मस्जिद, मस्जिद उमर, सुनहरी मस्जिद, लाल मस्जिद, एक मीनार मस्जिद और रजा मस्जिद में नमाजियों की भारी भीड़ देखी गई। मस्जिदों में पांच वक्त की नमाज के साथ ही रात्रि में विशेष ''''तराबीह'''' का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत की। मीरा मार्ग स्थित जामा मस्जिद में शहर इमाम मुफ्ती मोहम्मद आजम कादरी ने रमजान की फजीलतें बयां करते हुए कहा कि यह महीना खुद पर काबू पाने और ज्यादा से ज्यादा नेकी करने का है। उन्होंने इबादतगारों को रोजे की पाबंदी रखने और जरूरतमंदों की मदद करने की सलाह दी। इफ्तार के समय सामूहिक दस्तरख्वान सजाए गए, जहां सभी ने एकजुट होकर रोजा खोला। रमजान के चलते शहर के बाजारों में भी खासी रौनक दिखी।

होली महोत्सव में महिलाओं ने जमाया रंग

सारथी फाउंडेशन समिति की ओर से आयोजित महोत्सव में होली गीतों पर थिरकतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

हल्द्वानी, संवाददाता

अमृत विचारः सारथी फाउंडेशन समिति की ओर से आयोजित पंचम होली महोत्सव गुरुवार को धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम मुखानी रोड स्थित एक बैंक्विट हॉल में हुआ।

जिसमें कुमाऊंनी संस्कृति की झलक के साथ-साथ आधुनिक सामाजिक बुराइयों के खिलाफ शंखनाद भी देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दरम्वाल, राज्यमंत्री शंकर कोरंगा, संस्था अध्यक्ष नवीन पंत, सचिव ज्ञानेन्द्र जोशी, चंद्रशेखर पांडे, गिरीश लोहनी ने दीप प्रज्वलित कर किया। महोत्सव का आगाज नूपुर नृत्य कला केंद्र की ओर से प्रस्तुत भव्य गणेश वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम में गौरी माहेश्वरी टीम, प्रगति विहार लालडांठ, राधिका होली ग्रुप, संस्कृति समागम कुसुमखेड़ा, जय मां कलिका भगवानपुर और जय ईष्ट देव की टीमों ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान फूलों की होली भी खेली गई जिसका सभी ने आनंद लिया। कार्यक्रम में विधायक सुमित हृदयेश, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष आनंद सिंह दरम्वाल, पूर्व मेयर जोगेंद्र सिंह रौतेला, राज्यमंत्री दिनेश आर्य, रेनू अधिकारी, राहुल छिमवाल, कंचन उप्रेती, किशोर पंत, मधुकर श्रोत्रिय, हुकुम सिंह कुंवर, केतन जायसवाल, संदीप भट्ट, हेमा जोशी, मीना शाही, रंजना जोशी, बबिता टकवाल रहे।

पशु चिकित्सक डॉ. अनुज को मातृशोक

हल्द्वानी : वरिष्ठ पशु चिकित्सक एवं लायंस क्लब हल्द्वानी ग्रीन सिटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. अनुज अग्रवाल की माता उर्मिला अग्रवाल (85) का गुरुवार को स्वर्गवास हो गया। वह कुछ दिनों से बीमार थीं।

रामपुर रोड स्थित उनके निवास स्थान अग्रवाल पेट केयर क्लीनिक पर डॉ. गोविंद मेहरा एवं डॉ. ऐश्वर्या के निर्देशन में उर्मिला अग्रवाल ने नेत्रदान का कार्य किया। वह अपने पीछे एक पुत्र, तीन पुत्रियां साधना, सरिता, सीमा एवं नाती पोतों से भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं। क्लब ने शोक सभा कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। शोक जताने वालों में अनुजकांत अग्रवाल, निशुल अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, मधुकर श्रोतिय, राखी अग्रवाल, अनीता अग्रवाल,अंजू अग्रवाल, योगिता बनौला, मुकेश गुप्ता, पंकज, अभिनव बिश्नोई रहे।

बागनाथ और आर वन सेमीफाइनल में पहुंची

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बागेश्वर की ओर से आयोजित जिला क्रिकेट लीग में गुरुवार को दो अलग-अलग मैदानों पर खेले गए मुकाबलों में बागनाथ क्रिकेट क्लब और आर वन क्रिकेट क्लब ने जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पहला मुकाबला जीएनजी क्रिकेट ग्राउंड में बागनाथ क्रिकेट क्लब और नीरज राठौर रेड क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। बागनाथ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिए नीरज राठौर रेड को आमंत्रित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नीरज राठौर रेड की टीम 33वें ओवर में 214 रन पर ऑलआउट हो गई। 215 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बागनाथ क्रिकेट क्लब ने 29वें ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 216 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से अपने नाम कर लिया। दूसरा मुकाबला आर वन क्रिकेट क्लब और प्लेफिट क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। प्लेफिट ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। आर वन क्रिकेट क्लब ने निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट पर 361 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में प्लेफिट क्रिकेट क्लब की टीम 46 ओवर में 284 रन पर सिमट गई। आर वन क्रिकेट क्लब ने यह मुकाबला 77 रन से जीतकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। जिला लीग के दोनों सेमीफाइनल मुकाबले आज वैंडी क्रिकेट ग्राउंड, गौलापार व एमएस क्रिकेट ग्राउंड गौलापार में खेले जाएंगे।

चमोली का पंकज बंदूक के साथ गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : ऑपरेशन क्रैकडाउन शातिर अपराधियों के काल साबित हो रहा है। ताजा मामला चमोली में रहने वाले एक व्यक्ति से जुड़ा है। चमोली का पंकज हल्द्वानी कोतवाली क्षेत्र के एक होटल में दुबका था और जब पुलिस पहुंची तो उसके पास से 12 बोर की सिंगल बैरल बंदूक और कारतूस बरामद किए। पुलिस अब जांच कर रही है कि आरोपी बिना लाइसेंस की बंदूक लेकर होटल में क्यों ठहरा था।

एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर जारी ऑपरेशन क्रैकडाउन के तहत बीती 18 फरवरी को मंगलपड़ाव चौकी प्रभारी गौरव जोशी टीम के साथ होटल और ढाबों में चेकिंग पर थे। चेकिंग करती पुलिस राजपुरा क्रासिंग पार कर टनकपुर रोड पर स्थित होटल कैलाश व्यू पहुंची। टीम ने होटल में ठहरे लोगों के बारे में पड़ताल की तो पता लगा कि दो कमरे बुक हैं। पुलिस कमरा नंबर 205 पहुंची तो उन्हें ग्राम मोल्टा, थाना जोशीमठ, जिला चमोली निवासी पंकज सिह बिष्ट (31वर्ष) पुत्र शंकर सिंह मिला। पहचान की तस्दीक के बाद पुलिस ने तलाशी ली तो दो हिस्सों में बंटी सिंगल बैरल 12 बोर की बंदूक और तीन कारतूस मिले। पंकज के पास बंदूक का लाइसेंस नहीं था। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि जांच की जा रही है कि पंकज गैर लाइसेंसी बंदूक के साथ किस नीयत से होटल में ठहरा था।

12 बोर की बंदूक के साथ पकड़ा गया आरोपी पुलिस गिरफ्त में। ● अमृत विचार

खाद्य विभाग की टीम ने जीरे व आटे के सैम्पल भरे

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने नैनीताल में अभियान चलाकर रेस्टोरेंटों में छापेमारी की। इस दौरान दो रेस्टोरेंट से सैंपल लिए गए और अन्य रेस्टोरेंटों को सफाई का ध्यान रखने के निर्देश दिए गए।

गुरुवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी अभय सिंह के नेतृत्व में टीम ने मल्लीताल और तल्लीताल क्षेत्र के रेस्टोरेंटों का निरीक्षण किया। छापेमारी के दौरान खाने की गुणवत्ता, सफाई और रेस्टोरेंट में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की जांच की गई।

यदि किसी रेस्टोरेंट में गंदगी पाई गई, तो उन्हें सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए। अभय सिंह ने बताया कि निरीक्षण के दौरान मल्लीताल हार्ड रॉक से जीरे और पंडित जी के ढाबे से आटे के सैंपल लिए गए। उन्होंने कहा कि होली से पहले क्षेत्र में और औचक निरीक्षण किए जाएंगे।

नैनीताल स्थित रेस्टोरेंट में निरीक्षण करते खाद्य सुरक्षा अधिकारी अभय सिंह।

यूजीसी के खिलाफ आक्रोश रैली कल

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : गुरुवार को रामपुर रोड स्थित होटल में हुई प्रेस वार्ता में सवर्ण शक्ति संगठन के संयोजक प्रकाश हर्बोला ने कहा की यूजीसी की गाइड लाइन में ही भेदभाव है, जो कि प्राकृतिक न्याय के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति झूठी शिकायत करता है तो उस पर कोई कार्यवाही नहीं होगी। जबकि किसी की झूठी शिकायत पर किसी का भी करियर बर्बाद हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार सफाई दे रही है कि सुप्रीम कोर्ट ने रोहित वेमूला केस मे गाइड लाइन बनाने के निर्देश दिए। इसमें एससी, एसटी के साथ ओबीसी को भी जोड़ दिया, क्या यह भी कोर्ट के निर्देश थे। यदि कोई विद्यार्थी शिक्षक, शिक्षक प्रधानाचार्य और प्रधानाचार्य कुलपति के खिलाफ जो भी आरोप लगाएगा तो शिकायतकर्ता की जांच नहीं होगी लेकिन आरोपी को सजा मिलेगी। जोकि पूरी तरह न्यायिक सिस्टम के विपरीत है। वैसे तो न्याय के लिए मल्टी लेयर सिस्टम है, लोअर कोर्ट,अपर, हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति के यहां तक अपील की जा सकती है लेकिन यूजीसी में इक्विटी बोर्ड के फैसले के खिलाफ कहीं कोई अपील का प्रावधान नहीं है। इक्विटी बोर्ड में सवर्ण को शामिल न करना ही उनके मौलिक अधिकारों का हनन है। सह संयोजक भुवन भट्ट ने कहा कि सवर्ण बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शिक्षा संस्थान डर नहीं संवाद और ज्ञान के केंद्र होने चाहिए। मांगों को लेकर 21 फरवरी को रामलीला मैदान से डीएम कार्यालय तक आक्रोश रैली निकाली जाएगी। जगत बिष्ट, मनोज अग्रवाल, तरूण वानखेड़े, प्रताप जोशी, योगेंद्र भट्ट थे।

हल्द्वानी में आक्रोश रैली का पोस्टर जारी करते सवर्ण शक्ति संगठन के सदस्य।

डीएसबी परिसर में किया 150 पौधों का वितरण

नैनीतालः डीएसबी परिसर के वनस्पति विज्ञान विभाग में गुरुवार को पौधे बांटो कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. ललित तिवारी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन का कर्ज चुकाने के लिए कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए।

मुख्य अतिथि पूर्व जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशुतोष पंत ने कहा कि केवल पौधे लगाना ही नहीं, बल्कि उनकी देखभाल करना भी उतना ही आवश्यक है। इस मौके पर डॉ. पंत को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अखरोट, जुगलांश और नींबू सहित कुल 150 पौधे वितरित किए गए। प्रो. हरीश बिष्ट, डॉ. शिवांगी, प्रो. किरण बरगली, प्रो. सुषमा टम्टा, प्रो. नीलू, डॉ. प्रभा, डॉ. हेम, डॉ. नवीन, डॉ. श्रुति, डॉ. नीता आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम | छात्र महासंघ के अभिनंदन समारोह में बोले पूर्व सीएम हरीश रावत, समाज की नई दिशा देने को आगे आए युवा पीढ़ी

आयुष रावत मिस्टर कुमाऊं और मोनिका नेगी मिस कुमाऊं बने

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः कुमाऊं विश्वविद्यालय छात्र महासंघ अभिनंदन समारोह का उद्घाटन मुख्यमंत्री हरीश रावत ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी समाज को नई दिशा देने के लिए आगे आए और युवाओं को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि युवाओं के कंधों पर ही देश का भविष्य टिका है।

महाविद्यालय में छात्र महासंघ कोषाध्यक्ष रोहित नेगी की अगुवाई में हुए कार्यक्रम में छात्रों और छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। जिसमें एकल नृत्य में प्रथम सपना, द्वितीय निकिता व तृतीय स्थान पर मोनिका रहीं। युग्म नृत्य में प्रथम दिया एवं वंशिका, द्वितीय निकिता व नेहा एवं तृतीय स्थान पर कविता व रजनी रहे। गायन में यशस्वी नैनवाल प्रथम, आकाश कुमार द्वितीय तथा तिलक रावत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मॉडलिंग में मिस्टर कुमाऊं आयुष रावत व मिस कुमाऊं मोनिका नेगी बने। विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। मंच संचालन डॉ.डीएन जोशी एवं मो. रजा ने किया। छात्र महासंघ अभिनंदन समारोह में विशिष्ट अतिथि ज्येष्ठ प्रमुख संजय नेगी,प्रमुख मंजू नेगी, पूर्व दर्जा मंत्री पुष्कर दुर्गापाल रहे। अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. एमसी पाण्डेय ने की। छात्र महासंघ अध्यक्ष आशीष कबडवाल, छात्र संघ अध्यक्ष रामनगर कृष्ण कुमार, उपाध्यक्ष मनोज पाण्डेय, छात्रा उपाध्यक्ष खुशी कश्यप, उपसचिव अभिनव लटवाल, कोषाध्यक्ष संक्रांत सिंह, सांस्कृतिक सचिव कृतिका मंदोलिया, छात्र महासंघ उपाध्यक्ष रक्षित बिष्ट रहे।

रामनगर डिग्री कालेज में कार्यक्रम का शुभारंभ करते पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत।

रावत ने किया कांग्रेस कार्यालय का उद्घाटन

लालकुआं : पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने नगर कांग्रेस कमेटी लालकुआं के वार्ड नंबर एक में स्थित नवनिर्मित कार्यालय का पूजा-अर्चना के साथ उद्घाटन किया और कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। हरीश रावत अपने काफिले के साथ कार्यालय पहुंचे, उन्होंने फीता काटकर कार्यालय का विधिवत शुभारंभ किया और इसके बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव के लिए विशेष मार्गदर्शन और टिप्स दिए। उद्घाटन कार्यक्रम में कांग्रेस नगर अध्यक्ष भुवन पांडे, नगर महामंत्री सईद सिद्दीकी, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता हरेन्द्र बोरा, हेमवतीनंदन दुर्गापाल, राजेंद्र खनवाल, खजान पांडे, गिरधर बम, हरेन्द्र क्वीरा, सूरज राय, बीना जोशी, खीमानंद दुम्का, विनय रजवार समेत भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को एनडीपीएस एक्ट की जानकारी दी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सिविल जज (सीडि) पारुल थपलियाल ने विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर राजकीय पॉलिटेकनिक कॉलेज में विधिका साक्षरता व जगरूकता शिविर लगाया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को बताया कि इस दिन का मुख्य उद्देश्य समाज में सामाजिक न्याय को प्रोत्साहित करना है ताकि हर व्यक्ति को उसके अधिकारों व सुविधाओं का उपयोग करने का मौका मिल सके।

इस दिन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाता है कि समाज में सामाजिक न्याय की आवश्यकता है। उन्होंने एनडीपीएस एक्ट के बारे बताते हुए कहा की राज्य में नशीले पदार्थों और साइकोट्रोपिक पदार्थों से संबंधित सबसे कठोर कानून है। इस एक्ट का उद्देश्य मादक औषधियों, मनोरोगी पदार्थों के व्यापार, खेती, उत्पादन, निर्माण, खरीद, बिक्री, परिवहन और उपयोग को नियंत्रित करना है। इस एक्ट में सजा के प्रावधान अलग अलग है, सजा मादक पदार्थ की मात्रा के आधार पर तय होती है। छोटी मात्रा में 1 वर्ष तक की कैद या 10,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। मध्यम में 10 साल तक की कैद और जुर्माना हो सकता है। व्यावसायिक मात्रा इसमें 10 से 20 साल तक का सश्रम कारावास और 1 से 2 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

सिटी ब्रीफ

न्यूज चैनल के संपादक को जान से मारने की धमकी

रुद्रपुर : कोतवाली क्षेत्र में एक न्यूज़ चैनल के संपादक को गोली मारने और कार्यालय फूंकने की धमकी देने का मामला सामने आया है। दूधियानगर निवासी संपादक सचिन चंद्र शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 17 फरवरी की रात रामपुर निवासी राजीव कुमार ने उन्हें फोन कर अभद्रता की। आरोप है कि व्यक्ति ने धमकी देते हुए न्यूज़ चैनल के दफ्तर को आग लगाने और उन्हें गोली मारने की बात कही। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

क्रिकेट में विवाद को लेकर की फायरिंग

रुद्रपुर : सीमावर्ती गांव डिबडिबा में गुरुवार शाम क्रिकेट विवाद को लेकर हुई फायरिंग से हड़कंप मच गया। दोपहर में हुए विवाद के बाद देर शाम हमलावरों ने एक किशोर को उसके घर के बाहर घेरकर हमला कर दिया। घायल किशोर ने घर के भीतर भागकर जान बचाई, जिसके बाद हमलावरों ने गेट पर पांच से छह राउंड ताबड़तोड़ फायरिंग की। सूचना मिलते ही यूपी की बिलासपुर पुलिस और रुद्रपुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। घटना उत्तर प्रदेश क्षेत्र की होने के बावजूद, रुद्रपुर पुलिस ने जांच में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है।

20 लीटर कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

बाजपुर : बन्नाखेड़ा चौकी पुलिस ने क्षेत्र में गश्त के दौरान रजपुरा नंबर-2 निवासी कुलवंत सिंह उर्फ भिंडी को 20 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ दबोचा है।

शिविर में आत्मदाह करने पहुंचा चाय विक्रेता

पेट्रोल की बोतल निकालते ही पुलिस ने दबोचा, चार माह पहले झपट्टा मार ने लूटा था पर्स, हो चुका था परेशान

संवाददाता, रुद्रपुर/गदरपुर

अमृत विचारः थाना गदरपुर इलाके में एक चाय विक्रेता का दर्द और पुलिस प्रशासन की उदासीनता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बहुउद्देशीय शिविर में चाय विक्रेता ने आत्मदाह की कोशिश की। गनीमत यह रही कि जब युवक ने पेट्रोल की बोतल निकाली तो पुलिस ने सजगता दिखाते हुए युवक को दबोच लिया और बोतल छीन ली। पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया।

बताते चलें कि थाना गदरपुर इलाके का रहने वाला सोनू कुमार चाय बेचकर अपने परिवार की आजीविका चलाता है। बताया जा रहा है कि चार माह पहले रविवार को वह अपनी पत्नी के साथ बाजार आया था। जहां अज्ञात व्यक्ति पत्नी के हाथ से पर्स छीनकर फरार हो गया था। जिसमें सोनू की कड़ी मेहनत से कमाए गए 15 हजार रुपये रखे थे।

उन्होंने बताया कि प्रकरण को लेकर शिकायतकर्ता ने कई बार थाना गदरपुर पुलिस के सामने बार-बार कार्रवाई करने का मुद्दा उठाया, लेकिन आश्वासन तो देना दूर पुलिस ने बेबसी को ही नजरअंदाज कर दिया। जब मानसिक अवसाद से गुजर रहे युवक सोनू ने खौफनाक कदम उठाने की सोची और गुरुवार को जब थाना गदरपुर के बेहद नजदीक एसडीएम ऋचा सिंह, सीओ वैभव सैनी और तहसीलदार लीना चंद्रा बहुउद्देशीय शिविर में जनता की समस्याएं सुन रहे थे।

इस बीच सोनू वहां पहुंचा और कार्रवाई नहीं करने मुद्दा उठाते हुए कमीज के अंदर छिपाई गई पेट्रोल से भरी प्लास्टिक की बोतल निकाली और अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह की कोशिश करने लगा। जिसे देखकर तैनात पुलिसकर्मी हरकत में आए और तुरंत युवक को दबोच लिया। काफी जद्दोजहद के बाद पेट्रोल बोतल को छीनकर हिरासत में लिया। युवक ने सुसाइड के प्रयास ने एक बार फिर पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं।

आत्मदाह की कोशिश करने वाले युवक को पकड़ती पुलिस। ● अमृत विचार

इस बार बोतल छिन ली फिर करूंगा आत्मदाह

रुद्रपुर : बहुउद्देशीय शिविर के दौरान सुसाइड करने वाले युवक सोनू को पुलिस नियंत्रित करने का प्रयास कर रही थी। उस वक्त भी पीड़ित यही बोल रहा था कि चार माह से वह चक्कर काटकर परेशान हो चुका है। कारण वह दस-दस रुपये की चाय बेचकर पैसा एकत्रित करता है, लेकिन उसकी बेबसी को किसी ने नहीं समझा। यहां तक की युवक बार-बार नेताओं को भी कोसता हुआ दिखा। युवक यही कह रहा था कि इस बार पेट्रोल की बोतल छीन सकते हैं। वह फिर पेट्रोल छिड़ककर अफसर के सामने आत्मदाह करेगा। जिस प्रकार युवक वास्तव में मानसिक दबाव का सामना कर रहा है। उसका प्रमाण सोशल मीडिया में उसकी परेशानी देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है।

नेता हो या अफसर सभी से लगा चुका था गुहार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः ऊधमसिंह नगर में अभी किसान सुखवंत सिंह सुसाइड प्रकरण का मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि सोनू सुसाइड की पुनरावृत्ति होने से बच गई। यह कहने में गुरेज नहीं कि वास्तव में सोनू पुलिस की कार्यशैली और नेताओं के झूठे वादों से टूट चुका था और उसने सुखवंत सिंह की तरह इंसाफ पाने के लिए सुसाइड जैसा खौफनाक कदम उठाने का प्रयास किया।

बताया जा रहा है कि छोटी सी टपरी चलाने वाले सोनू ने पाई-पाई जोड़कर 15 हजार रुपये एकत्रित किए थे, ताकि बच्चों की खुशियां लौटा सके और पत्नी के साथ बाजार गया था। रविवार बाजार के दौरान झपट्टामार ने पर्स छीन लिया था। जिसके बाद से लगातार सोनू चार माह से थाना-चौकियों के चक्कर काट रहा था। सत्ताधारी जनप्रतिनिधि-नेता हो या फिर पुलिस के अफसर, सभी के द्वार जाकर यही गुहार लगा रहा था कि साहब उसकी तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर अभियुक्त को गिरफ्तार कर पर्दाफाश किया जाए। जिस मेहनत की कमाई से बच्चों की खुशियां लौटाता तो उसके अभियुक्त के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। चर्चा यह भी है कि युवक से कई बार अभद्र व्यवहार भी किया गया। यही कारण माना जा रहा है कि युवक ने खौफनाक कदम उठाया। सुसाइड का रास्ता अपनाकर यही सोचा होगा कि शायद अभियुक्त पर कार्रवाई हो जाए। जनसेवक बनने वाले नेता-अफसर की नींद खुल जाए। यही बेबसी काशीपुर के किसान सुखवंत सिंह के सामने आई होगी। जिसने खुद को गोली मारकर इंसाफ पाने की उम्मीद रखी होगी। लेकिन मामला कुछ भी हो, माना जा रहा है कि लापरवाही पुलिस अफसर पर कार्रवाई होनी चाहिए।

● **काफी बेबस हो चुका था चाय विक्रेता सोनू**

> जनता दरबार में युवक द्वारा कई बार अभद्र व्यवहार किये जाने का मामला संज्ञान में आया है। घटनाक्रम की जानकारी लेने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।
> -**स्वतंत्र देव सिंह**, एसपी, काशीपुर

शिविर में 38 शिकायतें दर्ज, 17 का निस्तारण

गदरपुर में आयोजित शिविर में दिव्यांगों को व्हील चेयर वितरित करते अधिकारी।

संवाददाता, गदरपुर

अमृत विचारः जन जन की सरकार, जन जन के द्वार कार्यक्रम के तहत आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में लगभग 530 लोगों ने प्रतिभाग किया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग, बाल एवं महिला सशक्तिकरण विभाग, शिक्षा विभाग, राजस्व विभाग, खंड विकास विभाग, पुलिस विभाग तथा अन्य कुल 20 विभागों ने शिरकत की। उक्त कैंप में कुल शिकायतें 38 प्राप्त हुईं, जिनमें से 17 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

कैंप में समाज कल्याण विभाग द्वारा ग्रिड इंडिया के माध्यम से सीएसआर योजना के अंतर्गत 87 दिव्यांग लाभार्थियों को बैटरी चालित ई-रिक्शा, व्हील चेयर्स तथा कान की मशीन एवं अन्य उपकरण प्रदान किए गए। बाल विकास एवं महिला सशक्तिकरण विभाग द्वारा महालक्ष्मी किट बांटी गई तथा अन्य प्रशासन एवं गोद भराई का कार्यक्रम भी किया गया। कैंप में 33 जाति एवं स्थायी प्रमाण पत्र, 36 खतौनी, 03 हैसियत प्रमाणपत्र, 01 जाति तसदीक़ तथा 05 वारिसान आवेदनों को मौके पर निस्तारित किया गया। इसके अतिरिक्त खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा दो राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के कार्ड जारी किए गए तथा पांच खाद्य सुरक्षा योजना हेतु आवेदन पत्र लिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कुल 272 लोगों का चेकअप किया गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा 11 वृद्धावस्था पेंशन, 6 विधवा पेंशन, 01 विकलांग पेंशन तथा 05 यूडीआईडी बस पास बनाए गए। पंचायती विभाग द्वारा 25 परिवार रजिस्टर की नक़ल, 02 जन्म प्रमाण 05 यूसीसी रजिस्ट्रेशन तथा पांच परिवार रजिस्टर में संशोधन किया गया। शिक्षा विभाग द्वारा छात्रवृत्ति के 31 चेक वितरित किए गए तथा 15 लाभार्थियों को साइकिल योजना का लाभ दिया गया। कैंप में लगाए गए आधार सेंटर में कुल 80 आधार कार्डों में संशोधन किया गया।

खटीमा में तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते राज्य निर्माण सेनानी संगठन के लोग।

253 आंदोलनकारियों को परिचय पत्र देने की मांग

खटीमा : उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानी संगठन ने उप जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार वीरेंद्र सजवान को सौंपते हुए पूर्व में चिन्हित 253 राज्य आंदोलनकारी को तत्काल परिचय पत्र दिए जाने की मांग की है। संगठन अध्यक्ष प्रकाश तिवारी के नेतृत्व में राज्य आंदोलनकारियों ने एसडीएम को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार वीरेंद्र सजवान को सौंपा। उन्होंने कहा कि जिला चिन्हीकरण समिति द्वारा मान्यता देने के बाद भी 253 चिन्हित राज्य आंदोलनकारियों को अभी तक परिचय पत्र नहीं मिले हैं जबकि पूर्व में चिन्हित 634 राज्य आंदोलनकारियों और 253 चिन्हित राज्य आंदोलनकारी के कागजात व साक्ष्य समान हैं। ज्ञापन देने वालों में देवकी तिवारी, प्रेमा पांडे, शांति कापड़ी, भगवान गिरी, सुरेश चंद, महेंद्र चंद, आलोक गोयल, दान सिंह, विशन सिंह भंडारी, रमेश सिंह राणा आदि शामिल रहे।

तीनपानी डैम के लिए बजट मिलने पर स्वागत

● **महापौर विकास शर्मा व पूर्व विधायक राजेश शुक्ला का जताया आभार**

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः तीनपानी डैम के पुनर्निर्माण के लिए बजट जारी होने पर वार्ड के लोगों ने पार्षद पवन राणा के नेतृत्व में महापौर विकास शर्मा का स्वागत किया। कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व विधायक राजेश शुक्ला का भी वार्ड के लोगों ने स्वागत किया। वहीं डैम के पुनर्निर्माण से स्थानीय लोगों को जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी।

गुरुवार को कार्यक्रम के दौरान महापौर शर्मा ने कहा कि फुलसुंगा वार्ड एक स्थित तीनपानी डैम पर जल निकासी दुरुस्त नहीं होने के कारण बरसात में पानी ओवरफ्लो होने से आसपास की कई कालोनियों में जल भराव के कारण लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने बताया कि सितंबर में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर इस समस्या को प्रमुखता से उठाकर डैम के पुनर्निर्माण का आग्रह किया था। जिस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत मामले में जिलाधिकारी को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिये थे।

जिला प्रशासन से प्रस्ताव मिलने के बाद शासन ने डैम निर्माण के लिए राज्य सेक्टर पोषित बांध बैराज का निर्माण एवं आधुनिकीकरण, नहर, नलकूप, जल टंकी पुनरोद्धार मद के तहत एक करोड़ 74 लाख 81 हजार की धनराशि स्वीकृत कर दी है। पहली किश्त के रूप में एक करोड़ 4 लाख 89 हजार की धनराशि सिंचाई विभाग को जारी कर दी है। पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने कहा कि तीनपानी डैम पुनर्निर्माण को जनहित से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इससे हजारों लोगों को राहत मिलेगी। इस अवसर पर भाजपा नेता सुरेश कोली, जिला मीडिया प्रभारी विजय तोमर, छात्र नेता चंदन भट्ट, रोहित भट्ट, सुरेश गौरी, पूर्व पार्षद राम सिंह बिष्ट, कार्यालय मंत्री सुनील यादव, अखिलेश सिंह, हरिओम गंगवार, अनिल शर्मा, आर्यन शर्मा आदि मौजूद रहे।

महापौर विकास शर्मा व पूर्व विधायक राजेश शुक्ला का स्वागत करते लोग।

खटीमा में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी।

पालिकाध्यक्ष जोशी ने वार्ड 18 का किया निरीक्षण

खटीमा : नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने वार्ड नंबर 18 में नालों की साफ-सफाई व्यवस्था का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ताकि जल निकासी व्यवस्था सुचारु बनी रहे और बरसात के मौसम में जलभराव जैसी समस्याओं से वार्डवासियों को राहत मिल सके। इस अवसर पर समस्त सम्मानित वार्डवासियों से भेंट कर उनकी समस्याओं, सुझावों एवं आवश्यकताओं को ध्यानपूर्वक सुना गया। वार्ड में स्वच्छता, सड़क, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य विकास कार्यों से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस मौके पर सभासद मुखर्जीत राणा रविंद्र ओझा रूपमती राणा धर्मेंद्र राणा वीरेंद्र राणा शोभन राणा शुभम पटवा आदि मौजूद रहे।

नाबालिग बरामद, बिहार से गिरफ्तार हुआ आरोपी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः थाना ट्रांजिट कैंप इलाके से फरार हुई नाबालिग को भगाने वाले अभियुक्त को पुलिस ने बिहार से गिरफ्तार कर लिया है। प्रकरण को लेकर विधायक बेहद संजीदा थे और बार-बार पुलिस पर नाबालिग को बरामद कर गिरफ्तारी का दबाव बना रहे थे। पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। वहीं विधायक ने पुलिस टीम का भी स्वागत किया।

बताते चलें कि 3 फरवरी को थाना ट्रांजिट कैंप के रहने वाले एक व्यक्ति ने मुकदमा दर्ज कराया था कि उसकी नाबालिग बेटी दो फरवरी से लापता है। प्रारंभिक खोजबीन में यह पता चला कि गांव रुचौला पंडौला बथने मधुबनी बिहार का रहने वाला मोहम्मद अशरफ बेटी को बहला फुसलाकर बिहार ले गया है। जिसके बाद से ही अभियुक्त अपने ठिकाने भी बदल रहा है। प्रकरण का संज्ञान लेते हुए विधायक शिव अरोरा ने लव जिहाद का मुद्दा उठाते हुए तत्कालीन एसएसपी मणिकांत मिश्रा सहित थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस से मुलाकात कर नाबालिग की बरामदगी और अभियुक्त की गिरफ्तारी का मुद्दा उठाया था।

साथ ही हिदायत दी थी कि यदि जल्द ही कार्रवाई नहीं हुई तो वह खुद पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोलेंगे। थाना प्रभारी मोहन चंद्र पांडेय ने बताया कि पुलिस की एक टीम ने बिहार दबिश देकर अभियुक्त मोहम्मद अशरफ को गिरफ्तार कर लिया, जबकि नाबालिग को बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

आत्महत्या की जांच पूरी करने के करीब पहुंची एसआईटी

काशीपुरः किसान सुखवंत सिंह आत्महत्या मामले में एसआईटी अब जांच पूरी करने के करीब पहुंच चुकी है। किसान सुखवंत सिंह आत्महत्या मामले में एसआईटी टीम के सदस्य एवं यूएस नगर के नए एसएसपी अजय गणपति गुरुवार को काशीपुर कोतवाली जनसंवाद करने पहुंचे। जहां पर पत्रकारों से वार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि किसान सुखवंत सिंह मामले की गहनता से जांच कर रही एसआईटी अब जांच पूरी करने के करीब पहुंच चुकी है। इसके बाद जांच रिपोर्ट हेड क्वार्टर को सौंपी जाएगी। बता दें कि आईटीआई क्षेत्र के ग्राम पैगा निवासी किसान सुखवंत सिंह ने जमीन खरीद-फरोख्त में लगभग चार करोड़ की हुई धोखाधड़ी से आहत होकर बीती 10-11 जनवरी की रात काठगोदाम के एक होटल में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी।

हमले के आरोपियों के घरों पर नोटिस चस्पा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : एसओजी के सिपाही पर पथराव कर घायल करने के फरार नौ अभियुक्तों के खिलाफ अब पुलिस ने कुर्की की कार्रवाई शुरू कर दी है। इसको लेकर नौ घरों पर 82 का नोटिस चस्पा किया गया और ढोल बजाकर मुनादी भी कराई गई।

एक जनवरी की शाम पांच बजे एएनटीएफ प्रभारी राजेश पांडेय ने एसओजी के साथ मिलकर सुभाष कॉलोनी स्थित नाजिम उर्फ नदीम के घर पर दबिश दी और स्मैक भी बरामद की, लेकिन हिरासत के दौरान अचानक माफियाओं ने संयुक्त टीम पर पथराव कर दिया था। जिसमें भुवन पांडेय नाम का एसओजी सिपाही घायल हो गया, जबकि नशा माफिया फरार हो गया। प्रकरण में 64 ग्राम स्मैक के साथ हसीना निवासी सुभाष कॉलोनी के अलावा फरजंद को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है, लेकिन नाजिम उर्फ नदीम, शाहरुख, इरशाद उर्फ दाऊद उर्फ शद्दा, सूरज, अनमोल, अफसाना, फिजा, रोशनी, फरहाना फरार चल रहे थे। जिनके खिलाफ अब कोतवाली पुलिस ने 82 कुर्की का नोटिस प्राप्त किया और गुरुवार की दोपहर को एसएसआई केसी आर्या पुलिस टीम के साथ सुभाष कॉलोनी पहुंचे और फरार नौ अभियुक्तों के खिलाफ 82 का नोटिस चस्पा कर दिया।

डायनेस्टी में मनी ग्रेजुएशन सेरेमनी

खटीमा : डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फॉर्म नर्सरी से कक्षा दो तक के विद्यार्थियों हेतु ''स्मृतम'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षिका हरिकेश चंद, पूर्व जिला पंचायत सदस्य चन्द्रशेखर मुंडेला, सहायक कृषि अधिकारी कुंदन मनोला, ग्राम प्रधान नवीन कन्याल, पूर्व जिला पंचायत सदस्य नवीन जोशी, चंद्रकला रौतेला, डॉ पूजा बुंगला ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह में बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समा बांधा। प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट, डायरेक्टर प्रेमा भट्ट, प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरु, मनीष चंद, विक्टर आईवन, हरीश भट्ट, दिगंबर भट्ट, सुरेश ओली मौजूद रहे।

खटीमा के एसके पब्लिक स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे।

धूमधाम से मना एसके स्कूल का वार्षिक समारोह

खटीमा : एसके पब्लिक स्कूल में 25वां वार्षिक समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि नगर पंचायत गुलरिया भिण्डारा पीलीभीत के अध्यक्ष निशांत प्रताप सिंह ने कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। वार्षिक समारोह में विद्यालय प्रबंधक जगजीत सिंह ने विद्यालय की 25 वर्षों की शैक्षिक यात्रा, उपलब्धियों एवं सामाजिक योगदान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यालय की इस सफलता में अभिभावकों का अमूल्य सहयोग एवं विश्वास ही सबसे बड़ी शक्ति रहा है। उनके सहयोग के बिना यह मुकाम हासिल करना संभव नहीं था। शैक्षणिक निदेशक राजेन्द्र सिंह एवं प्रधानाचार्य मोहन चन्द्र तिवारी, प्रशासनिक अधिकारी जसकिरन कौर ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। समारोह में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया।

कार्यालय नगर निगम, अल्मोड़ा

पत्रांक : 1958/30-1 (2025-2026) **सार्वजनिक विज्ञप्ति** दिनांक : 18-02-2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निदेशक, जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तराखण्ड के पत्रांक-11016/149/Cen 2027 दिनांक 06 फरवरी 2026 के क्रम में जनपद अल्मोड़ा में जनगणना 2027 के सफल सम्पादन हेतु नगर निगम स्तर पर 02 तकनीकी सहायक व 01 बहुदेशीय कार्मिक की जनगणना के कार्यों को सम्पन्न कराये जाने हेतु लगभग 18 माह की अवधि के लिए आवश्यकता है। उक्त पदों पर तैनाती हेतु डिजिटल अनुप्रयोगों और अन्य सम्बन्धित कार्य सम्पादित किये जाने है। तकनीकी सहायक हेतु अधिकतम मासिक पारिश्रमिक रूपया 25,000/- प्रतिमाह की दर और एम०टी०एस० के लिये रूपये 18,000/- प्रतिमाह की दर से निर्धारित किया गया है। नियुक्त मानव संसाधन (तकनीकी सहायक या एमटीएस) नियमितीकरण या किसी अन्य पद पर नियुक्ति के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार के दावे, अधिकार, हित या अतिरिक्त लाभ के हकदार नहीं होगे, जिसमे सरकार से किसी भी प्रकार की आकस्मिक, तदर्थ, अस्थायी या नियमित सेवा के लिये दावा शामिल है। अतः सम्बन्धित फर्म अपने कोटेशन दिनांक 25 फरवरी, 2026 के अपरान्ह 02:00 बजे तक कार्यालय नगर निगम, अल्मोड़ा में स्वयं अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है, कोटेशन खोले जाने की कार्यवाही उसी दिनांक 25.02.2026 के अपरान्ह 04:00 बजे की जायेगी। विलम्ब से प्राप्त होने वाले कोटेशनो पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

(सीमा विश्वकर्मा)
नगर आयुक्त
नगर निगम अल्मोड़ा

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना

मेरी LIC Policy संख्या 241651298 है। जिसमें मेनाम GAGAN GUPTA एवं शपथकर्ता के पिता जी का नाम VINIT KUMAR GUPTA नाम अंकित है। जबकि अन्य दस्तावेज में मेरा नाम DEVANSH GUPTA अंकित है एवं पिताजी का नाम VINEET GUPTA नाम अंकित है जो की सही व सत्य है। उक्त दोनों नाम (GAGAN GUPTA एवं DEVANSH GUPTA) एक ही व्यक्ति के हैं एवं VINIT KUMAR GUPTA एवं VINEET GUPTA दोनों ही नाम पिताजी के ही हैं। - **देवांश गुप्ता पुत्र स्व. श्री विनीत गुप्ता, उम्र बालिग, निवासी नगला, चौराहा, किच्छा, जिला ऊधम सिंह नगर, उत्तराखंड।**

आयोजन | स्कूली छात्रों ने प्रस्तुत किए रंगारंग कार्यक्रम, सरस आजीविका मेले में आयोजित हुईं प्रतियोगिताएं

गायन प्रतियोगिता में गुरुकुल इंटर कॉलेज रुद्रपुर अव्वल

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः सरस आजीविका मेला में विद्यालयी शिक्षा विभाग की ओर से गायन प्रतियोगिता संपन्न हुई। गायन प्रतियोगिता में विकासखंड रुद्रपुर, गदरपुर और सितारगंज के विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने गायन प्रतियोगिता के दौरान देशभक्ति गीत, प्रेरणा गीत एवं लोक गीतों का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया।

गुरुवार को गांधी पार्क में आयोजित गायन प्रतियोगिता में गुरुकुल इंटर कॉलेज ट्रांजिट कैंप रुद्रपुर की टीम ने पहला, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पंतनगर की टीम ने दूसरा, गुरुनानक बालिका इंटर कॉलेज रुद्रपुर की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। गायन प्रतियोगिता की नोडल अधिकारी शुभा रावत प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज फाजलपुर महरौला ने सभी विजयी टीमों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता की समाप्ति के बाद प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त टीमों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त रंग कर्मी ललित पोखरिया ने बताया कि रंगमंच अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम तो है ही यह बच्चों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास का भी अतुलनीय माध्यम है। एक व्यक्ति के गुणात्मक विकास में यह साहित्य, संगीत, नृत्य, चित्रकला आदि माध्यमों से कई गुना अधिक परिणामपरक कार्य कर सकता है। इसीलिए बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए अभिनय के प्रशिक्षण को पाठ्यक्रम का अंग बनाने की बात की जाती है। इस अवसर पर पीडी हिमांशु जोशी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नंदिनी तोमर, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी हेमंत मौर्य, गायन प्रतियोगिता के कार्यक्रम समन्वयक देवेंद्र सिंह चौहान, निर्णायक नंदिता सरकार व इशिता सरकार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का संचालन संयुक्त रूप से विभु कृष्णा, हरीश दनाई, संजीव बुधौरी ने किया।

सरस आजीविका मेले में कार्यक्रम की प्रस्तुति देतीं स्कूली छात्राएं। ● अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

देवी मंदिर में चोरी के दो आरोपी किए गिरफ्तार

बाजपुर : सुल्तानपुर पट्टी बाजार स्थित प्रसिद्ध देवी मंदिर में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की गई नकदी और मंदिर का दानपात्र (गुल्लक) बरामद कर लिया है।घटना 15 फरवरी की रात की है, जब चोरों ने मंदिर के गेट का ताला तोड़कर दानपात्र साफ कर दिया था। मंदिर समिति के अध्यक्ष अजय कुमार गुप्ता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। एसएसपी के निर्देश पर गठित टीम ने सुरागरसी करते हुए कोसी नदी के पास से आदर्श नगर निवासी इरशाद और अनुज दिवाकर को दबोच लिया। पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल किया। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने 8,060 रुपये नकद और मंदिर का गुल्लक बरामद किया। सुल्तानपुर पट्टी चौकी प्रभारी एसआई दीपक कौशिक के नेतृत्व वाली टीम ने दोनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

विकास कार्यों का किया लोकार्पण

संवाददाता, किच्छा

किच्छा में विकास कार्य का लोकार्पण करते विधायक तिलक राज बेहड़। ● अमृत विचार

अमृत विचारः कांग्रेस विधायक तिलक राज बेहड़ ने ग्रामीण क्षेत्र में करीब 8 लाख रुपये की लागत से निर्मित विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

विधायक बेहड़ ने विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंतपुरा में 1.81 लाख की लागत से सीसी सड़क निर्माण एवं ग्राम पटेरी में श्मशान घाट के निकट 5 लाख की लागत से टिनशेड एवं फर्श निर्माण तथा 1.20 लाख की लागत से मिट्टी भरान कार्य का लोकार्पण किया। इस मौके पर ग्रामीणों ने बताया कि श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार व अंतिम क्रिया के दौरान ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब मिट्टी भरान एवं अन्य निर्माण कार्य होने से ग्रामीणों को दिक्कतों से निजात मिलेगी। इस दौरान विधायक बेहड़ ने दोनों ग्रामों में जन संवाद कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुना। इस मौके पर ग्रामीणों ने पेयजल, सड़क मरम्मत, सड़क निर्माण, विद्युत व्यवस्था सहित अन्य स्थानीय समस्याओं से विधायक बेहड़ को अवगत कराया।

विकास कार्य कराए जाने पर ग्रामीणों ने विधायक बेहड़ का फूल मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया। मौके पर कांग्रेस नगर अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी बबलू, प्रदेश सचिव राजेश प्रताप सिंह, कांग्रेस प्रदेश महासचिव सुनीता कश्यप, निर्मल सिंह हंसपाल, धर्मेंद्र सिंधी, कमल गंगवार, सईदुल रहमान मलिक, विजय पाल, ज्ञानी गिरी, नंदलाल, पूरन गिरी, हीरालाल, सतनाम सिंह, विक्रम पाल, रजत गंगवार, कमल गंगवार, गुलशन सिंधी आदि मौजूद रहे।

रामबाग मेला बुक्सा समाज की लोक संस्कृति व परंपरा को आज भी संजोए हुए

शादी के बाद मेले के बहाने मायके आती हैं बेटियां

- शिवरात्रि पर आयोजित ऐतिहासिक मेला पूरे शबाब पर

केवल चंद्र पाठक, दिनेशपुर

दिनेशपुर के रामबाग में लगे मेले में खरीदारी करते लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचारः बुक्साड़ संस्कृति बड़ी ही अनूठी है। बाबुल के घर से बेटियों की विदाई के बाद साल भर में लगने वाला रामबाग मेला बेहद सुकून भरा होता है। आखिर हो भी क्यों न, गांव की बेटियां इसी दिन अपने मायके में आपस में मिलती हैं। बुक्सा समुदाय का पारंपरिक मेला बुक्सा जनजाति की लोक संस्कृति का परिचायक भी है। अपने गांव से ससुराल जाने वाली बेटियां इसी दिन मायके में आकर एक दूसरे से मेले में मिलती हैं। मेले में लोक गाथाओं व गीतों के जरिए अपनी संस्कृति का बखान करने का ढंग भी सीखती हैं। ऐतिहासिक मेला पूरे शबाब पर है।

श्रद्धालु शिव मंदिर के मुख्य पुजारी चंदू सिंह लखचौरसिया व पुजारन मंतो देवी से पूजा- अर्चना करवाते हैं। विवाहिताओं द्वारा श्रृंगार व अन्य चीजों की खरीदारी के साथ मेले में लगे इलेक्ट्रॉनिक झूलों में झूलकर आनंद लिया जाता है। मेला व्यवस्था में प्रदेश जनजाति आयोग सदस्य बाबू सिंह तोमर, मेला कमेटी संरक्षक राकेश सिंह, प्रबंधक नित्यानंद मंडल, सचिव किशोर मलिक, मेला प्रभारी एसआई प्रदीप शर्मा, खटोला पूर्व प्रधान एडवोकेट मुकेश सिंह राणा, जिपंस प्रतिनिधि तेज सिंह, अशोक कालड़ा, अभिनव सिंह, कर्म सिंह, सोमल सिंह, विजय ढाली, खुशाल सिंह आदि मौजूद रहे।

... आखिर क्यों हुई वृद्धा की हत्या !

पुलिस, डॉग स्क्वायड, फॉरेंसिक टीम अनसुलझी कहानी को सुलझाने में जुटी हुई

संवाददाता, खटीमा

जानकी देवी (फाइल)।

अमृत विचारः ... आखिर क्यों हुई सैनिक की सत्संगी मां की हत्या ! जबकि घर में किसी प्रकार की चोरी की भी आशंका प्रतीत नहीं हो रही है। पुलिस अब डॉग स्क्वायड, फॉरेंसिक जांच और सीसीटीवी के जरिए हत्या की इस अनसुलझी कहानी को सुलझाने में लगी हुई है।

संत रामपाल की अनुयायी जानकी देवी देवभूमि कॉलोनी स्थित अपने मकान की पहली मंजिल पर अकेली रहती थी जबकि नीचे एक सपरिवार किराएदार रहता है। लोगों ने मृतका को मंगलवार शाम के समय तक देखा। लेकिन बुधवार को वह नहीं दिखीं और सुबह से घर के चैनल में ताला लगा हुआ था। बुधवार को उनका पुत्र सूरज चंद पंजाब से मां को कॉल कर रहा था। बड़ी बेटी ने गुड़गांव से दिन में कॉल किया लेकिन फोन रिसीव नहीं हो रहा था जबकि घंटी लगातार जा रही थी। पूनम ने जब रिश्तेदारों को फोन किया और मां का पता लगाने को कहा। जिसके बाद परिजन और सत्संगी लोग पता लगाने में जुटे लेकिन न तो फोन उठ रहा था और न ही पता चल रहा था। अंत में बुधवार देर रात जब लोगों ने घर के चैनल में लगे तले को तोड़ा तो वृद्धा का खून से लथपथ शव मिला। परिजनों ने बताया कि वह सत्संग में जाती रहती थीं और 20 फरवरी को भी सत्संग में दिल्ली जाने वाली थीं। पुलिस को आशंका है कि अवश्य ही इसके किसी खास और परिचित का ही हाथ हो सकता है। जिसको पता था कि वह बाहर जाने वाली हैं।

मृतका के घर में बेसुध बैठी बेटियां और परिजन। ● अमृत विचार

नागरिक अस्पताल में जानकारी लेते विधायक भुवन कापड़ी। ● अमृत विचार

मोबाइल था साइलेंट

खटीमा : पुलिस और जानकी देवी के परिजन जब घर में पहुंचे तो जानकी देवी का मोबाइल फोन भी कमरे में ही चार्जिंग पर लगा था और वह साइलेंट मोड पर था। शायद इसलिए साइलेंट रखा कि यदि स्विच ऑफ किया तो तलाश जल्दी शुरू हो जाती। घर के अंदर का सभी सामान ज्यों का त्यों है जिससे लूटपाट का कोई अंदेशा नहीं लगाया गया है। मौके पर पहुंचे डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम ने कई साक्ष्य जुटाए हैं।

सीसीटीवी कैमरे बनेंगे मददगार

पुलिस क्षेत्राधिकारी विमल रावत ने मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। वहीं, विधायक भुवन कापड़ी ने भी मौके पर पहुंचकर जानकारी ली और परिवार को ढांढस बंधाया। सीओ रावत ने कहा कि विभिन्न पहलुओं पर पुलिस काम कर रही है और आसपास के सीसीटीवी भी खंगाले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि, मामले का शीघ्र खुलासा किया जाएगा।

चीनी मिल बंद करने के नोटिस से आक्रोश

किच्छा, अमृत विचारः चीनी मिल प्रशासन द्वारा मिल बंद करने का दूसरा नोटिस जारी किए जाने के बाद गन्ना किसानों में भारी नाराजगी है। मिल प्रशासन ने 20 फरवरी को मिल बंद करने की सूचना दी है, जबकि किसानों का दावा है कि क्षेत्र में अभी भी करीब 70 हजार कुंतल गन्ना खेतों में खड़ा है। किसानों ने सरकार और जिला प्रशासन से मिल को कम से कम एक सप्ताह और चलाने की मांग की है।

प्रयाग फॉर्म के मैनेजर योगेश सिसोदिया के अनुसार, प्रयाग फॉर्म क्षेत्र की सैकड़ों एकड़ भूमि पर लगभग 50 हजार कुंतल गन्ना खड़ा है, जो हाईकोर्ट के आदेशानुसार सरकार और किसानों के लिए करोड़ों की आय का स्रोत है। इसके अतिरिक्त छोटे किसानों की भी करीब 20 हजार कुंतल फसल तैयार है। यदि मिल समय से पहले बंद हुई, तो किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा।

दूसरी ओर, चीनी मिल के गन्ना प्रबंधक ऋषिपाल का कहना है कि मिल चलाने के लिए प्रतिदिन 35 हजार कुंतल गन्ने की आवश्यकता होती है, लेकिन आपूर्ति लगातार कम हो रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 20 फरवरी तक मिल पहुंचने वाले गन्ने की ही पेराई की जाएगी।

खनन माफियाओं ने वन टीम पर किया हमला, वर्दी फाड़ी

संवाददाता, सितारगंज

अमृत विचारः रनसाली रेंज में अवैध खनन रोकने गई वन विभाग की टीम पर खनन माफियाओं द्वारा जानलेवा हमला करने का गंभीर मामला सामने आया है। घटना बुधवार की है, जब वन दरोगा नंद किशोर पांडे अपनी टीम के साथ कैलाश नदी के समीप आरक्षित वन क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इस दौरान टीम ने अवैध खनन सामग्री से भरी तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को पकड़ा।

जब वन कर्मियों ने वाहन मालिकों से वैध दस्तावेज मांगे, तो वे कागज नहीं दिखा सके। टीम द्वारा ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त करने का प्रयास करने पर साधुनगर निवासी राजकुमार, उसके पुत्र राजा और तीन अज्ञात साथियों ने वन कर्मियों के साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि माफियाओं ने टीम को ट्रैक्टर से कुचलने का प्रयास किया और खींचतान में वन दरोगा की वर्दी फाड़ दी। सीओ बीएस धौनी ने बताया कि वन दरोगा की तहरीर पर पिता-पुत्र समेत पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। वहीं रेंजर महेंद्र सिंह रैकुनी ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन बर्दाश्त नहीं होगा और संलिप्त पट्टाधारकों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बाजपुर कोतवाली में बरामद बंदूक के साथ पुलिस गिरफ्त में आरोपी वन तस्कर।

वन टीम पर फायरिंग का वांछित आरोपी गिरफ्तार

बाजपुर, अमृत विचार : बरहैनी वन प्रभाग की टीम पर फायरिंग के मामले में पुलिस ने वांछित वन तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 12 बोर की बंदूक भी बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। गुरुवार को मामले का पर्दाफाश एसएसपी अजय गणपति ने किया है। बताया गया कि बरहैनी वन क्षेत्र में तैनात वन दरोगा ठाकुर दत्त ध्यानी ने कोतवाली बाजपुर में दी तहरीर में कहा था कि 14 फरवरी की रात जंगल गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि दलजीत सिंह उर्फ डल्लू अपने साथियों के साथ अवैध हथियार व लकड़ी काटने के औजार लेकर जंगल की ओर गया है। सूचना पर वन विभाग की टीमों को अलर्ट किया गया। सुबह करीब 5 :45 बजे ग्राम अस्कोट संपर्क मार्ग पर टीम को खैर की लकड़ी से लदी पांच मोटरसाइकिलें दिखाई दीं। टीम द्वारा रोकने का प्रयास करने पर बाइक सवार गिर पड़े और लकड़ी जमीन पर बिखर गई। इसी दौरान दलजीत सिंह व उसके साथियों ने जान से मारने की नीयत से वनकर्मियों पर फायरिंग कर दी। इस मामले में कोतवाली बाजपुर में एफआईआर संख्या 40/26 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। पुलिस अधीक्षक काशीपुर व क्षेत्राधिकारी बाजपुर के पर्यवेक्षण में कार्रवाई की गई। पुलिस ने 18 फरवरी की देर रात बरहैनी क्षेत्र से नामजद अभियुक्त ग्राम हरसान बरहैनी निवासी दलजीत सिंह उर्फ डल्लू को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार करते हुए बंदूक को जंगल में छुपाने की जानकारी दी। इसके बाद हरसान–कपकोट मार्ग के पास झाड़ियों से 12 बोर की बंदूक बरामद की गई।

सिंचाई खंड के नोटिस से हड़कंप

संवाददाता सितारगंज

पीड़ित परिवारों के साथ बैठक करते पूर्व पालिकाध्यक्ष हरीश दुबे। ● अमृत विचार

अमृत विचार : सिंचाई खंड के नोटिस मिलने से वार्ड छह में हड़कंप मचा है। बृहस्पतिवार को पूर्व पालिकाध्यक्ष हरीश दुबे ने बैठक आयोजित कर प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर सड़क से लेकर कोर्ट में कानूनी लड़ाई लड़ने का भरोसा दिया।

पूर्व पालिकाध्यक्ष एडवोकेट हरीश दुबे ने कहा कि सिंचाई विभाग की ओर से दिए गए नोटिस नियम विरुद्ध हैं। सिंचाई विभाग ने हाईकोर्ट की याचिका का हवाला देते हुए नोटिस जारी किए हैं। एडवोकेट हरीश दुबे ने बताया कि याचिका में याचिकाकर्ता ने मात्र छह व्यक्तियों के विरुद्ध सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर खेती करने तथा सरकारी भूमि को बेचने की शिकायत की गई थी। जिसमें न्यायालय ने डीएम को तीन वरिष्ठ अधिकारियों के समिति गठित कर जिले की सभी तहसीलों में अतिक्रमण संबंधी शिकायतों की जांच करने के निर्देश दिए थे। अतिक्रमण करने वाले व्यक्तियों को 15 दिन का नोटिस इस आशय का देना सुनिश्चित करें कि वह अपना पक्ष रखें। आरोप लगाया कि सिंचाई विभाग ने उच्च न्यायालय के इस आदेश का सही तरीके से अनुपालन नहीं किया। इस मौके पर गुरविंदर सिंह, नारायण सिंह, बाबूराम, सतीश गुप्ता, बलदेव प्रसाद, मनीष कुमार, सतीश रस्तोगी, अनमोल, राकेश, मानसिंह, दुर्गा प्रसाद आदि मौजूद रहे।

विधायक प्रतिनिधि को सिपाही ने हड़काया

रुद्रपुरः थाना ट्रांजिट कैंप में विधायक प्रतिनिधि के साथ महिला सिपाही द्वारा अभद्र व्यवहार का मामला गरमा गया। गुरुवार सुबह लव जिहाद के एक प्रकरण के सिलसिले में विधायक शिव अरोरा के प्रतिनिधि सोनू वर्मा थाने पहुंचे थे, जहां तैनात एक महिला सिपाही ने उन्हें बुरी तरह हड़का दिया। इसकी सूचना मिलते ही विधायक शिव अरोरा समर्थकों के साथ थाने पहुंचे और पुलिस की कार्यशैली पर गहरी नाराजगी जताई। मामले को बढ़ता देख थाना प्रभारी महेश कांडपाल ने हस्तक्षेप किया। महिला सिपाही ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए 'सॉरी' बोला और स्पष्ट किया कि गलतफहमी के कारण यह स्थिति पैदा हुई, जिसके बाद मामला शांत हुआ।

बैगुल पर 11.40 करोड़ की लागत से बनेगा पुल

- निर्मल नगर और राजनगर के ग्रामीण कर रहे थे मांग

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : शासन ने सितारगंज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गांव निर्मल नगर और राजनगर को गांव सिसौना से जोड़ने के लिए पुल निर्माण को 11.40 लाख रुपए की वित्तीय और प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है।

शासन ने बैगुल नदी पर पुल निर्माण के लिए दस हजार रुपये की टोकन राशि को भी जारी कर दिया है। शक्तिफार्म के लोग लंबे समय से इसकी मांग कर रहे थे। वहीं, अब कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के प्रयास से बैगुल नदी पर पुल बनने जा रहा है। जो गांव निर्मलनगर को सीधे सिडकुल और सिसौना से जोड़ेगा। इसी के साथ अब लोगों को सिसौना जाने के लिए अतिरिक्त 12 किमी की दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। बृहस्पतिवार को संयुक्त सचिव राजेंद्र सिंह पतियाल ने लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता को लिखे पत्र में बताया कि शक्तिफार्म के गांव निर्मल नगर और राजनगर को गांव सिसौना से जोड़ने के लिए बैगुल नदी में 150 लंबा आरसीसी पुल के निर्माण के लिए शासन ने 11.40 लाख रुपये की वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। वहीं, लोनिवि के सहायक अभियंता सत्यपाल सिंह ने बताया कि राज्य योजना के अंतर्गत बैगुल नदी पर 11.40 करोड़ लागत से 150 मीटर लंबा पुल और 600 सौ मीटर लंबा सड़क का निर्माण किया जाएगा। शासन से वित्तीय स्वीकृति भी मिल गई है। टेंडर प्रक्रिया को पूरा कर जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

सिडकुलकर्मी और विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

सितारगंज : बैगुल नदी पर पुल का निर्माण होने से सिडकुलकर्मियों, विद्यार्थियों के साथ ग्रामीणों को लाभ मिलेगा। शक्तिफार्म के गांव निर्मलनगर, राजनगर, अरविंद नगर, झाड़ी गांव के लोगों को सिडकुल जाने के लिए अतिरिक्त सात किमी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। इसी तरह पीजी महाविद्यालय सितारगंज में अध्ययनरत शक्तिफार्म के विद्यार्थियों को भी महाविद्यालय जाने के लिए 12 किमी अतिरिक्त दूरी तय करने से छुटकारा मिलेगा।

> ग्रामीणों से निर्मलनगर, राजनगर को सिसौना से जोड़ने के लिए बैगुल नदी पर पुल बनाने का वादा किया था। जो अब धरातल में उतरता नज़र आ रहा है। सितारगंज में विपक्ष का काम सिर्फ कमियां निकालना और विकास की राह में रोड़ा अटकाना है। हमारे पास विकास का विजन है और उसे पूरा करने का सामर्थ्य भी। विधानसभा चुनाव में लोगों से किए सभी वादों को पूरा करने का काम चल रहा है। जल्द, ही सब धरातल पर उतरते नज़र आएंगे।
>
> – **सौरभ बहुगुणा**, कैबिनेट मंत्री

लामबंद सितारगंज में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत का किया स्वागत

अमेरिका डील से किसानों के भविष्य पर संकट : राकेश टिकैत

संवाददाता सितारगंज

सितारगंज में प्रेस वार्ता करते भाकियू के अध्यक्ष राकेश टिकैत। ● अमृत विचार

अमृत विचारः भारतीय किसान यूनियन टिकैत के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि अमेरिका भारत के साथ हुई डील पर लगातार बयान जारी कर रहा है। जिसमें अमेरिका व अमेरिका के किसानों के हित साधे हैं। जबकि, भारत सरकार मौन है। उन्होंने कहा कि जो बयान सामने आ रहे हैं, वह देश के किसानों के अलावा हर वर्ग के लिए बेहद खतरनाक व बर्बादी के प्रतीत हो रहे हैं। इससे देश के लोगों की धार्मिक भावनाओं को भी आहत किया जा रहा है।

बृहस्पतिवार को तिरंगा चौक पर स्थित भाकियू के प्रदेश प्रवक्ता योगेंद्र यादव के कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए राकेश टिकैत ने कहा कि आयातित पशु आहार और दूध व उसके उत्पादों से स्थानीय किसानों का पशुपालन खत्म होगा। किसानों की खेती समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका में पशु चारा मांसाहारी होता है। वहां का चारा देश में पहुंचेगा तो उन जानवरों के दूध से धार्मिक भावनाएं आहत होंगी।

किसान नेता ने कहा कि सरकार हर वर्ग को निपटाने में लगी है। देश में किसी पार्टी की सरकार नहीं अपितु बड़े उद्योगपतियों की सरकार चल रही है। टेड डील से जहां पशु पालन समाप्त होगा। वहीं गन्ना उद्योग, मक्के की खेती से लेकर अधिकांश फसलों के दाम बाजार में नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर के सेवा का किसान भी खत्म हो जायेगा। फ्रूट, ग्रेन, मिल्क में भारत का किसान बर्बाद होगा। टिकैत ने कहा कि अमेरिका ने अपने देश व अपने किसानों के हित देखे हैं। लेकिन भारत सरकार ने अनदेखी की। किसान नेता टिकैत ने कहा कि प्रधानमंत्री व एनडीए सरकार ने 11 वर्ष में किसान संगठनों, पत्रकारों, व्यापारियों से उनकी समस्याओं को लेकर कोई बैठक तक नहीं की। आरोप लगाया कि धर्म के नाम पर लड़ाने के बाद अब जातियों में संघर्ष करा रही है। यूजीसी जैसे कानून इसीलिए लाए गए। ताकि, लोग एकजुट होकर अपनी समस्याओं के लिए संघर्ष न करे। टिकैत ने कहा कि वे किसानों से लगातार संवाद कर रहे हैं। जो जनांदोलन की तैयारी में है। किसान नेता ने कहा कि भाजपा ने विपक्ष को डरा धमकाकर अपनी पार्टी में शामिल करने का क्रम जारी रखा है। इससे निष्पक्ष चुनाव पर प्रश्नचिह्न हैं। सितारगंज पहुंचने पर किसानों ने किसान नेता राकेश टिकैत व बलजिंदर सिंह मान का स्वागत किया। इस मौके पर यूपी व राज्य प्रभारी बलजिंदर सिंह मान, प्रदेश प्रवक्ता योगेंद्र यादव, बार एसोसिएशन अध्यक्ष दयानंद सिंह, राम बदन सागर, फैसल मलिक, सुग्रीव प्रसाद, लक्ष्मी नारायण, रामलाल यादव, तलविंदर सिंह, हरजीत सिंह, बलकार सिंह, सोना सिंह, राजू यादव मौजूद रहे।

बरेली बवाल में असलहा सप्लाई करने वाले दो तस्कर गिरफ्तार

बरेली : बहेड़ी पुलिस ने एक अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी 26 सितंबर को बरेली में हुए बवाल के दौरान अवैध हथियारों की सप्लाई में शामिल थे। पुलिस ने इनके कब्जे से 5 पिस्टल, 2 तमंचे और भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए हैं।

एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा ने गुरुवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी तसलीम (निवासी जोखनपुर) और सोमू खान (निवासी बरीपुरा) शेरगढ़ अड्डे से उस समय दबोचे गए, जब वे कुख्यात हिस्ट्रीशीटर इशरत अली की कार से उत्तराखंड के उधमसिंह नगर (किच्छा) में हथियारों की सप्लाई करने जा रहे थे। पूछताछ में सामने आया कि ये हथियार किच्छा के दरऊ गांव के प्रधान गफ्फार और समीर को सौंपे जाने थे। पकड़े गए आरोपी लंबे समय से सीमावर्ती जिलों और उत्तराखंड में अवैध शस्त्रों की तस्करी कर रहे थे।

खटीमा में हस्तशिल्प के स्टॉल को देखते कृषि मंत्री गणेश जोशी। ● अमृत विचार

जी राम जी योजना में मिलेगा 125 दिन का रोजगार

खटीमा : कृषि एवं कृषक कल्याण, सैनिक कल्याण एवंग्राम विकास विभाग के मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि विकसित भारत में जी राम जी गारंटी रोजगार योजना के तहत अब गांव में 125 दिन का रोजगार मिलेगा। उन्होंने इसके साथ ही अन्य योजनाओं के लाभ भी बताए। इस दौरान ग्राम प्रधानों ने ग्राम विकास अधिकारी और ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के क्रियान्वयन संबंधी ज्ञापन सौंपा। विकासखंड सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री जोशी ने कहा कि विकसित भारत में जी राम जी गारंटी रोजगार योजना बेहद कारगर साबित होगी। जहां गांव में सौ दिन का भी जोझर नहीं मिल पाता था अब उन्हें 125 दिन का रोजगार मिलेगा। उन्होंने ब्लॉक परिसर में स्वयंसेवी महिलाओं द्वारा स्वनिर्मित वस्तुओं के स्थलों का भी भ्रमण किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश जोशी, संसद प्रतिनिधि रविंद्र राणा, भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश भट्ट, पूर्व मंडी चेयरमैन नंदन सिंह खड़ायत आदि मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

सार्वजनिक मार्ग पर अवैध कब्जा

बाजपुर : बेरिया रोड निवासी एक बुजुर्ग ने सार्वजनिक मार्ग पर हो रहे अतिक्रमण को हटवाने के लिए उपजिलाधिकारी कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। सुखदेव राज का आरोप है कि उनकी दुकान के पास एक व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक भूमि पर अवैध निर्माण कर कब्जा किया जा रहा है। पीड़ित बुजुर्ग के अनुसार, इस अतिक्रमण के कारण आवागमन में भारी असुविधा हो रही है और वहां आए दिन विवाद की स्थिति बनी रहती है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि जब उन्होंने इस अवैध कब्जे का विरोध किया, तो उनके साथ गाली-गलौज और धक्का-मुक्की की गई। बुजुर्ग ने एसडीएम से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और सार्वजनिक मार्ग से शीघ्र अतिक्रमण हटाने की मांग की है ताकि आवाजाही सुचारू हो सके।

दो लोगों ने खाया जहरीला पदार्थ, रेफर

काशीपुर : संदिग्ध परिस्थितियों में दो लोगों ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। महुआखेड़ा क्षेत्र निवासी आशीष और गौतम की जहरीले पदार्थ से हालत बिगड़ गई। परिजनों ने दोनों को एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को हायर सेंटर कर दिया।

सड़क हादसे में पैदल जा रहा युवक घायल

काशीपुर : सड़क हादसे में एक युवक घायल हो गया। ग्राम गंगापुर निवासी विपिन पैदल घर की तरफ जा रहा था। रास्ते में अचानक अज्ञात वाहन की चपेट में आकर घायल हो गया। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने उसे एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नशा मुक्ति को लेकर किया जागरूक

किच्छा : नगर स्थित राजकीय महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति विषय पर गोष्ठी का आयोजन कर छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। महाविद्यालय में आईक्यूएसी एवं एंटी ड्रग सेल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किए गए जागरूकता कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार ने की। इस मौके पर डॉ. नरेश ने कहा कि युवाओं को मानसिक रूप से सशक्त बनाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और तेजी से पनप रहा नशा वर्तमान में समाज और युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर खतरा है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता पहुंचे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉ. प्रकाश रावत ने कहा कि मानसिक तनाव और नशे की लत परस्पर जुड़े हुए हैं तथा समय पर परामर्श से बचा जा सकता है।

अंधविश्वास फैलाकर करोड़ों की ठगी के तीन आरोपी किए गिरफ्तार

जिन्न के जरिए पैसा दोगुना करने का लालच देकर ग्रामीणों से ठगे 1.5 करोड़ रुपये

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः कोतवाली आईटीआई पुलिस ने धार्मिक अंधविश्वास फैलाकर लोगों से करोड़ों रुपये ठगने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के सरगना सरताज अली उर्फ ''कादरी बाबा'' और उसके दो मुख्य साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि इन्होंने जिन्नात के जरिए पैसा दोगुना करने का लालच देकर ग्रामीणों से करीब 1.5 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की है।

काशीपुर में ठगी की घटना का खुलासा करते एसएसपी अजय गणपति। ● अमृत विचार

गुरुवार को काशीपुर कोतवाली में प्रेस वार्ता करते हुए एसएसपी अजय गणपति ने बताया कि आईटीआई थाना क्षेत्र में जिन्न के नाम पर अंधविश्वास फैलाकर तीन आरोपियों ने भोले भाले लोगों को रुपये दोगुना करने का लालच देकर ठगी कर ली थी। आईटीआई कोतवाली क्षेत्र के बांसखेड़ा निवासी शकील अहमद ने तहरीर में बताया था कि गांव के रहने वाले सरताज अली उर्फ कादरी बाबा, शफीक अहमद और मौ. आरिफ ने बताया था कि सरताज अली उर्फ कादरी बाबा पर 'जिन्न' आता है, जो पैसे दोगुना कर देता है। बताया गया कि लगभग एक वर्ष पूर्व बांसखेड़ा में आयोजित एक धार्मिक जलसे में मुख्य अतिथि के रूप में आए सरताज अली ने धार्मिक भाषणों के माध्यम से लोगों को प्रभावित किया और विभिन्न स्कीमों का प्रचार शुरू किया। घर-घर प्रचार कर अशिक्षित व भोले-भाले लोगों को झांसे में लिया। आरोपियों के सहयोगियों ने यह भी प्रचारित किया कि बाबा से जुड़ने वाले लोगों के पास "जिन्न" के माध्यम से लगातार पैसा आ रहा है, जिससे उन्होंने प्लॉट, मकान व महंगी गाड़ियां खरीदी हैं। एसएसपी ने बताया कि आईटीआई कोतवाली के कोतवाल रवि कुमार सैनी ने मामले की जांच पड़ताल शुरू की। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने ग्रामीणों से लगभग डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि एकत्रित कर ली। ठगी की रकम से आरोपी शफीक ने ठगी की रकम से 20 लाख की कीमत का नया मकान, बलेनो कार खरीदी, आरोपी मो. आरिफ ने दस लाख रुपये का प्लाट खरीदा, आरोपी सरताज अली उर्फ कादरी बाबा ने ग्राम धीमरखेड़ा में प्लॉट लेकर मकान निर्माण व बोलेरो वाहन खरीदा। अन्य साथियों के भी प्लॉट व स्कॉर्पियो, हाई-राइडर जैसे वाहन खरीदने की जानकारी प्रकाश में आई है। टीम में आईटीआई प्रभारी निरीक्षक रवि कुमार सैनी, एसएसआई अरविन्द बहुगुणा, एसआई मनोज धोनी, एएसआई दीपक चौहान, हेड कांस्टेबल सिराज हुसैन व कांस्टेबल धर्मेन्द्र भारती, राजेन्द्र जोशी शामिल रहे।

वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दुष्कर्म

बाजपुरः बन्नाखेड़ा चौकी क्षेत्र में एक महिला के साथ दुष्कर्म, छेड़छाड़ और मारपीट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद मुख्य आरोपी समेत उसके परिवार के सात सदस्यों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

पीड़िता ने अदालत में दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि करीब डेढ़ साल पहले पड़ोसी सोनू सिंह ने उसका नहाते समय वीडियो बना लिया था।

आरोपी ने वीडियो वायरल करने और बच्चों की हत्या की धमकी देकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। पीड़िता का आरोप है कि 10 दिसंबर 2025 को आरोपी ने फिर से छेड़छाड़ की और विरोध करने पर अपने परिजनों के साथ मिलकर उसके घर पर हमला कर दिया। इस पथराव में महिला के सिर में गंभीर चोट आई थी।

पीड़िता के अनुसार, पुलिस प्रशासन से गुहार लगाने के बावजूद जब कार्रवाई नहीं हुई, तो उसे न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। अब कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने सोनू सिंह, रानो कौर, बलविंदर सिंह, जगदीश सिंह, गुरमीत कौर, राकेश और कुलवंत सिंह के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

काम में लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्तः एसएसपी

संवाददाता, काशीपुर

● एसएसपी अजय गणपति की अध्यक्षता में हुई बैठक

अमृत विचारः एसएसपी अजय गणपति ने पुलिस कर्मियों को फास्ट और जिम्मेदार पुलिसिंग करने की सख्त हिदायत देते हुए कहा कि काम के मामले में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बृहस्पतिवार को कोतवाली परिसर में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति की अध्यक्षता में सीएलजी सदस्यों एवं शहर के गणमान्य व्यक्तियों के साथ एक गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में पार्षद राशिद फारूखी ने कहा कि काशीपुर को कानून व्यवस्था में प्राथमिकता से रखा जाए। यदि कोई जनप्रतिनिधि अपनी बात रखता है तो पुलिस उसे सुने और उसका निदान हो। पार्षद अब्दुल कादिर ने कहा कि अक्सर देखा जाता है कि नशा बेचने वाले छोटे सप्लायर पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ पाते। जबकि नशा बेचने वाले बड़े ठेकेदार इन्हीं लोगों से नशे के पदार्थ बेचने काम का कराते हैं। ऐसे में छोटे सप्लायरों पर भी शिकंजा कसा जाए। व्यापारी राजीव परनामी ने कहा कि प्रिया मॉल के पास पुल के नीचे दूसरे राज्यों से आए लोगों ने अपना निवास बना लिया है। यह लोग पुल के नीचे ही सोते और तेज आवाज में डीजे बजाते हैं। इतना ही लोगों से लूटपाट भी करते हैं। इन्हें पुलिस वहां से हटाए। पूर्व ग्राम प्रधान बबलू चौधरी ने कहा कि वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन को लेकर ठगी की जा रही है। किसी और की जमीन दिखाकर बयाना लिया जा रहा है। इससे गांव के लोग ठगी का शिकार हो रहे हैं। व्यापार मंडल महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल ने कहा कि शहर में कुछ एरिया में कैमरे और लाइट की व्यवस्था नहीं है। जिसके चलते वहां से महिलाओं और छोटे बच्चों को गुजरने में डर लगता है। ऐसे में जहां-जहां ब्लैक स्पॉट हैं वहां पर कैमरे लगाए जाएं। इसके अलावा स्कूल टाइम पर डंपरों के चलने पर रोक लगाने, मुख्य बाजार में ई-रिक्शाओं और ठेले वालों पर रोक लगाने, साप्ताहिक बाजार में जाम की समस्या, ट्रैफिक समस्या समेत अन्य समस्याएं लोगों ने रखीं। एसएसपी अजय गणपति ने सभी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिसकर्मियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि कानून व्यवस्था से जुड़ी किसी भी समस्या का शीघ्र समाधान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूल आने और जाने वाले समय पर भारी वाहनों की नो एंट्री की जाए। इस मौके पर अभिषेक गोयल, हसीन खान, मनोज अग्रवाल मौजूद रहे।

न्यायालय में पेशी के दौरान भाग गया आरोपी

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः न्यायालय में पेशी के दौरान पुलिस अभिरक्षा में लाया गया गिरफ्तार आरोपी अचानक पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। घटना से पुलिस के हाथ-पांव फूल गए। हालांकि पुलिस कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए पीछा किया और एक खाली प्लाट में वॉलीबाल खेल रहे युवकों की मदद से आरोपी को दबोच लिया।

थाना केलाखेड़ा पुलिस ने ग्राम टांडा डालचंद निवासी अमित सिंह को चाकू के साथ गिरफ्तार किया था। आरोपी को गुरुवार को न्यायालय में पेशी के लिए बाजपुर लाया गया था। बताया जाता है कि इसी दौरान अदालत परिसर के पास वह अचानक पुलिस अभिरक्षा से निकलकर भाग निकला।

चकमा देकर भागे आरोपी को युवकों की मदद से पकड़कर ले जाती पुलिस।

पुलिस कर्मियों ने तुरंत उसका पीछा किया। भागते हुए आरोपी एक खाली मैदान की ओर पहुंच गया, जहां कुछ युवक वॉलीबाल खेल रहे थे। पुलिस के अनुरोध पर युवकों ने भी सहयोग किया और घेराबंदी कर आरोपित को पकड़ने में मदद की। लगभग आधे घंटे मेहनत के बाद आरोपी को दोबारा हिरासत में लेकर न्यायालय परिसर में लाया गया। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। साथ ही लापरवाही बरतने के मामले में पुलिस कर्मियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। आरोपी पर आर्म्स एक्ट के तहत पहले से मामला दर्ज है। पुलिस ने उसे पुनः न्यायालय में प्रस्तुत किया।

कई बार जेल जा चुका है आरोपी

बाजपुर : केलाखेड़ा पुलिस द्वारा चाकू के साथ गिरफ्तार आरोपी पहले भी कई बार जेल जा चुका है। पुलिस के अनुसार थर्माकाल प्लांट विचपुरी के समीप हाईवे से करीब 40 मीटर दूर एक युवक संदिग्ध अवस्था में बैठा दिखाई दिया। पुलिस वाहन को देखकर वह भागने लगा, लेकिन टीम ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम ग्राम टांडा डालचंद निवासी अमित सिंह बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध चाकू बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह पहले भी जेल जा चुका है और चोरी की नीयत से क्षेत्र में आया था।

मकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

● अलमारी में रखे 15 हजार रुपये और सोने-चांदी के गहने चोरी

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः थाना क्षेत्र के ग्राम टांडा डालचंद में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए नकदी और जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। जानकारी के अनुसार, नईम पुत्र अब्दुल वाहिद रोहतक में पार्लर का काम करते हैं, जबकि उनकी पत्नी साहिबा अपने मायके गई हुई थीं। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने घर के तीन दरवाजों के ताले तोड़कर अलमारी में रखे करीब 15 हजार रुपये और सोने-चांदी के गहने चोरी कर लिए। घटना का पता तब चला जब नईम के बड़े भाई नाजिम ने सुबह घर का दरवाजा खुला देखा।

केलाखेड़ा के ग्राम टांडा डालचंद में चोरी की घटना के बाद निरीक्षण करती पुलिस।

अंदर का सामान बिखरा हुआ था और लॉकर टूटे पड़े थे। ग्रामीणों के अनुसार, रात में दो संदिग्ध नकाबपोश युवकों को इलाके में देखा गया था, जिनसे पूछताछ करने पर उन्होंने किसी से मिलने की बात कही थी।

थाना प्रभारी धर्मवीर सोलंकी ने बताया कि पुलिस टीम ने मौके का मुआयना किया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं को देखते हुए पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है। पुलिस ने जल्द ही घटना का खुलासा करने का आश्वासन दिया है।

खनन और ओवरलोड वाहनों से जाम

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः जोगीपुरा क्षेत्र स्थित कोसी नदी के खनन घाटों पर हो रहे अवैध खनन और ओवरलोड वाहनों के कारण आम जनता का जीना मुहाल हो गया है। बुधवार को स्थिति तब गंभीर हो गई जब छुट्टी के समय स्कूली बच्चों से भरी बसें करीब दो घंटे तक भीषण जाम में फंसी रहीं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, खनन सामग्री से लदे डंपर और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों ने सड़क पर अव्यवस्थित ढंग से खड़े होकर मार्ग पूरी तरह बाधित कर दिया। भीषण जाम के कारण छोटे बच्चों को घंटों बसों में बैठना पड़ा, जिससे अभिभावक भी खासे चिंतित नजर आए। स्थानीय निवासी जसवंत सिंह कंबोज और

खनन वाहनों की वजह से लगे जाम में फंसीं स्कूली बसें।

अन्य ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन द्वारा स्कूल समय में भारी वाहनों के लिए ''नो-एंट्री'' के दावों की धरातल पर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि ओवरलोडेड वाहनों के कारण कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाई जाए और स्कूल के समय में भारी वाहनों के प्रवेश पर सख्ती से प्रतिबंध लागू किया जाए ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

सागर की हत्या के मामले में मुकदमा

बाजपुरः करीब चार महीने पुराने एक संदिग्ध मौत के मामले में न्यायालय के कड़े रुख के बाद बाजपुर पुलिस ने तीन नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। पीलीभीत निवासी नंदराम ने अपने 19 वर्षीय पुत्र सागर बाबू की हत्या की आशंका जताते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। सागर बाबू को 23 अक्टूबर 2025 को शकील और कैफ काम दिलाने के बहाने बाजपुर लाए थे। 31 अक्टूबर की रात परिजनों को सूचना मिली कि सागर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पिता का आरोप है कि कैफ, शकील और अकील ने मिलकर उनके बेटे की गला दबाकर हत्या की और साक्ष्य मिटाने के लिए शव को फंदे से लटका दिया।

रोटरी क्लब ने किया पीस कार रैली का स्वागत

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3110 के गवर्नर राजन विद्यार्थी के तत्वावधान में एक पीस कार रैली का आयोजन किया जा रहा है। यह रैली बरेली से चलकर पीलीभीत, रुद्रपुर, काशीपुर, हल्द्वानी, नैनीताल, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, हाथरस होते हुए झांसी पहुंचेगी। इसी क्रम में यह रैली बृहस्पतिवार को काशीपुर पहुंची।

यह रैली केवीआर हॉस्पिटल से प्रारंभ होकर रामनगर रोड रोटरी भवन पर समाप्त हुई। काशीपुर पहुंचने पर रोटरी क्लब ऑफ काशीपुर, रोटरी क्लब कॉर्बेट ऑफ काशीपुर एवं इनरव्हील क्लब ऑफ काशीपुर के सदस्यों ने इसमें प्रतिभाग किया। इनके

काशीपुर में कार रैली का स्वागत करते रोटरी क्लब के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

साथ ही काशीपुर पहुंचने पर समर स्टडी हॉल विद्यालय के छात्रों, द हेरिटेज स्कूल के छात्रों एवं एससी गुड़िया कॉलेज के छात्रों द्वारा इसमें प्रतिभाग किया गया। काशीपुर में रैली के संयोजक अनुराग कुमार सिंह रहे। यह रैली समाज में शांति एवं सद्भावना का संदेश लेकर चल रही है। रैली का उद्देश्य समाज के लोगों में सेवाभाव एवं प्रेम भाव के प्रति जागरूक करना है। इस रैली में देवेंद्र अग्रवाल एमडी जिंदल ग्रुप, मुक्ता सिंह अध्यक्ष समर हॉल स्कूल्स ऑफ ग्रुप, रोटेरियन राज मेहरोत्रा डिस्ट्रिक्ट काउंसलर, डॉ. रवि सहोता अध्यक्ष रोटरी क्लब कॉर्बेट ऑफ काशीपुर, मोहन गुप्ता डिस्ट्रिक्ट सेक्रेट्री काशीपुर, निमिषा अग्रवाल अध्यक्षा इनरव्हील क्लब ऑफ काशीपुर, दीपिका गुड़िया, पुनीत सिंघल आदि मौजूद रहे।

सोने की बुकिंग कर मुकरा ग्राहक, 2 लाख का झटका

किच्छा : नगर के एक सर्राफा व्यापारी से सोने की बुकिंग कराकर बाद में भुगतान से मुकरने और अभद्रता करने का मामला सामने आया है। पीड़ित व्यापारी ने पुलिस को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। बरेली मार्ग स्थित अक्षय ज्वेलर्स के स्वामी विजय कुमार ने बताया कि 28 जनवरी को उनके परिचित प्रताप सिंह ने 1,89,000 प्रति 10 ग्राम की दर से 50 ग्राम सोने की बुकिंग की थी। इसके एवज में उन्होंने 10,000 नकद और 9,45,000 का चेक दिया। आरोप है कि जब व्यापारी चेक लेकर बैंक पहुंचा, तो ग्राहक ने बैंक अधिकारी को फोन कर भुगतान रोकने को कह दिया। बाद में आरोपी ने आरटीजीएस के माध्यम से भुगतान का भरोसा देकर अपना चेक वापस ले लिया। अब व्यापारी का कहना है कि सोना मंगाने के बाद आरोपी उसे लेने और भुगतान करने से साफ इनकार कर रहा है, जिससे व्यापारी को बाजार भाव के उतार-चढ़ाव के कारण करीब 2 लाख रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

यादें — नादेही चीनी मिल के शिलान्यास को पूरे हुए 52 वर्ष, कई कीर्तिमान स्थापित कर चुकी है मिल

हजारों किसानों की आजीविका का मुख्य स्रोत है नादेही

सुमित चौधरी, जसपुर

अमृत विचार : उत्तराखंड के तराई क्षेत्र की आर्थिक रीढ़ मानी जाने वाली नादेही चीनी मिल ने अपने गौरवशाली सफर के 52 वर्ष पूरे कर लिए हैं। आज ही के दिन 19 फरवरी 1974 को इस मिल का शिलान्यास हुआ था। जिसने इस क्षेत्र के हजारों किसानों एवं बेरोजगारों की तकदीर बदलने की नींव रखी थी।

1970 के दशक में जब इस मिल की आधारशिला रखी गई थी, तब इसका उद्देश्य क्षेत्र के गन्ना किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलाना और स्थानीय स्तर पर रोजगार पैदा करना था। विकास पुरुष के नाम से पहचान बनाने वाले तत्कालीन चीनी मिल

शिलान्यास के समय लगा पत्थर।

एवं गन्ना विकास मंत्री नारायण दत्त तिवारी के अथक प्रयासों से इस चीनी मिल की नींव रखी गई। तब उनके साथ भारतीय सहकारी चीनी मिल फेडरेशन दिल्ली के अध्यक्ष रोशन लाल शुक्ल तथा सचिव एवं गन्ना आयुक्त लक्ष्मीकांत नागर की उपस्थिति में मिल का शिलान्यास हुआ। मिल के प्रथम प्रधान प्रबंधक

> नादेही चीनी मिल केवल एक फैक्ट्री नहीं, बल्कि जसपुर और आसपास के क्षेत्र की आर्थिक धड़कन है। इसके 52 साल पूरे होना हमारे साझा संघर्ष और मेहनत का प्रतीक है।
> –चौधरी किशन सिंह, स्थानीय किसान

बीपी परासरी रहे। आज भी यह मिल क्षेत्र के हजारों किसानों एवं कर्मचारियों के परिवारों की आजीविका का मुख्य स्रोत है। मिल का पहला ट्रायल वर्ष 1976-77 में किया गया तब ये मात्र तीस दिन ही चली थी। लेकिन इसके बाद चीनी मिल ने कई कीर्तिमान स्थापित किए। 20 टीसीडी क्षमता की नादेही चीनी

> चीनी मिल को समय के साथ तकनीकी रूप से अपडेट किया जाना चाहिए, इथेनॉल प्लांट की भी स्थापना होनी चाहिए।
> – रामपाल सिंह, स्थानीय किसान।

मिल ने वर्ष 1996-97 में तत्कालीन जीएम डॉ. जीके गुप्ता के निर्देशन में 48 लाख 41 हजार कुंतल गन्ने की पेराई कर कीर्तिमान स्थापित किया था। उस समय इस मिल की देश की प्रमुख चीनी मिलो में गिनती होती थी। इन 52 वर्षों में मिल ने कई तकनीकी उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन किसानों और कर्मचारियों के तालमेल ने इसे हमेशा चालू रखा।

निकाह का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म

किच्छा : कोतवाली क्षेत्र में निकाह का झांसा देकर एक युवती का लंबे समय तक शारीरिक शोषण करने और अब अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली पुलिस को दी गई शिकायत में ग्राम निवासी पीड़िता ने बताया कि जब वह नाबालिग थी, तभी ग्राम छिनकी निवासी सोहेल ने उससे निकाह करने का वादा किया और विश्वास में लेकर शारीरिक संबंध बनाए। आरोप है कि सोहेल उसे बहला-फुसलाकर कई बार बाहर घुमाने ले गया और होटलों में ले जाकर दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपी ने चुपके से पीड़िता की अश्लील वीडियो क्लिपिंग भी बना ली। पीड़िता का आरोप है कि अब आरोपी निकाह करने से साफ इनकार कर रहा है। जब उसने दूरी बनानी चाही, तो वीडियो वायरल करने की धमकी दी।

गन्ना किसानों को उन्नत खेती का देंगे संदेश

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचारः नादेही चीनी मिल का गन्ना विभाग अब अपने परिक्षेत्र के गांव-गांव जाकर चौपाल का आयोजन करेगा। इसके लिए बाकायदा रोस्टर जारी किया गया है।

चौपाल के माध्यम से गन्ना कृषको को विभागीय योजनाओं की जानकारी, गन्ने की उन्नत खेती, नवीन प्रजातियों, वैज्ञानिक बुवाई विधियों तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी मिलती रहेगी। क्षेत्र के गांव अमियावाला, अहमदनगर, सूरजपुर, दादू वाला, जगतपुर पट्टी, शिवराजपुर पट्टी, भवानीपुर, गोरा फॉर्म, हल्दूआ साहू, कलियावाला, कल्याणपुर, तालवपुर, नारायणपुर, निजामगढ़, बढ़ियोवाला, जगदीशोवाला आदि ग्रामों में चौपाल का आयोजन किया जाएगा। इसी के तहत गुरुवार को गन्ना किसानों की चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित किसानों को गन्ने की उन्नतशील प्रजातियों, समयानुसार बुवाई, कतार दूरी, ट्रेंच विधि एवं रिंग-पिट विधि से बुवाई के लाभों के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही बीज उपचार की विधि, स्वस्थ एवं रोग मुक्त बीज चयन, अंकुरण प्रतिशत बढ़ाने के उपायों पर विशेष जोर दिया गया। गन्ना फसल में समय पर सिंचाई, गुड़ाई-निराई तथा पेड़ी प्रबंधन के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

ब्रीफ न्यूज

अभिषेक भट्ट ने नेट परीक्षा की उत्तीर्ण

रानीखेत : स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखेत के संगीत विभाग के लिए गौरव का विषय है कि विभाग प्रभारी डॉ. निर्मल जोशी के शोध निर्देशन में शोधरत शोध छात्र अभिषेक भट्ट ने यूजीसी नेट परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। भट्ट की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है। विभाग प्रभारी डॉ. निर्मल जोशी ने इसे शोधार्थी की मेहनत, लगन एवं सतत साधना का परिणाम बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अभिषेक की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. पीएन तिवारी तथा समस्त प्राध्यापकगणों ने अभिषेक को बधाई दी है।

कृषि भूमि से चीड़ के पेड़ों के निस्तारण की मांग

रानीखेत : पूर्व जिला पंचायत सदस्य महेश आर्या ने सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत पंतकोटली–खिरखेत क्षेत्र के अंतर्गत ऐरोली किलकोट की कृषि भूमि से चीड़ के वृक्षों के निस्तारण की मांग उठाई है। कहा कि कृषि भूमि पर उगे चीड़ के पेड़ों के कारण खेती–बाड़ी का कार्य प्रभावित हो रहा है, जिससे स्थानीय किसानों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। चीड़ के पेड़ों की अधिकता से भूमि की उर्वरता और उत्पादन क्षमता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप ऐरोली–किलकोट क्षेत्र के पशुपालकों को चारे की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु संबंधित विभाग को आवेदन सौंपा। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई करते हुए किसानों और पशुपालकों की समस्याओं के समाधान की अपेक्षा की है।

जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी

चम्पावत : चम्पावत जिला न्यायालय परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। जिला जज को आए ई- मेल के बाद पुलिस प्रशासन ने पूरे परिसर की सघन तलाशी ली। कोतवाल बीएस बिष्ट ने बताया कि तलाशी के दौरान कहीं से कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली। हालांकि पिथौरागढ़ से डाग स्क्वाड की टीम बुलाई गई है, जिसके बाद पुन- पूरे परिसर की तलाशी ली जाएगा। तलाशी के दौरान आवाजाही पर विशेष एहतियात बरती गई। परिचय पत्र दिखाने के बाद ही कोर्ट परिसर में आने की इजाजत दी गई। इससे पूर्व नैनीताल, उत्तरकाशी, टिहरी, रुद्रप्रयाग और देहरादून जिला न्यायालय परिसर को भी बम से उड़ाने की ई–मेल के जरिए धमकी मिली थी।

चम्पावत सरस कॉर्बेट महोत्सव-2026: पहली सांस्कृतिक संध्या में माया उपाध्याय और जितेंद्र तोमक्याल ने दी रंगारंग प्रस्तुति

'ओ भिना कसिके जानू द्वारहाटा' पर जमकर थिरके दर्शक

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचारः टनकपुर स्थित केंद्रीय जल आयोग कार्यालय के समीप मैदान में आयोजित चम्पावत सरस कॉर्बेट महोत्सव-2026 की पहली सांस्कृतिक संध्या उल्लास, उमंग और लोक-संगीत की मधुर स्वर लहरियों से सराबोर रही। रंग-बिरंगी रोशनी और हजारों दर्शकों की मौजूदगी ने महोत्सव की शुरुआत को ऐतिहासिक बना दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत चम्पावत के इतिहास पर आधारित आकर्षक लेज़र शो से हुई। जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भगवान विष्णु के कुर्म अवतार से लेकर आधुनिक चम्पावत की विकास यात्रा तक की कहानी को प्रकाश और ध्वनि के समन्वय से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

सरस महोत्सव में प्रस्तुति देतीं लोक गायिका माया उपाध्याय। ● अमृत विचार

इस अद्भुत प्रस्तुति में चम्पावत की सांस्कृतिक विरासत, प्राचीन मंदिरों, लोक परंपराओं और ऐतिहासिक महत्व को जीवंत किया गया। लेज़र शो ने न केवल दर्शकों को रोमांचित किया, बल्कि जनपद की समृद्ध विरासत पर गर्व का भाव भी जागृत किया। लेज़र शो के बाद आयोजित स्टार नाइट में कुमाउनी लोकसंगीत की मधुर धुनों ने माहौल को और अधिक ऊर्जावान बना दिया। लोक गायक जितेंद्र तोमक्याल ने अपने लोकप्रिय गीत 'लाली हो लाली', 'ओ भिना कसिके जानू द्वारहाटा' और 'हाथ पैरेली घड़ी' की प्रस्तुति देकर युवाओं और बुजुर्गों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उनकी मधुर आवाज और मंच पर जीवंत उपस्थिति ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

कार्यक्रम में प्रस्तुति देते लोक गायक जितेंद्र तोमक्याल व लोक गायिका सीमा विश्वकर्मा।

जनपद की लोकगायिका सीमा विश्वकर्मा ने भी अपने गीतों से कार्यक्रम में नई ऊर्जा का संचार किया। स्थानीय प्रतिभा को मिले इस मंच ने दर्शकों को विशेष रूप से उत्साहित किया। इसके पश्चात प्रसिद्ध लोकगायिका माया उपाध्याय ने 'नैनीताल की माधुली', 'हाई ककड़ी' और 'कान में डबल झुमका' जैसे सुपरहिट कुमाउनी गीतों की प्रस्तुति देकर पूरे मैदान को थिरकने पर विवश कर दिया। युवाओं के कदम देर रात तक लोकधुनों पर थिरकते रहे और पूरा वातावरण उत्सवमय बना रहा। 18 फरवरी से 24 फरवरी तक चलने वाला यह सात दिवसीय महोत्सव जनपद की लोक संस्कृति, साहसिक पर्यटन, हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजनों और स्थानीय प्रतिभाओं को एक व्यापक मंच प्रदान कर रहा है।

नशीली दवाओं के साथ नेपाली युवक दबोचा

बनबसा : एसएसबी कार्यवाहक कमांडेंट, 57 वाहिनी दीपक सिंह जायडा के निर्देशन में सीमा पर नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एसएसबी ने गत दिवस देर रात्रि में समवाय धनुषपुल की सीमा चौकी बंगाली बस्ती सीमा स्तम्भ 804 के समीप चैकिंग के दौरान एक व्यक्ति की तलाशी लेने पर उसके पास 118 नशीले एवं प्रतिबंधित इंजेक्शन बरामद हुआ।

पूछताछ में आरोपी घनश्याम निवासी कंचनपुर, जिला महेंद्र नगर नेपाल ने बताया कि उक्त मादक पदार्थ भारत से नेपाल तस्करी कर ले जा रहा था। एसएसबी ने आरोपी को पुलिस के सुपुर्द कर दिया है।अभियान में सहायक कमांडेंट जशोबंता सेनापति, सहयक उप-निरीक्षक अरुण, मुख्य आरक्षी सोहन लाल एवं आरक्षी मोहित, अशोक, अभिषेक रहे।

लोकल से ग्लोबल की दिशा में आगे बढ़ रहा चम्पावत जिला: गणेश जोशी

सरस कॉर्बेट महोत्सव देगा 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को नई मजबूती

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचारः टनकपुर में आयोजित चम्पावत सरस कॉर्बेट महोत्सव-2026 में प्रदेश के ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विभागों, स्वयं सहायता समूहों एवं स्थानीय उद्यमियों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना करते हुए प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने 17 पशु सखियों को मोबाइल फोन वितरित किए। साथ ही 6 स्वयं सहायता समूहों को सामूहिक उद्यम के लिए रीप योजना के अंतर्गत 6-6 लाख के अंशदान चेक प्रदान किए तथा 3 महिलाओं को व्यक्तिगत स्वरोजगार के लिए 1-1 लाख की आर्थिक सहायता दी।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने बाल विकास विभाग की सराहनीय पहल के अंतर्गत 25 बालिकाओं के साथ सामूहिक जन्मदिवस समारोह में सहभागिता की। इस दौरान मंत्री ने स्वयं बालिकाओं के साथ केक काटकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कहा बालिकाएं समाज और राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने बालिकाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और उनके आत्मविश्वास को सशक्त बनाने पर जोर दिया।

टनकपुर में लाभार्थियों को चेक देते कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी। ● अमृत विचार

कहा कि इस वर्ष महोत्सव को "शीतकालीन कॉर्बेट महोत्सव" की थीम के साथ आयोजित किया गया है, जिसका उद्देश्य प्रदेश में शीतकालीन पर्यटन को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन पर्यटन संवर्धन के साथ-साथ स्थानीय कला, संस्कृति एवं उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा फूड फेस्टिवल के माध्यम से पारंपरिक व्यंजनों को विशेष मंच प्रदान किया गया है, जिससे स्वयं सहायता समूहों व छोटे उद्यमियों को आर्थिक सशक्तिकरण मिलेगा। कहा कि यह महोत्सव युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ 'वोकल फॉर लोकल' अभियान को मजबूती प्रदान करेगा और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगा। यहां भाजपा जिलाध्यक्ष गोविंद सामंत, नगर पालिकाध्यक्ष विपिन कुमार, ब्लॉक प्रमुख अंचला बोहरा, गौरव सैनानी समिति अध्यक्ष कैप्टन भानी चन्द, डीएम मनीष कुमार, सीडीओ डॉ. जीएस खाती आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री की घोषणा पर 37.99 लाख की धनराशि हुई स्वीकृत

टनकपुर : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आदर्श चम्पावत के संकल्प को गति देते हुए शासन ने जनपद की शिक्षा और बुनियादी ढांचे को लेकर एक और बड़ी सौगात दी है। विधानसभा क्षेत्र चम्पावत के लिए एक महत्वपूर्ण वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री की घोषणा के क्रियान्वयन के लिए चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में 37.99 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है। यह धनराशि राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बनबसा के परिसर में एक आधुनिक और सुंदर पार्क के निर्माण के लिए जारी की गई है।

जिलाधिकारी ने बताया कि इस पार्क के निर्माण के लिए शासन द्वारा प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। कॉलेज परिसर में पार्क बनने से न केवल छात्राओं को एक स्वच्छ और हरित वातावरण मिलेगा, बल्कि विद्यालय के सौंदर्यीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने संबंधित कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया है कि निर्माण कार्य में उच्च गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और इसे निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए।

सीएम की पहल से चम्पावत की आर्थिकी को लगेंगे पंख

संवाददाता, टनकपुर

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

- **अमोड़ी में 'हाउस ऑफ हिमालयाज' विपणन केंद्र को 49.82 लाख स्वीकृत**

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विजन के अनुरूप जनपद चम्पावत को आत्मनिर्भर आर्थिकी की दिशा में एक और बड़ी सौगात मिली है। अमोड़ी में प्रस्तावित 'हाउस ऑफ हिमालयाज' विपणन केंद्र की स्थापना हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 49.82 लाख की अवशेष धनराशि को शासन द्वारा वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

यह केंद्र स्थानीय काश्तकारों, स्वयं सहायता समूहों एवं शिल्पकारों के उत्पादों को एक संगठित और सशक्त बाजार उपलब्ध कराएगा। परियोजना की कुल लागत 159.82 लाख आंकी गई है, जिसमें से 60.00 लाख 'रीप' परियोजना के अंतर्गत स्वीकृत हैं। उत्तराखंड कृषि विपणन बोर्ड की तकनीकी स्वीकृति के उपरांत अब शेष 49.82 लाख की धनराशि भी स्वीकृत हो चुकी है, जिससे निर्माण कार्य को गति मिलेगी। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' ब्रांड के अंतर्गत स्थापित होने वाला यह आधुनिक विपणन केंद्र पहाड़ी दालों, शहद, मसालों, हस्तशिल्प एवं अन्य जैविक उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का सशक्त माध्यम बनेगा। इससे उत्पादकों को बिचौलियों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और उन्हें उनके उत्पादों का उचित मूल्य सीधे प्राप्त होगा।

चम्पावत-पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित अमोड़ी में यह केंद्र पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनेगा, जहां उन्हें शुद्ध, प्रमाणित एवं स्थानीय उत्पाद एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया है कि निर्माण कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए।

रामकृष्ण परमहंस को किया याद

- **बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रमों की दी प्रस्तुति**

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः रामकृष्ण कुटीर में गुरुवार को रामकृष्ण परमहंस की जयंती मनाई। जयंती पर विभिन्न कार्यक्रम हुए। वक्ताओं ने लोगों को रामकृष्ण परमहंस के जीवन और विचारों को जानने के लिए प्रेरित किया।

गुरुवार को रामकृष्ण परमहंस की 190 वीं जयंती पर रामकृष्ण कुटीर में मंगल आरती हुई। साथ ही वैदिक मंत्रोच्चार भी किए गए। होम के साथ श्रद्धालुओं की ओर से पुष्पांजलि दी। कार्यक्रम में रामकृष्ण परमहंस के जीवन और विचारों पर चर्चा की गई। आश्रम के अध्यक्ष स्वामी ध्रुवेशानंद महाराज ने कहा कि रामकृष्ण परमहंस का जीवन संदेश ईश्वर के प्रति हम सबको अग्रसर करने में सर्व उपयोगी है। उनके जीवन और विचारों को जानने और समझने की जरूरत है। उनके विचार भौतिकता और प्रतिस्पर्धा के इस जीवन में हमें निर्देशित और प्रेरित करते हैं। जयंती के अवसर पर आश्रम में भंडारा भी लगा।

अल्मोड़ा रामकृष्ण कुटीर में भंडारे का प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

भंडारे में काफी संख्या में लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। वहीं, कार्यक्रम में राजकीय शिशु सदन, नारी निकेतन और किशोर बाल गृह के बच्चों ने भजनों की प्रस्तुति दी। शारदा मठ की ओर से ऊनी कपड़ों और रामकृष्ण कुटीर की पुस्तकों का स्टॉल लगाया गया था।

छात्रों ने परिसर निदेशक कार्यालय में जड़ा ताला

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः सोबन सिंह जीना परिसर प्रशासन पर छात्रों ने भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। गुरुवार को आक्रोशित छात्रों ने परिसर निदेशक कार्यालय में तालाबंदी कर दी। इस दौरान परिसर प्रशासन का पुतला फूंक जमकर प्रदर्शन किया। वहीं, परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों की जांच की मांग उठाई।

छात्रों ने कहा कि परिसर में चल रहे निर्माण कार्य में धन का दुरुप्रयोग हो रहा है। जबकि छात्रों ने निर्माण की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए। कहा कि सलेक्शन बांड के नाम पर छात्रों के रुपयों का गबन किया गया है। अतिथि शिक्षकों और कर्मचारियों को प्रताड़ित करने का काम किया जा रहा है। इसके अलावा परिसर में शौचालयों और कक्षाओं के हालत दयनीय बनी हुई है। छात्रों ने निर्माण कार्य की जांच करने और दोषियों पर कार्रवाई करने समेत अन्य समस्याओं के निदान की मांग उठाई।

चेतावनी दी कि यदि जल्द मांगों पर परिसर प्रशासन ने अमल नहीं किया गया तो, समस्त छात्र उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे। यहां प्रदर्शन करने वालों में छात्रसंघ महासचिव विशाल सिंह बिष्ट, कोषाध्यक्ष विनय कनवाल, निशांत पांडे, भास्कर गोस्वामी, राहुल अधिकारी, गोपाल भट्ट, गोलू सतवाल, विक्की फर्त्याल, कमल जोशी समेत कई छात्र मौजूद रहे।

विभाग ने खोये के नमूने जांच को भेजे

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः होली पर्व को देखते हुए खाद्य व औषधि प्रशासन विभाग ने छापेमारी अभियान शुरू कर दिया है। गुरुवार को विभागीय अधिकारियों ने जिलेभर में छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने बाहरी दुग्ध उत्पादों पर सख्ती करते हुए दुकानदारों को गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खाद्य संरक्षा एवं औषधि और प्रशासन की संयुक्त टीम ने जिलेभर में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने संघन निरीक्षण अभियान चलाया। अभियान के दौरान विभिन्न मिठाई एवं डेयरी उत्पाद बेचने वाली दुकानों की जांच की गई। खोये के नमूने लेकर प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेजे गए। निरीक्षण के दौरान टीम ने दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बाहरी क्षेत्रों से आने वाले खाद्य पदार्थों, विशेष रूप से दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के बाद ही उनकी बिक्री करें। खाद्य पदार्थों के भंडारण, स्वच्छता व्यवस्था और वैध लाइसेंस संबंधी अभिलेखों की भी जांच की गई। सहायक आयुक्त एवं अभिहित अधिकारी अनिल मिश्रा ने कहा कि त्योहार के दौरान मिठाई, रंग व अन्य खाद्य सामग्री की बढ़ती मांग को देखते हुए विभाग की टीम लगातार निरीक्षण कर नमूने जांच के लिए भेज रही है, ताकि आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध हो सकें। कहा कि खाद्य सुरक्षा मानकों में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यहां मोहन सिंह लटवाल और ईश्वर सिंह नेगी भी मौजूद रहे।

छापेमारी अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम। ● अमृत विचार

कार्यक्रम | **अल्मोड़ा पहुंचे यूकेडी युवा प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष नेगी का स्वागत, गैरसैंण राजधानी बनाने की उठाई मांग**

उत्तराखंड में बेरोजगारी की मार झेल रहे युवा : नेगी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः उत्तराखंड क्रांति दल युवा प्रकोष्ठ केंद्रीय अध्यक्ष आशीष नेगी का गुरुवार को अल्मोड़ा पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान केंद्रीय अध्यक्ष नेगी ने गांधी पार्क और शहीद स्मारक में शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

नगर के गांधी पार्क में आयोजित सभा के दौरान केंद्रीय अध्यक्ष आशीष नेगी ने भाजपा-कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। कहा कि उत्तराखंड में युवा बेरोजगारी की मार झेल रहा है। पेपर लीक, भ्रष्टाचार से युवा त्रस्त है। वहीं, बाहरी व्यक्तियों को उत्तराखंड में रोजगार दिया जा रहा है। जिससे यहां का युवा हताश है। कहा कि अगर उत्तराखंड का सर्विंग विकास नहीं हो रहा है तो उसके लिए स्थाई राजधानी गैरसैंण ना होना बहुत बड़ा कारण है। इस दौरान उन्होंने उत्तराखंड में मूल निवास 1950 लागू करने, उत्तराखंड की संस्कृति, भाषा जैसे मुद्दे और आने वाले समय में उत्तराखंड में यहां के निवासियों पर अपने अस्तित्व को बचाने जैसी बातों को रखा। उन्होंने उत्तराखंड में युवाओं को यूकेडी में जुड़ने का आवाह्न किया।

अल्मोड़ा में युवा प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष आशीष नेगी का स्वागत करते यूकेडी कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

इस मौके पर यूकेडी जिलाध्यक्ष दिनेश जोशी, युवा प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष कुलदीप रावत, युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष रघुवर सिंह भाकुनी, केंद्रीय संगठन मंत्री नरेंद्र सिंह बिष्ट, केंद्रीय मंत्री गिरीश नाथ गोस्वामी, कार्यकारी अध्यक्ष पान सिंह रावत, महिला जिलाध्यक्ष दीपा जोशी, जिला महामंत्री आनंद बोरा, महानगर अध्यक्ष मोहित साह, आयुष रावत, गौरव जोशी, रवि नेगी, पंकज कपकोटी, विनीत बोरा, राजेंद्र मलकानी, किरन मेहरा, सुजीत टम्टा, जगदीश जोशी समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीएम ने की राइफल क्लब के पंजीकरण नवीनीकरण की समीक्षा

बागेश्वरः जिला राइफल क्लब के रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र के नवीनीकरण के संबंध में आज जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे की अध्यक्षता में जिला कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्लब की गतिविधियों, प्रशासनिक व्यवस्थाओं एवं आवश्यक औपचारिकताओं की समीक्षा की गई।

डीएम ने कहा कि सभी आवश्यक दस्तावेज एवं औपचारिकताएं सुनिश्चित करते हुए कार्यवाही पारदर्शिता एवं समन्वय के साथ आगे बढ़ाई जाए। ताकि प्रक्रिया विधिवत पूर्ण हो सके। उन्होंने विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श करते हुए नवीनीकरण की प्रक्रिया को नियमानुसार एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण किए जाने पर बल दिया गया।

उत्तराखंड बोर्ड परीक्षाओं को लेकर तैयारियां पूरी

संवाददाता, बैरती (अल्मोड़ा)

अमृत विचारः क्षेत्र के राइंका महाकालेश्वर तथा राइंका चित्रेश्वर केन्द्रों पर उत्तराखंड परिषदीय परीक्षाओं की सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। केंद्र व्यवस्थापक चित्रेश्वर भोलामोहन आर्य तथा महाकालेश्वर विनीता जोशी ने बताया कि परिषदीय परीक्षाओं के पूर्णतः पारदर्शी व नकलविहीन संपन्न कराये जाने की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

राजकीय इंटर कारॅलेज चित्रेश्वर में हाईस्कूल के 19 परीक्षार्थी इसी कालेज के तथा 34 परीक्षार्थी नव प्रभात हाईस्कूल बसभीड़ा के शामिल हैं। इंटर की परीक्षा में कालेज के 23 परीक्षार्थी तथा व्यक्तिगत 9 परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। इस परीक्षा केंद्र पर देवल कुमार मंडल कस्टोडियन तथा दीवान सिंह रावत परीक्षा प्रभारी तैनात किए गए हैं। इसी प्रकार राजकीय इंटर कॉलेज महाकालेश्वर में हाईस्कूल परीक्षा में इस कॉलेज के 20 परीक्षार्थी तथा राउमावि महतगांव के 8 परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। इंटर बोर्ड परीक्षा में इस कॉलेज के 29 परीक्षार्थी शामिल हैं। इस केंद्र पर तुला राम आर्य कस्टोडियन तथा दीपक डंगवाल परीक्षा प्रमुख बनाए गए हैं। क्षेत्र के इन दोनों परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के भी सभी इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं।

अमृत विचार

शुक्रवार, 20 फरवरी 2026

महिलाएं नहीं रहीं, तो कहां से लाओगे मां।
–महाश्वेता देवी, बांग्ला साहित्यकार

सर्बिया संग एआई सेतु

नई दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन ने यह अकाट्य रूप से सिद्ध कर दिया है कि भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श के हाशिये पर नहीं, अपितु उसके केंद्र में स्थापित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में संपन्न यह महासम्मेलन मात्र एक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल कूटनीति और तकनीकी संप्रभुता का सशक्त घोषणापत्र है। इस मंच से विश्व को एक स्पष्ट संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केवल नवाचार का उपकरण नहीं रह गई है, बल्कि यह भू-राजनीतिक प्रभुत्व और राष्ट्रीय सुरक्षा का मेरुदंड बन चुकी है।

सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण आयाम भारत का 'नियमों के अनुपालन' की भूमिका से निकलकर 'नियम-निर्माता' की भूमिका में अवतरित होना है। भारत ने अपने 'डिजिटल पब्लिक गुड्स' मॉडल, जिसमें आधार, यूपीआई और डिजिलॉकर जैसे आधारभूत ढांचे शामिल हैं, को जिस आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत किया, वह ग्लोबल साउथ के लिए एक आदर्श और व्यवहारिक विकल्प है। यह मॉडल पश्चिमी कॉरपोरेट एकाधिकार और चीनी राज्य-नियंत्रित तंत्र के बीच एक संतुलित, पारदर्शी और लोकतान्त्रिक मार्ग प्रशस्त करता है। कूटनीतिक दृष्टि से, विशेष रूप से सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्ज़ान्दर वूचिच के साथ हुई प्रधानमंत्री की बैठक के निहितार्थ गहरे और दूरगामी हैं। एआई, डिजिटल नवाचार और स्टार्टअप्स के क्षेत्र में सर्बिया के साथ बनी सहमति को केवल एक सामान्य द्विपक्षीय समझौते के रूप में देखना भूल होगी। वस्तुतः, सर्बिया यूरोप और एशिया के मध्य एक रणनीतिक सेतु है। यह साझेदारी भारतीय तकनीकी उद्यमों के लिए यूरोपीय बाजारों का प्रवेश-द्वार बन सकती है और 'विश्वसनीय एवं उत्तरदायी एआई' के भारतीय दृष्टिकोण को वैश्विक वैधता प्रदान करती है। डेटा संप्रभुता और साइबर सुरक्षा पर दोनों देशों का एकमत होना यह सुनिश्चित करता है कि भविष्य की डिजिटल व्यवस्था बहुध्रुवीय होगी, न कि किसी एक धड़े के अधीन। शिक्षा और अनुसंधान में सहयोग के माध्यम से भारतीय मेधा को यूरोपीय अनुसंधान नेटवर्क तक पहुंच मिलना 'ब्रेन ड्रेन' को 'ब्रेन गेन' में बदलने की दिशा में एक ठोस कदम है। यह 'मेक इन इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' जैसे अभियानों को वैश्विक फलक पर विस्तार देने जैसा है। सम्मेलन का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष 'मानव-केंद्रित एआई' पर भारत का नैतिक जोर था। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि तकनीक का अंतिम लक्ष्य एल्गोरिद्म की श्रेष्ठता नहीं, बल्कि समाज के 'अंतिम पायदान' पर खड़े व्यक्ति का सशक्तिकरण होना चाहिए। ध्यातव्य है कि एआई प्रशासन के वैश्विक मानक तय करने में भारत की सक्रियता उसे एक जिम्मेदार शक्ति के रूप में स्थापित करती है। यद्यपि डेटा गोपनीयता, 'डीपफेक' और एआई जनित भ्रामक सूचनाएं जैसी जटिल चुनौतियां विद्यमान हैं।

यह एआई शिखर सम्मेलन मात्र एक तकनीकी प्रदर्शनी न होकर भारत के रणनीतिक आत्मविश्वास का प्रदर्शन है। सर्बिया सहित अन्य देशों के साथ हुए समझौते यह संकेत देते हैं कि एआई के इस युगांतरकारी दौर में भारत मूकदर्शक नहीं रहेगा, बल्कि वह तकनीक के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण और वैश्विक कल्याण की दिशा तय करने वाली एक निर्णायक शक्ति के रूप में उभरेगा।

प्रसंगवश

जीवन कौशल शिक्षा और आत्मबल की पाठशाला

21 वीं सदी केवल तकनीकी विकास की सदी नहीं है, बल्कि यह मनुष्यता के सबसे कठिन इम्तेहानों की भी सदी बन चुकी है। आज हमारे बच्चे मोबाइल, इंटरनेट और सूचना के जंजाल में जी रहे हैं, परंतु भीतर से वे अकेलेपन, असुरक्षा और भय से जूझ रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में लगातार परिवर्तन हुए हैं, पर प्रश्न यह उठता है कि क्या यह शिक्षा बच्चों को जीवन जीने का साहस भी दे रही है? क्या वह उन्हें केवल नौकरी के लिए तैयार कर रही है या जीवन के लिए भी तैयार कर रही है?

शिक्षा का अर्थ केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रह सकता। बच्चे गणित, विज्ञान और भाषा तो सीख रहे हैं, लेकिन यदि वे अपने भीतर उठते भावनात्मक तूफ़ानों को समझ ही नहीं पा रहे, तो यह शिक्षा अधूरी है। शिक्षा के साथ जीवन कौशल का समावेश अब कोई वैकल्पिक प्रयोग नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है। भारत जैसे देश में, जहां आधी से अधिक आबादी 25 वर्ष से कम आयु की है, बच्चों और युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य राष्ट्र के भविष्य से सीधे जुड़ा है। यदि आज की पीढ़ी भीतर से टूट रही है, तो कल का भारत कैसे खड़ा होगा?

संध्या राजपुरोहित
शिक्षिका

ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों की चुनौतियां अलग हैं, पर अधिक गहरी हैं। नीति आयोग की 2017 की रिपोर्ट बताती है कि अनुसूचित जनजाति समुदाय में विद्यालय छोड़ने की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। इसका कारण केवल गरीबी या संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि वर्षों से जमी हुई यह सोच भी है कि 'हम पीछे हैं' या 'यह पढ़ाई हमारे लिए नहीं है।' यह आत्म अस्वीकृति ही सबसे खतरनाक है, क्योंकि यह बच्चे की चेतना को भीतर से तोड़ देती है।

शिक्षा मंत्रालय की यूडाइस रिपोर्ट 2021–22 भी यही संकेत देती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में ड्रॉपआउट दर शहरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। जब बच्चा स्वयं को शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ा नहीं महसूस करता, तो वह शिक्षा को अपने जीवन का हिस्सा मानना भी छोड़ देता है। ऐसे समय में जीवन कौशल शिक्षा एक प्रकाश स्तंभ की तरह सामने आती है। जीवन कौशल वे क्षमताएं हैं, जो बच्चे को केवल पढ़ा-लिखा नहीं, बल्कि समझदार और संवेदनशील इंसान बनाती है। आत्म-जागरूकता, भावनात्मक संतुलन, संवाद की क्षमता, समस्या समाधान, निर्णय लेने की समझ, सहयोग और सहानुभूति, ये सभी जीवन कौशल बच्चों के भीतर वह ताकत पैदा करते हैं, जिससे वह जीवन की कठिन परिस्थितियों से टूटता नहीं, बल्कि लड़ता है।

यूनिसेफ और यूनेस्को की संयुक्त रिपोर्ट लाइफ स्कि ल एजुकेशन फार यूथ (2019) इस बात की पुष्टि करती है कि जिन विद्यालयों में जीवन कौशल आधारित शिक्षा दी जाती है, वहां बच्चों में तनाव, हिंसा और आत्मघाती प्रवृत्तियां कम होती हैं, तथा आत्मविश्वास, संबंधों की गुणवत्ता और निर्णय क्षमता में सुधार होता है। जीवन कौशल कोई अतिरिक्त विषय नहीं है। यह हर विषय की आत्मा है। गणित सोचने की स्पष्टता देता है, भाषा अभिव्यक्ति की शक्ति देती है, विज्ञान जिज्ञासा का द्वार खोलता है और सामाजिक विज्ञान विवेक का विकास करता है। जब इन सभी विषयों में जीवन कौशल की चेतना जुड़ जाती है, तब शिक्षा केवल जानकारी नहीं देती, बल्कि चेतना जगाती है।

राष्ट्री य शिक्षा नीति 2020 इसी दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह नीति पहली बार शिक्षा को केवल परीक्षा प्रणाली नहीं, बल्कि मानव निर्माण की प्रक्रिया के रूप में देखती है। इसमें कहा गया है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अकादमिक दक्षता नहीं, बल्कि नैतिकता, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करना भी है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

एआई: तकनीकी प्रगति या पर्यावरणीय संकट

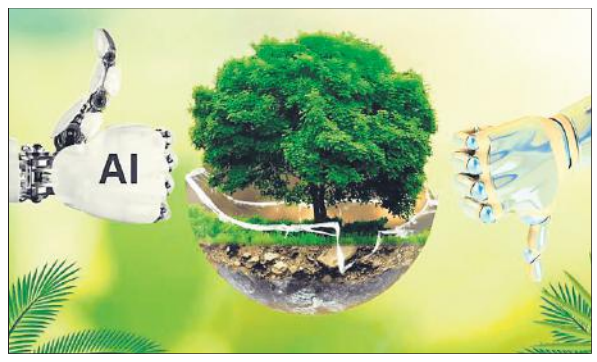

जयदेव राठी
अधिवक्ता

आज 'एआई' यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शब्द सुनते ही आमतौर पर तकनीकी प्रगति, स्मार्ट सेवाएं और डिजिटल क्रांति की बातें जुड़ी नजर आती हैं। पर सच यह है कि जिस तकनीक को हम भविष्य का पर्यावरण-समर्थक समाधान मानते हैं, वही आज ऊर्जा खपत, पानी की खपत और कार्बन उत्सर्जन के मामले में एक नई समस्या बनकर उभर रही है। एआई की पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी चुनौतीपूर्ण है और अगर हम समय रहते न समझे, तो यह तकनीक हमारे जलवायु लक्ष्यों पर भी गंभीर दबाव डालेगी।

एआई सिस्टम, विशेषकर बड़े भाषा मॉडल और जनरेटिव एआई सिस्टम अत्यधिक कम्प्यूटेशनल पॉवर मांगते हैं। यह कम्प्यूटेशनल पॉवर सीधे बिजली की खपत में बदलती है। वैश्विक स्तर पर: अनुमान है कि 2026 तक एआई और डेटा सेंटर्स कुल मिलाकर लगभग 450-500 टेरावाट-घंटे ऊर्जा खपत करते हैं, जो लगभग 2% वैश्विक बिजली खपत के बराबर है। 2030 तक यह 945 टेरावाट-घंटे से अधिक पहुंच सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते इस्तेमाल के कारण डेटा सेंटर्स की ऊर्जा जरूरत तेजी से बढ़ेगी। अगर एआई का विस्तार इसी रफ्तार से हुआ, तो डेटा सेंटर्स का ऊर्जा उपयोग जापान जैसे देशों की कुल बिजली खपत के स्तर तक पहुंच सकता है। इन आंकड़ों को वास्तविक दुनिया के उदाहरणों से जोड़ा जाए, तो पता चलता है कि आज के एआई वर्कलोड (जैसे मॉडल ट्रेनिंग और इनफरेंस) के लिए जो बिजली चाहिए, वह कुछ देशों की कुल बिजली खपत के बराबर है और यह जरूरत भविष्य में और बड़े पैमाने पर होने वाली है।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में पाया गया है कि बड़ी तकनीकी कंपनियों की गैर-प्रत्यक्ष कार्बन उत्सर्जन 2020-2023 में 150% तक बढ़ गया, जिसका मुख्य कारण डेटा सेंटर्स का ऊर्जा विस्तार है। डेटा सेंटर्स में सर्वर जब भारी काम करते हैं, तो वे गर्म हो जाते हैं। गर्मी को नियंत्रित करने के लिए कूलिंग सिस्टम इस्तेमाल किए जाते हैं, जिनमें काफी मात्रा में पानी की खपत होती है। 2025 में डेटा सेंटर्स की कुल पानी खपत 300 से 700 अरब लीटर के बीच होने का अनुमान है, जो कुछ देशों के सालाना पानी उपयोग के बराबर है। चैट जीपीटी जैसे एआई सिस्टम के हर एक क्वेरी के लिए लगभग 0.32 मिलीलीटर पानी लगता है और इसकी कूलिंग के लिए भी।

यदि हम एआई का उपयोग व्यापक रूप से जारी रखते हैं, तो यह पानी की खपत एक गुप्त मगर बड़ी जल संकट-संबंधित समस्या बन सकती है। खासकर उन इलाकों में, जहां पानी की कमी पहले से ही एक चुनौती है। एआई के बढ़ते उपयोग का सबसे चर्चित असर है कार्बन उत्सर्जन। आंकड़ों के अनुसार, एआई-संपर्की सिस्टमों द्वारा वार्षिक CO उत्सर्जन लगभग 105 मिलियन मीट्रिक टन हो चुका है, जो कि कुछ देशों के उत्सर्जन के बराबर है। कुछ विश्लेषणों के अनुसार, एआई और डाटा सेंटर 2.5% से 3.7% तक वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का हिस्सा हो सकते हैं, जो तेजी से बढ़ रहा है। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि एआई सिर्फ टेक्नोलॉजी सेक्टर की सीमा के भीतर नहीं है। यह वैश्विक जलवायु कार्बन बजट को भी प्रभावित कर रहा है।

एआई मॉडल का प्रशिक्षण, जैसे- बड़े भाषा मॉडल की ट्रेनिंग, खुद ही भारी कार्बन उत्सर्जन उत्पन्न करता है। उदाहरण के लिए, किसी बड़े मॉडल का प्रशिक्षण हजारों टन CO जैसा उत्सर्जन पैदा कर सकता है। एआई के उत्सर्जन पर सिर्फ नकारात्मक विश्लेषण करना ही पर्याप्त नहीं है। कुछ शोध बताते हैं कि अगर एआई का उपयोग बुद्धिमानी से किया जाए, तो यह ऊर्जा दक्षता को भी बढ़ा सकता है। एक पीडब्लूसी अध्ययन का निष्कर्ष है कि एआई का उपयोग अगर पूरे आर्थिक ढांचे में फैलाया जाए, तो 2035 तक कुल ऊर्जा और उत्सर्जन में मामूली कमी भी संभव है। कुछ परिदृश्यों में 0.3%-1.9% तक का कमी। यह अध्ययन दिखाता है कि एआई के नकारात्मक प्रभाव और सकारात्मक अवसर दोनों को संतुलित करना जरूरी है। सिर्फ तकनीक को दोष देना या समाधान मान लेना, दोनों ही अर्ध-सत्य हैं।

भारत डिजिटल विकास और एआई अपनाने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन देश के सामने पहले से ही तीन बड़ी चुनौतियां मौजूद हैं- ऊर्जा दबाव, जल संकट और जलवायु परिवर्तन। यदि एआई का विस्तार बिना पर्यावरणीय संतुलन के किया गया, तो यह जल संकट को गहरा कर सकता है। ऊर्जा आयात पर निर्भरता बढ़ा सकता है और कार्बन उत्सर्जन लक्ष्यों को कमजोर कर सकता है। वहीं दूसरी ओर, यदि एआई को ऊर्जा दक्षता, जल प्रबंधन और स्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए सही दिशा में इस्तेमाल किया गया, तो यह भारत के लिए समाधान का हिस्सा भी बन सकता है।

जब तकनीकी कंपनियां सवाल करती हैं कि 'क्या एआई को रोकना चाहिए?' तो जवाब एकदम सरल नहीं है। समस्याएं जटिल हैं और समाधान बहुआयामी उर्जा स्रोत का प्रकृति-निर्देश एआई डेटा सेंटर्स को अगर पूरी तरह नवीकरणीय ऊर्जा से चलाया जाए, तो ऊर्जा-जनित कार्बन को काफी घटाया जा सकता है। उन्नत कूलिंग सिस्टम और रिसायक्लिंग तकनीकें पानी की खपत को नियंत्रण में रखने में मदद कर सकती हैं। वैश्विक क्लाइमेट सम्मेलन जैसे COP30 में भी एआई के पर्यावरण-प्रभावों पर चर्चा हुई है और विशेषज्ञों ने एआई के लिए 'स्थिरता मानकों' की मांग की है।

आज के समय में एआई तकनीक को केवल एक डिजिटल प्रगति का प्रतीक मानना हमारे पर्यावरण के प्रति एक अर्ध-सत्य होगा। वास्तव में, एआई के ऊर्जा, पानी और कार्बन परिदृश्यों में होने वाला विस्तार एक गंभीर समस्या बन चुका है, जो तत्काल नीति-निर्माण, सतत डिजाइन और वैश्विक सहयोग से ही नियंत्रित किया जा सकता है। यदि हम इन तकनीकों को बिना पर्यावरणीय चिंताओं के विकसित होने दें, तो तकनीक कभी हमारे भविष्य को बचाने के बजाय, हमारे स्व-निर्मित संकटों को और तीव्र कर सकती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> चैट जीपीटी जैसे एआई सिस्टम के हर क्वेरी के लिए 0.32 मिलीलीटर पानी लगता है और इसकी कूलिंग के लिए भी। एआई का उपयोग व्यापक रूप से जारी रखते हैं, तो पानी की खपत बड़ा जल संकट बन सकता है।

आमने सामने

इन लोगों को पहले लगता था कि प्रदेश में भाजपा सरकार नहीं आएगी, तब ये लोग कांग्रेस की ओर भाग गए। जैसे ही भाजपा आई, तो दोबारा बुके लेकर बैठ गए और झंडे लगा लिए। मैंने पहले भी कहा कि वे मतलब की राजनीति से पार्टी में आए हैं और उन्हें अपना स्वार्थ पूरा करना है।

–सतपाल जांबा
भाजपा विधायक, हरियाणा

भाजपा किसी अकेले व्यक्ति की पार्टी नहीं है। विधायक कह रहे हैं कि मेरी पार्टी है, जब पार्टी उनकी हो जाएगी, तब हम पार्टी से इस्तीफा दे देंगे। मुझे पार्टी अच्छी लगी तो मैंने ज्वाइन की। जिस प्रकार विधायक बयान दे रहे हैं, इससे हलके में उनकी छवि गिर रही है। पार्टी ही इस पर संज्ञान लेगी।

–सतबीर भाना
भाजपा नेता, हरियाणा

नई रक्षा खरीद से बदलेगा सामरिक संतुलन

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) द्वारा 114 राफेल लड़ाकू विमानों और 288 एस-400 मिसाइलों की स्वीकृति केवल एक रक्षा खरीद नहीं, बल्कि 21वीं सदी के भारत की सामरिक चेतना का ऐतिहासिक उद्घोष है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा दी गई 'आवश्यकता की स्वीकृति' (एओएन) ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब प्रतिक्रियात्मक सुरक्षा नीति के दायरे से बाहर निकलकर सक्रिय प्रतिरोध और विश्वसनीय निवारण की रणनीति को संस्थागत रूप दे रहा है। लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली यह परियोजना स्वतंत्र भारत के इतिहास की सबसे बड़ी रक्षा खरीद बन सकती है। रणनीतिक हलकों में इसे यूं ही 'मदर ऑफ ऑल डिफेंस डील्स' नहीं कहा जा रहा है। यह सौदा वायु-श्रेष्ठता, बहुस्तरीय हवाई सुरक्षा, औद्योगिक आत्मनिर्भरता और भू-राजनीतिक संतुलन, चारों आयामों को एक साथ सुदृढ़ करता है।

यह निर्णय ऐसे समय आया है, जब उत्तरी सीमाओं पर सैन्य सक्रियता और पश्चिमी मोर्चे पर निरंतर तनाव भारत के लिए दो-मोर्चीय चुनौती का यथार्थ प्रस्तुत करते हैं। भारतीय वायुसेना की स्वीकृत क्षमता 42 स्क्वाड्रन की है, किंतु वास्तविक संख्या लगभग 29-30 के बीच सिमटी हुई है। पुराने मिग-21 विमानों के चरणबद्ध निष्कासन ने इस अंतर को और स्पष्ट कर दिया है। ऐसे परिदृश्य में 114 नए राफेल विमानों की मंजूरी केवल संख्यात्मक वृद्धि नहीं, बल्कि सामरिक संतुलन की पुनर्स्थापना है। वर्तमान में 36 राफेल विमान भारतीय वायुसेना में परिचालन कर रहे हैं और उन्होंने उच्च-ऊंचाई अभियानों से लेकर त्वरित प्रतिक्रिया मिशनों तक अपनी प्रभावशीलता सिद्ध की है। नई डील के बाद इनकी संख्या लगभग 150 तक पहुंच सकती है, जिससे पश्चिमी सीमा पर त्वरित प्रहार और उत्तरी मोर्चे पर गहन वायु-श्रेष्ठता एक साथ सुनिश्चित की जा सकेगी।

फ्रांस की दसाल्ट एविएशन द्वारा निर्मित राफेल 4.5 पीढ़ी का अत्याधुनिक 'ओम्नी-रोल' लड़ाकू विमान है। इसकी शक्ति केवल गति या हथियार-क्षमता में नहीं, बल्कि बहु-भूमिका दक्षता में निहित है। एक ही मिशन में वायु-श्रेष्ठता स्थापित करना, सटीक जमीनी हमला करना और सामरिक टोही संचालन करना इसकी विशिष्टता है। एईएसए रडार एक साथ अनेक लक्ष्यों को ट्रैक और एंगेज कर सकता है। मेटेओर बीवीआर मिसाइल 150-200 किलोमीटर तक 'बियॉन्ड विजुअल रेंज' में लक्ष्य भेदने की क्षमता देती है, जबकि स्कैल्प क्रूज मिसाइल सुदृढ़ बंकरों और रणनीतिक ठिकानों को सुरक्षित दूरी से नष्ट कर सकती है। स्पेक्ट्रा इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम राफेल को दुश्मन के रडार और मिसाइलों से बचाने में अभेद्य कवच प्रदान करता है। नेटवर्क-सेंट्रिक युद्ध क्षमता इसे अन्य प्लेटफॉर्म और कमांड सिस्टम से जोड़कर रीयल-टाइम डेटा साझा करने में सक्षम बनाती है। यही कारण है कि राफेल को वास्तविक 'फोर्स मल्टीप्लायर' कहा जाता है, जो संपूर्ण युद्ध-तंत्र की क्षमता को गुणात्मक रूप से बढ़ा देता है।

इस मेगा डील का सबसे दूरदर्शी आयाम इसका औद्योगिक ढांचा है। 114 विमानों में से लगभग 20 फ्रांस से 'फ्लाई-अवे' स्थिति में आएंगे, जबकि शेष 90 से अधिक विमानों का निर्माण भारत में किया जाएगा। इस उत्पादन सहयोग में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की केंद्रीय भूमिका होगी। इसमें 50-60 प्रतिशत तक स्वदेशी सामग्री शामिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। एयरो-स्ट्रक्चर, एवियोनिक्स सब-सिस्टम, वायरिंग हार्नेस, रडार मॉड्यूल और मेंटेनेंस-रिपेयर सुविधाओं का बड़ा हिस्सा देश में ही विकसित होगा। यह केवल तकनीक का आयात नहीं, बल्कि ज्ञान और कौशल का हस्तांतरण भी है। इससे भारतीय एमएसएमई, स्टार्टअप और निजी रक्षा उद्योग को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में स्थान मिलेगा। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' की अवधारणा को वास्तविक औद्योगिक आधार यहीं से प्राप्त होगा।

राफेल के साथ-साथ 288 मिसाइलों की खरीद, जो रूस निर्मित एस-400 ट्रायंफ वायु रक्षा प्रणाली के लिए है, भारत की बहुस्तरीय हवाई सुरक्षा को अभेद्य बनाती है। लगभग 10,000 करोड़ रुपये की इस स्वीकृति में 120 शॉर्ट-रेंज और 168 लॉन्ग-रेंज मिसाइलें शामिल हैं। एस-400 की अधिकतम मारक क्षमता 400 किलोमीटर तक है और यह एक साथ 80 से अधिक लक्ष्यों को ट्रैक कर सकती है। स्टेल्थ लड़ाकू विमान, क्रूज मिसाइल, ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल, इन सभी जटिल खतरों के विरुद्ध यह प्रणाली प्रभावी सुरक्षा कवच प्रदान करती है। आधुनिक युद्ध में आक्रामक शक्ति जितनी आवश्यक है, उतनी ही सुदृढ़ रक्षात्मक संरचना भी अनिवार्य है। राफेल जहां आकाश में वर्चस्व स्थापित करता है, वहीं एस-400 वायु रक्षा प्रणाली उस आकाश को अभेद्य बनाती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा 114 राफेल लड़ाकू विमानों और 288 एस–400 मिसाइलों की रक्षा खरीद भारत की सामरिक चेतना का उद्घोष है।

सोशल फोरम

कहानी रीयल ठग की

ठग, वह अपराधी हैं, जो लोगों को लूटते थे। 1356 से 1894 ईस्वी तक लगभग 450 वर्षों तक एशिया में सक्रिय रहे। 'ठग' को अंग्रेज़ी में 'Thug' ही कहा जाता है। 'ठग' मूल रूप से अंग्रेज़ी शब्द नहीं है। 19वीं सदी में ब्रिटिश शासन के दौरान भारत में ठगों के अपराधों और हत्याओं के कारण यह शब्द अंग्रेज़ी भाषा में प्रचलित हुआ।

SHOAIB GAZI
शोएब गाजी
ब्लॉगर

ठग या ठगी इतिहास का सबसे बदनाम और घातक आपराधिक गिरोह था, जो 19वीं सदी के अंत तक राजमार्गों पर यात्रियों को अपना शिकार बनाता रहा। इस शब्द में क्रूरता से जुड़ी एक कहानी छिपी है, जिसकी जड़ें 13वीं–14वीं सदी के भारत से मिलती हैं, जब पेशेवर ठगों ने 'खुशबू' वाला रूमाल सूंघाकर और तरह-तरह के झांसे देकर लोगों को लूटना शुरू किया।

उनका तरीका सरल था। लंबी यात्रा के दौरान यात्रियों से मित्रवत व्यवहार कर उनका विश्वास जीतना और फिर किसी सुनसान जगह पर उनका गला घोंट देना। उनका मुख्य हथियार रूमाल या फंदा होता था, जिससे वे पलभर में अपने शिकार का गला घोंट देते या ज़हर देकर मार डालते। लूटपाट कर लाशों दफना देते।

आश्चर्य की बात यह है कि ठगों के समूह में हिंदू-मुस्लिम का भेद नहीं था। मुस्लिम सदस्य भी भवानी की पूजा और अन्य रस्मों में भाग लेते थे। कुछ विवरणों के अनुसार ठगी उनके लिए केवल पेशा नहीं, बल्कि एक प्रकार का धर्म भी थी। उनका विश्वास था कि उनकी देवी उनके कार्यों से प्रसन्न होती हैं और शुभ संकेत मिलने तक वे किसी अभियान में हिस्सा नहीं लेते थे।

लंबे समय तक ब्रिटिश प्रशासन को इन हत्याओं और लूट की पूरी जानकारी नहीं थी। 1829 तक ये अपराध जारी रहे। William Henry Sleeman को नरबदा क्षेत्र में नियुक्त किया गया। उन्हें 1807 और 1814 की कई हत्याओं की जानकारी मिली। उन्होंने कंपनी को विस्तृत रिपोर्ट भेजी। इसके बाद ठगों के विरुद्ध अभियान शुरू हुआ। ठगी से निपटने के लिए अंग्रेज़ों को एक अलग विभाग बनाना पड़ा, जिसे बाद में खुफिया तंत्र की नींव माना गया।

1826 से 1835 के बीच 1562 लोगों पर मुकदमे चले, जिनमें से 1404 को फांसी या आजीवन कारावास की सज़ा दी गई। कुछ ठगों ने स्वीकार किया कि उन्होंने सैकड़ों लोगों की हत्या की थी। जो सरकारी गवाह बने, उन्हें माफ़ी देकर जबलपुर की विशेष जेल में नजरबंद किया गया और उन्हें कालीन बुनाई जैसे कार्यों में लगाया गया।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

बांग्लादेश की नई सरकार में हिंदू मंत्री के मायने

पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में तारिक रहमान के रूप में नई सरकार शपथ ले चुकी है। खास बात ये है कि रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार में दो हिंदू सांसदों को मंत्री बनाया गया है। उनके इस निर्णय को भारत के साथ प्रत्यक्ष रूप से बिगड़े संबंधों को सुधारने की पहल के रूप में समूची दुनिया देख रही है। बीते कुछ महीनों में 11 हिंदुओं के साथ हुई बर्बरता ने बांग्लादेश की न सिर्फ थू-थू करवाई, बल्कि दशकों से मधुर संबंधों को भी पटरी से उतार दिया। इसको लेकर दोनों मुल्कों में तल्खियां बनी हुई थीं। रहमान जानते हैं कि अगर माहौल ऐसा ही बरकरार रहा, तो रिश्तो की दूरियां घटने वाली नहीं? ऐसी अखरती दुश्वारियों पर गौर करते हुए ही रहमान ने अपनी कैबिनेट में हिंदू सांसदों को अहम औहदे सौंपे, ताकि रिश्तों में फिर से नरमी लाई जा सके। भारत ने भी उनके निर्णय को सराहा है।

डॉ. रमेश ठाकुर
लेखक

हिंदुओं पर अत्याचार की घटनाओं को तत्काल प्रभाव से रोकने की चुनौती तारिक रहमान के सामने अभी भी खड़ी है, हालांकि इसे रोकने के लिए वह अपने कदम तेजी से बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री रहमान सबसे पहले पूर्व की अंतरिम सरकार के मुखिया रहे मोहम्मद यूनुस के अटपटे और संबंध विच्छेद भरे निर्णयों की समीक्षा करेंगे। उनका झुकाव भारत को परेशान करने वाली पाकिस्तान-चीन की संयुक्त खुराफाती नीतियों की ओर ज्यादा रहा था। रहमान अच्छे से समझते हैं कि जब तक मोहम्मद यूनुस कार्यकारी प्रधानमंत्री रहे, उन्होंने भारत के साथ संबंधों को बिगाड़ने की हर संभव कोशिशें कीं। कुछ उन्होंने कीं और कुछ दूसरे देशों ने करवाईं?

प्रधानमंत्री तारिक रहमान भारतीय हुकूमत का साथ लेकर और अपनी कैबिनेट में अल्पसंख्यक हिंदू मंत्रियों की आमद के साथ बांग्लादेश में अगले पांच सालों तक सरकार चलाना चाहते हैं। इसी को ध्यान में रखकर जब उनकी पार्टी बीएनपी चुनावों में जीती, तो सबसे पहले वह अपने धुरविरोधी विपक्षी नेता और जमात-ए-इस्लामी प्रमुख शफीकुर रहमान के बिना बुलाए, उनके आवास पर पहुंच गए। चुनावी गुस्सेबाजियों के इतर उनसे नई सरकार में सहयोग की गुजारिश की। विपक्षी नेता ने भी राजनीतिक दुश्मनी छोड़कर उनका गर्मजोशी से अपने घर पर स्वागत किया।

इस तरह की खूबसूरत परंपरा का प्रचार-प्रसार पूरे विश्व में होना चाहिए कि चुनाव बाद विपक्ष से सत्ता पक्ष को कैसे व्यवहार करना चाहिए। ये उन देशों के लिए सीख भी है, जहां पक्ष-विपक्ष आपस में अनैतिक कुकर्मों की सभी सीमाएं लांघ रहे हैं। रहमान उस विपक्षी नेता के घर भी पहुंचे, जिनकी पार्टी चुनावों में तीसरे स्थान पर रही। नेशनल सिटीजन पार्टी के नाहिद इस्लाम को भी गले लगाया और बांग्लादेश के विकास में उनसे भी सहयोग मांगा। राजनीति में ऐसी तस्वीरों का दिखना दुर्लभ होता है, लेकिन बांग्लादेश में दिखी।

रहमान की जीत पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का उन्हें भाई बताना और उनकी जीत की खुशी में फूल-मिठाईयों को ढाका भेजना भी धूमिल संबंधों में रस भरने जैसा कहा जाएगा। साथ ही रहमान के शपथ में भारत सरकार की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का पहुंचना भी सुखद और नए संबंधों में नए सिरे से गढ़ने जैसा है। नए रंग में रिश्तों को रंगने की दरकार इसलिए भी महसूस होने लगी है, क्योंकि बांग्लादेश की सत्यानाशी के लिए जिस तरह से चीन-पाकिस्तान मिलकर घेराबंदी कर रहे हैं, जिसका अंदाजा नवगठित सरकार के मुखिया को भी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

यूरेका

खोज

यात्रा टाइपराइटर के आविष्कार की

मानव सभ्यता के विकास में लेखन का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। हाथ से लिखे दस्तावेज लंबे समय तक संचार और प्रशासन का आधार रहे, किंतु औद्योगिक क्रांति के दौर में जब व्यापार, न्यायालय और सरकारी कार्यों का विस्तार हुआ, तब तेज और स्पष्ट लेखन की आवश्यकता महसूस की जाने लगी। इसी आवश्यकता ने टाइपराइटर के आविष्कार की दिशा में अनेक प्रयासों को जन्म दिया। 18 वीं शताब्दी में इंग्लैंड के हेनरी मिल ने एक "राइटिंग मशीन" का पेटेंट अवश्य कराया, पर उसका कोई ठोस मॉडल सामने नहीं आ पाया। 19 वीं शताब्दी में विभिन्न आविष्कारकों ने प्रयोग किए, परंतु मशीनें जटिल और अव्यावहारिक सिद्ध हुईं। अंततः इस दिशा में निर्णायक सफलता अमेरिकी आविष्कारक क्रिस्टोफर लाथम शोल्स को मिली। उन्होंने 1860 के दशक में अपने साथियों के साथ मिलकर एक ऐसी मशीन विकसित की, जो अक्षरों को यांत्रिक ढंग से कागज पर उकेर सकती थी।

शोल्स के इस आविष्कार को 1874 में व्यावसायिक रूप से उत्पादन का अवसर मिला, जब प्रसिद्ध कंपनी Remington & Sons ने इसे बाजार में उतारा। "Sholes and Glidden Typewriter" के नाम से प्रसिद्ध इस मशीन ने कार्यालयों की कार्यशैली बदल दी। इसी के साथ QWERTY की-बोर्ड लेआउट भी अस्तित्व में आया, जिसे टाइपबार के आपस में फंसने की समस्या से बचने के लिए तैयार किया गया था। यही लेआउट आज भी कंप्यूटर कीबोर्ड पर प्रचलित है।

टाइपराइटर ने न केवल प्रशासनिक कार्यों को गति दी, बल्कि समाज में नई भूमिकाएं भी निर्मित कीं। विशेष रूप से महिलाओं के लिए टाइपिस्ट के रूप में रोजगार के अवसर खुले। पत्रकारिता, न्यायालय और व्यावसायिक पत्राचार में यह मशीन क्रांतिकारी सिद्ध हुई। 20 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में कंप्यूटर और प्रिंटर के आगमन से टाइपराइटर का उपयोग धीरे-धीरे कम हो गया, किंतु लेखन तकनीक के इतिहास में उसका योगदान अमिट है। यह आविष्कार मानव की उस जिज्ञासा और नवोन्मेष की भावना का प्रतीक है, जिसने साधारण लेखनी को यांत्रिक दक्षता में परिवर्तित कर दिया।

वैज्ञानिक के बारे में

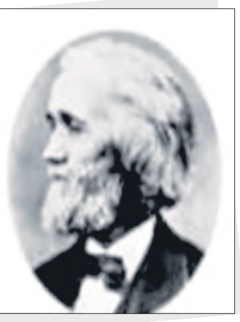

क्रिस्टोफर लाथम शोल्स का जन्म 14 फरवरी 1819 को अमेरिका में हुआ। वे पेशे से पत्रकार, संपादक और राजनीतिज्ञ भी थे। युवावस्था में उन्होंने प्रिंटिंग प्रेस और समाचार-पत्रों से जुड़कर काम किया, जिससे उन्हें लेखन और मुद्रण तकनीक में गहरी रुचि हुई। वे सामाजिक सुधारों के समर्थक थे और दास-प्रथा के विरोध में भी सक्रिय रहे। बाद में उन्होंने यांत्रिक प्रयोगों की ओर ध्यान दिया और टाइपराइटर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शोल्स का निधन 17 फरवरी 1890 को हुआ, किंतु उनका आविष्कार आज भी आधुनिक कीबोर्ड के रूप में जीवित है।

भारत के खगोलविद् समझेंगे ब्रह्मांड की गुरुत्व लहरें

कॉम्पैक्ट बाइनरी कोलीसेंस ऑब्जर्व्ड बाय लीगो एंड विर्गोड्यूरिंग द सेकेंड पार्ट ऑफ द थर्ड ऑब्जर्विंग रन शीर्षक से उपलब्ध एक रिसर्च-रिव्यु रिपोर्ट उस व्यापक परियोजना के बारे में बात करती है, जिससे रेडियो एस्ट्रोनॉमर्स ने सुदूर ब्रह्मांड में ग्रेविटेशनल वेव्स की उपस्थिति के स्रोतों को चिह्नित किया है। ग्रेविटेशनल वेव्स अर्थात गुरुत्व लहरों और इनमें समाई हुई विपुल शक्ति से ब्रह्मांड में नई रचनाओं का जन्म होता है और पुरानी रचनाओं एवं अरबों-खरबों गैलेक्सियों में मौजूद तारों या कहें तो ऑब्जरवेबल स्टार्स के जीवन मरण की घटनाओं के अलावा ब्लैक होल्स की मैपिंग करने के बाद एक कैटेलॉग बनाया गया है। कैटेलॉग, मतलब एक ऐसी बड़ी सूची वाली किताब, जिसमें यह दर्ज किया गया है कि फलां तारा या ब्लैक होल, पृथ्वी से किए गए अवलोकन की भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखकर, ब्रह्मांड में किस तरफ और कितना दूर मौजूद हैं और क्या होने की संभावना है, जिसे एक विशिष्ट संख्या और नाम दिया गया है।

मनुष्य की वैज्ञानिक रुचियों का यह एक ऐसा अध्याय है, जिसकी कोई भी व्याख्या विस्मित करने के लिए काफी है। ब्रह्मांड अवलोकन के लिए जो भी साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट्स अब तक बनाए गए हैं या प्रतावित हैं, उन पर अनेक देशों ने सम्मिलित रूप से इतनी धनराशि खर्च कर दी है, जोकि हमारे अनुमान से आगे निकल जाती है। इन 200 सालों में अन्वेषण की उत्तेजना से ओतप्रोत खगोलविदों ने ब्रह्मांड के बारे में हमारी समझ को कई गुणा बढ़ाया है। एस्ट्रोफिजिक्स में ऐसे आख्यान सेट किये गए हैं, जोकि प्रथम दृष्टया समझ से बाहर हैं, क्योंकि एस्ट्रोनॉमी और एस्ट्रोफिजिक्स में नियम और गणनाएं और संबद्ध टर्मिनोलॉजी उपलब्ध हैं, उन्हें इस विधा के जानकारों के अलावा अन्य लोग कम ही समझते हैं।

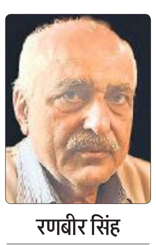

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

उपर्युक्त शीर्षक के अंतर्गत 82 पन्नों में दुनिया के जाने-माने और कम ज्ञात उन 297 संस्थानों ने सहयोग करते हुए, जो लंबा-चौड़ा शोध-समीक्षा पत्र प्रकाशित किया है वह एक व्यापक और दीर्घकालिक सहयोग का नतीजा है। ग्रेविटेशनल वेव्स के सोर्सेज की मैपिंग क्यों जरूरी है और क्यों इस पर कभी भी राजनीतिज्ञों की टिप्पणियां आसानी से उपलब्ध नहीं होतीं? इसलिए कि ऐसे विषयों के बारे में संबद्ध विभाग और मंत्रालय से जुड़े हुए संस्थानों और फंडिंग एजेंसीज की टेक्निकल और साइंटिफिक एडवाइजरी कमेटियों या एक देश की संसद की स्थायी समिति में चर्चा होती है और इनकी रिपोर्टिंग कम ही होती है। उपर्युक्त स्टडी में कहा गया है कि इसमें ब्रह्मांड में ग्रेविटेशनल वेव स्रोतों की बहुतायत का खुलासा है, जोकि एडवांस्ड लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल वेव ऑब्ज़र्वेटरी लीगो और एडवांस्ड विर्गो डिटेक्टरों से किया गया तीसरी बार का कोलैबोरेशन सर्वेक्षण हैं। लीगो-विर्गो द्वारा किए गए सर्वेक्षण की तीसरी पारी के अंत तक खोजे गए ट्रांजिएंट ग्रेविटेशनल वेव सिग्नलों का ही यह रिकॉर्ड है, जोकि तीसरी पारी के दूसरे भाग में दर्ज किए गए सिग्नलों को शामिल करके पिछले सर्वेक्षण का नवीकरण करता है। नवीकरण अध्ययन में 1 नवंबर 2019 से 27 मार्च 2020 तक की अवधि में तीसरी पारी के दौरान का डेटा शामिल है।

ग्रेविटेशनल वेव्स एक एस्ट्रोनॉमिकल टूल है, जिसे इंस्ट्रूमेंट्स डिटेक्टर्स से पकड़ कर ब्रह्मांडीय रचनाओं की स्थिति, इनमें हुए परिवर्तन और व्यवहार पर नजर रखी जाती है और अवलोकन करते हुए डाटा दर्ज किया जाता है। यह भी कि इन व्यवहार परिवर्तनों और ग्रेविटेशनल वेव्स से पृथ्वी और सौर मंडल कैसे प्रभावित होता है। पृथ्वी पर जीवन की रक्षा के उपाय इन्हीं अवलोकनों की व्याख्या से मालूम होते हैं, जिसके लिए व्यापक डाटा का सुपर कंप्यूटर से एनालिसिस किया जाता है। इससे हमें मालूम होता रहता है कि सुदूर ब्रह्मांड से आने वाली ग्रेविटेशनल लहरों की शक्ति से पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर पर क्या प्रभाव पड़ा है। अस्तित्व हेतु इसमें आने वाले सूक्ष्म परिवर्तन पृथ्वी के मौसम की विशाल मशीनरी को प्रभावित करते हैं, जिस पर जीवन टिका हुआ है।

लीगो वेधशालाओं की स्थापना

लीगो से पहले ब्रह्मांड के बारे में हमारे पास जो भी, जैसा भी डाटा था वह प्रकाश और इलेक्ट्रो मैग्नेटिक तरंगों को ऑप्टिकल एवं रेडियो टेलेस्कोप्स के प्रयोग से रिकॉर्ड किया जाता था। लीगो ऑब्जर्वेटरीज की स्थापना के बाद से एक अतिरिक्त और बेहतर टूल खगोल भौतिकिविदों को हासिल हुआ है। लीगो वेधशालाओं की स्थापना होने के बाद सन् 2002 में इन्होंनें काम करना शुरू किया था। सन् 2015 में लीगो को उन्नत किया गया तभी बहुत सा नया डाटा मिला। ग्रेविटेशनल वेव्स की मौजूदगी की अवधारणा सबसे पहले अल्बर्ट आइंस्टीन ने स्पेशल थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी में प्रकट की थी। क्या ग्रेविटेशनल वेव्स वास्तव में उपस्थित हैं, यह मालूम करने के लिए सन् 1960 में अमेरिकी और सोवियत युग के वैज्ञानिकों ने चिंतन करते हुए इन्हें पकड़ने के लिए सैद्धांतिक कार्य शुरू किया और कहा कि ये मौजूद हैं और इनके दर्ज करना भी संभव है, बशर्ते विशिष्ट प्रकार के इंस्ट्रूमेंट्स का निर्माण कर लिया जाए।

इंटरफेरोमीटर का निर्माण

प्रोटोटाइप इंटरफेरोमेट्रिक ग्रेविटेशनल वेव डिटेक्टर इंटरफेरोमीटर, 1960 के दशक के आखिर में रॉबर्ट एल फॉरवर्ड और ह्यूजेस रिसर्च लेबोरेटरीज में उनके साथियों ने बनाए थे, जिनमें शीशे, फ्री स्विंगिंग के बजाय, वाइब्रेशन आइसोलेटेड प्लेट पर लगे थे। सन् 1970 के दशक में मैसाच्यूसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एमआईटी, कैलिफोर्निया, यूएस में वीस ने, जो इंस्ट्रूमेंट बना उसमें फ्री स्विंगिंग शीशे थे, जिनके बीच लाइट कई बार टकराती थी। बाद में जर्मनी में हेंज बिलिंग और उनके साथियों ने और फिर ग्लासगो, स्कॉटलैंड में रोनाल्ड ड्रेवर, जेम्स हॉफ और उनके साथियों ने भी अपने तरीके से ग्रेविटेशनल वेव्स को दर्ज करने के लिए यंत्र प्रणालियों का निर्माण किया था। काम जारी रहा और सन् 1980 में, यूएस नेशनल साइंस फाउंडेशन ने एमआईटी के पॉल लिंसय, पीटर सॉल्सन, रेनर वीस के नेतृत्व में एक बड़े इंटरफेरोमीटर के निर्माण और अध्ययन करने के लिए फंड दिया। फिर कैलिफोर्निया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कैलटेक के रोनाल्ड ड्रेवर और स्टैन व्हिटकॉम्बने 40 मीटर का एक प्रोटोटाइप बनाया, लेकिन दूसरी ओर एमआईटी ने पर्याप्त सेंसिटिविटी के साथ 1 किलोमीटर स्केल पर इंटरफेरोमीटर बनाने की संभावना साबित की, जिसमें बहुत से डिश-टाइप ऐंटेना जमीन पर लगाकर इन्हें आपस में जोड़ा जाना शामिल था।

रिसर्च और डेवलपमेंट

(एमआईटी) और कैलटेक के वैज्ञानिकों ने जब गुरुत्वाकर्षण तरंगों की खोज के महत्व को समझा, तब उन्होंने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए साझेदारी की। ड्रेवर, किप थॉर्न और रोनाल्ड वीस के नेतृत्व में एक स्टीयरिंग कमेटी गठित की गई, जिसने 1986 तक परियोजना की दिशा तय की। बाद में अमेरिकी सरकार ने संरचना में बदलाव करते हुए कैलटेक के रोचस ई. वाउट को निदेशक नियुक्त किया। 1988 में प्रारंभिक चरण पूरा होने के बाद अनुसंधान एवं विकास के विस्तार हेतु नए प्रस्ताव को स्वीकृति मिली, किंतु 1989 से 1994 के बीच परियोजना तकनीकी और संगठनात्मक चुनौतियों से जूझती रही। नियमित फंडिंग के प्रस्ताव बार-बार अस्वीकृत होते रहे। अंततः 1991 में अमेरिकी कांग्रेस ने पहले वर्ष के लिए 23 मिलियन डॉलर की राशि स्वीकृत की। 1992 में परियोजना का पुनर्गठन किया गया और इसे एक उन्नत "इवोल्यूशनरी डिटेक्टर" के रूप में विकसित करने की योजना बनी, जो गुरुत्वाकर्षण तरंगों का सूक्ष्मतम स्तर पर पता लगा सके। 1994 में नेशनल साइंस फाउंडेशन ने 395 मिलियन डॉलर की ऐतिहासिक फंडिंग दी, जो उस समय की सबसे बड़ी वैज्ञानिक सहायता थी। उसी वर्ष वाशिंगटन के हैनफोर्ड और 1995 में लुइसियाना के लिविंगस्टन में निर्माण कार्य शुरू हुआ। 1997 तक निर्माण पूरा होने की दिशा में बढ़ते हुए दो संस्थाएं स्थापित की गईं—लीगो लेबोरेटरी और लीगो साइंटिफिक कोलैबोरेशन—जिनका उद्देश्य तकनीकी और वैज्ञानिक शोध को सुव्यवस्थित करना था।

भारत ने भी लीगो-इंडिया परियोजना के माध्यम से इस वैश्विक प्रयास में भागीदारी की। इसका लक्ष्य अमेरिका और इटली की प्रयोगशालाओं के सहयोग से भारत में एक अत्याधुनिक गुरुत्वाकर्षण तरंग वेधशाला स्थापित करना है। फरवरी 2016 में इसे सैद्धांतिक मंजूरी मिली और महाराष्ट्र में उपयुक्त स्थल का चयन हुआ। अप्रैल 2023 में भारत सरकार ने 2,600 करोड़ रुपये के बजट को स्वीकृति दी। परियोजना के 2030 तक पूर्ण होने की उम्मीद है। लीगो-इंडिया में चार किलोमीटर लंबे दो वैक्यूम चैंबर होंगे, जो अत्यधिक संवेदनशील उपकरणों से सुसज्जित रहेंगे। यह वेधशाला वैश्विक नेटवर्क का अहम हिस्सा बनेगी और गुरुत्वाकर्षण तरंग खगोल विज्ञान में भारत की भूमिका को सशक्त करेगी। वैज्ञानिकों को विश्वास है कि गुरुत्व लहरों का अध्ययन ब्रह्मांड में पदार्थ की उत्पत्ति और विकास संबंधी हमारी समझ को नई दिशा देगा।

वाइल्ड लाइफ

साइगा मृग : अनोखे रूप वाला जीव

साइगा मृग, सामान्य मृग और चींटीखोर का अनोखा मिश्रण है। यह दुर्लभ प्रजाति मुख्यतः मध्य एशिया और दक्षिण-पूर्वी यूरोप के विस्तृत घास के मैदानों में पाई जाती है। साइगा मृग प्रायः 30 से 40 सदस्यों के झुंड में रहते हैं और तेज गति से लंबी दूरी तय करने के लिए जाने जाते हैं। दुर्भाग्यवश, अनियंत्रित शिकार और अवैध व्यापार के कारण इनकी आबादी पिछले कई दशकों से लगातार घटती जा रही है। स्थानीय समुदायों द्वारा इनके मांस का उपयोग भोजन के रूप में किया जाता है, जबकि नर साइगा के सींगों का इस्तेमाल पारंपरिक चीनी औषधि में होने के कारण इनका शिकार और भी बढ़ गया है। यही कारण है कि आज साइगा मृग दुनिया के सबसे संकटग्रस्त स्तनधारियों में गिने जाते हैं। साइगा मृग के शरीर पर दालचीनी रंग के घने और मुलायम बाल होते हैं, जो मौसम के अनुसार बदलते रहते हैं। इसकी सबसे विशिष्ट पहचान इसकी बड़ी, लचीली और नीचे की ओर झुकी हुई नाक है, जो पूरे चेहरे को ढकती हुई प्रतीत होती है। यह नाक केवल दिखावे के लिए नहीं, बल्कि एक अत्यंत उपयोगी जैविक संरचना है। गर्मियों में यह हवा में उड़ने वाली धूल और रेत को फेफड़ों में जाने से रोकती है, जबकि कठोर सर्दियों में अत्यधिक ठंडी हवा को फेफड़ों तक पहुंचने से पहले गर्म कर देती है। शिकार का सबसे गहरा असर इनके लैंगिक अनुपात पर पड़ा है। चूंकि केवल नर साइगा मृग के ही सींग होते हैं, इसलिए शिकारी मुख्य रूप से नर को ही निशाना बनाते हैं। परिणामस्वरूप, कई क्षेत्रों में मादा साइगा की संख्या असामान्य रूप से अधिक हो गई है, जिससे प्रजनन चक्र और पूरी आबादी का संतुलन बिगड़ रहा है। साइगा मृग न केवल जैव विविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि घास के मैदानों के पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इनका संरक्षण वास्तव में पूरे स्टेपी पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण से जुड़ा हुआ है।

वैज्ञानिक फैक्ट

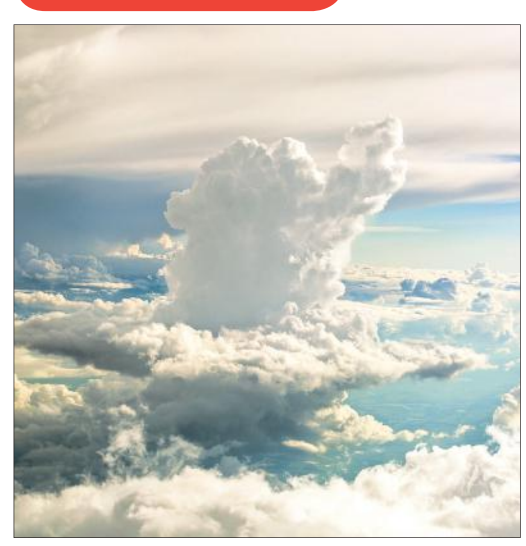

भारहीन नहीं, फिर भी तैरते हैं बादल

बचपन में अक्सर हम यह सोचते हैं कि बादल रूई की तरह हल्के होते होंगे, इतने हल्के कि उन पर चला भी जा सके, लेकिन विज्ञान इस कल्पना को पूरी तरह बदल देता है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक संस्था United States Geological Survey (USGS) के अनुसार, एक औसत क्यूमुलस बादल का वजन लगभग दस लाख पाउंड तक हो सकता है। यह वजन माल और यात्रियों से भरे एक विशाल बोइंग 747 विमान से भी अधिक है। सवाल यह है कि यदि बादल इतने भारी हैं, तो वे आकाश में तैरते कैसे रहते हैं? इस रहस्य की कुंजी है, घनत्व (Density)। किसी वस्तु का तैरना केवल उसके वजन पर निर्भर नहीं करता, बल्कि इस बात पर निर्भर करता है कि वह जिस माध्यम में है, उसके मुकाबले उसका घनत्व कितना है। बादल दरअसल हवा में तैरती अरबों सूक्ष्म जल-बूंदों और बर्फ के कणों से बने होते हैं। ये कण मिलकर भारी जरूर हो जाते हैं, लेकिन जिस हवा में वे मौजूद होते हैं, उसके मुकाबले उनका औसत घनत्व कम होता है।

बादलों के बनने की प्रक्रिया भी इसे समझने में मदद करती है। जब धरती की सतह से गर्म, नम हवा ऊपर उठती है, तो वह फैलती है और ठंडी होने लगती है। ठंडा होने पर उसमें मौजूद जलवाष्प संघनित होकर छोटी-छोटी बूंदों का रूप ले लेती है, यही बादल हैं। यह नम हवा आसपास की शुष्क हवा की तुलना में हल्की होती है, इसलिए ऊपर उठी रहती है। यही कारण है कि बादल आकाश में स्थिर या धीरे-धीरे बहते दिखाई देते हैं। इसके अलावा, हवा में लगातार चलने वाली ऊर्ध्वाधर धाराएं (Updrafts) भी बादलों को थामे रखती हैं। ये ऊपर की ओर उठती हवाएं जल-बूंदों को गिरने नहीं देतीं। जब बूंदें बहुत बड़ी और भारी हो जाती हैं, तब गुरुत्वाकर्षण हावी हो जाता है और वे वर्षा के रूप में धरती पर गिरती हैं। इस तरह, बादल न तो जादू से तैरते हैं और न ही वास्तव में भारहीन होते हैं। वे घनत्व, तापमान, नमी और वायु-गतिकी के संतुलन का सुंदर उदाहरण हैं। विज्ञान हमें सिखाता है कि जो दिखने में हल्का और सरल लगता है, उसके पीछे अक्सर अत्यंत गहरी और रोचक प्रक्रियाएं काम कर रही होती हैं।

दृष्टि से बुद्धि तक चश्मे का नया युग

कभी आंखें सिर्फ दृश्य पकड़ती थीं, अब वे डेटा, कमांड और सूचना की परतें पढ़ने लगी हैं। Smart Glasses इस बदलाव की मिसाल हैं। यह सिर्फ चश्मे नहीं, आंखों के सामने रखे मिनी-कंप्यूटर हैं- कैमरा, माइक, स्पीकर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लैस, लेकिन यह कहानी केवल आज की नहीं है, इसकी शुरुआत उस दौर से हुई थी, जब इंसान ने पहली बार दुनिया को साफ देखने का सपना देखा। तेरहवीं सदी के इटली में जब शिल्पकारों ने दो छोटे लेंसों को धातु के घेरे में जड़ा, तब वह करुणा और विज्ञान का संगम था। इंसान अब किताब को बिना धुंध के पढ़ सकता था, स्पष्ट देख सकता था। यह केवल दृष्टि का आविष्कार नहीं था, बल्कि सभ्यता का आत्मविस्तार था। धीरे-धीरे वही साधारण यंत्र पहचान और फैशन का प्रतीक बना। बीसवीं सदी में प्लास्टिक लेंस, हल्के फ्रेम और पोलराइज्ड तकनीक ने इसे हर वर्ग का साथी बना दिया। फिर तकनीक ने इस 'दृष्टि' में 'बुद्धि' जोड़नी शुरू की।

स्टाइल, सुविधा और स्मार्टनेस का संगम- 2013 में गूगल ने Google Glass पेश किया। दुनिया का पहला बड़ा wearable computer, जो आंखों के जरिए सूचना दिखाता था। यह प्रयोग अपने समय से आगे था, लेकिन समाज तैयार नहीं था। निजता, सुरक्षा और असहजता के प्रश्नों ने इसे रोक दिया। यह असफलता नहीं, चेतावनी थी कि तकनीक जितनी मनुष्य के करीब आती है, उतनी ही जिम्मेदारी भी मांगती है। इसके बाद 2016 में Snapchat Spectacles आए। लक्ष्य था, जीवन के पलों को बिना हाथों के रिकॉर्ड करना। तकनीक हल्की थी, पर सोच अब भी कैमरे के इर्द-गिर्द घूम रही थी। कुछ वर्ष बाद Amazon Echo Frames (2019-2020) ने बिना स्क्रीन के केवल आवाज से संवाद की क्षमता दी। Alexa की आवाज सीधे कान तक पहुंचने लगी। अब Meta ने Ray-Ban के साथ मिलकर इन सब प्रयोगों को परिपक्व रूप दिया है। ऐसा उपकरण जो स्टाइल, सुविधा और स्मार्टनेस तीनों को साथ लेकर चलता है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

नवाचार की प्रयोगशाला बन सकता है भारत- अब इस दौड़ में भारत भी उतर चुका है। Lenskart ने फरवरी 2025 में Phonic Smart Glass लॉन्च किया। बेसिक ऑडियो सुविधाओं के साथ। अब मीडिया रिपोर्टों की मानें तो मार्च 2026 में वह B by Lenskart नाम से अपने एआई-संचालित ग्लास उतारने की तैयारी में है, जिसमें Gemini 2.5 AI, रीयल-टाइम अनुवाद, UPI भुगतान और स्वास्थ्य मॉनिटरिंग जैसी सुविधाएं होंगी। यह कदम भारत को केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि तकनीक निर्माता की भूमिका में रखता है। कुछ समय पहले ही Meta ने भारत में Ray-Ban Meta Smart Glasses लॉन्च किए, जो Meta AI Integration और real-time translation जैसी क्षमताओं से लैस हैं। भारत, जो पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े wearable markets में से एक है, अब इस नवाचार की प्रयोगशाला भी बन सकता है।

कानून को भी होना होगा चौकन्ना

तकनीक की गंभीरता जुलाई 2025 में Meta के उस कदम से भी समझी जा सकती है, जब उसने Essilor Luxottica में 3.5 बिलियन रुपये की लागत से 3 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। सितंबर 2025 में कंपनी ने Ray-Ban Display Glasses की घोषणा की, जिनमें AR Display और Neural Wristband जैसी अत्याधुनिक तकनीकें हैं। यह स्मार्ट ग्लास विकास की एक निर्णायक छलांग है। यह तेजी जितनी रोमांचक है, उतनी ही सावधानी भी मांगती है। सबसे बड़ी चुनौती है, निजता की रक्षा। जब हर चश्मे में कैमरा और माइक्रोफोन होंगे, तब यह तय करना कठिन होगा कि कौन-सा पल सार्वजनिक है और कौन-सा निजी। यूरोप और अमेरिका में इस पर पहले ही कानूनी बहस शुरू हो चुकी है। भारत में भी डेटा संरक्षण कानून को अब इन नए उपकरणों तक विस्तार देना होगा। तकनीक जब आंखों पर चढ़ती है, तो कानून को भी उतना ही चौकन्ना होना पड़ता है।

दृष्टिहीनों के लिए बन सकता आंख

दूसरा प्रश्न सामाजिक व्यवहार का है। स्मार्टफोन ने हमें 'देखते हुए अनुपस्थित' बना दिया, लोग साथ होते हुए भी स्क्रीन में गुम रहते हैं। अब जब सूचना की परत आंखों के सामने ही होगी, तो हमारी नजर में कितनी मानवीयता बचेगी? क्या हम दृश्य देखेंगे या उसका विश्लेषण? क्या हम सामने वाले व्यक्ति को देखेंगे या उसके बारे में डेटा? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि मानवीय भी है। फिर भी, इस तकनीक के लाभ गहरे और वास्तविक हैं। दृष्टिहीनों के लिए यह उपकरण आंख बन सकता है, जो सामने के दृश्य को आवाज में बदल दे। डॉक्टर सर्जरी के दौरान रीयल-टाइम डेटा देख सकेंगे, इंजीनियर और पायलट अपने सामने निर्देश पा सकेंगे, शिक्षक प्रयोगशाला में छात्रों को वर्चुअल डेमो दिखा सकेंगे। यह परिवर्तन सुविधा का नहीं, कार्य-संस्कृति का विकास है।

बाजार इस भविष्य को पहचान चुका है। रिपोर्ट्स के अनुसार 2024 में Smart Glasses Market लगभग $1.9 बिलियन का था और 2030 तक इसके चार गुना होने का अनुमान है। Essilor Luxottica ने 2025 की तीसरी तिमाही में वियरेबल्स में "exponential growth" दर्ज की है। Meta-Ray-Ban ने अपने पहले ही वर्ष में 10 लाख से अधिक यूनिट्स बेचे हैं। Xiaomi और Bose जैसी कंपनियां भी इस क्षेत्र में निवेश बढ़ा रही हैं। यह केवल प्रयोग नहीं, बल्कि नया उपभोक्ता-अर्थशास्त्र बन चुका है। भारत के लिए यह दोहरी भूमिका का समय है, निर्माण और नियमन दोनों में अग्रणी बनने का। यदि देश Made-in-India Smart Glasses को वैश्विक मंच पर उतारता है और साथ ही नागरिकों की निजता के लिए स्पष्ट नियम बनाता है, तो यह न केवल प्रौद्योगिकी, बल्कि नीति-निर्माण में भी नेतृत्व का उदाहरण होगा। अंत में, वही पुराना मगर जरूरी प्रश्न, क्या इंसान इस सुविधा के साथ अपनी संवेदना भी बचा पाएगा? बिजली ने रोशनी दी, पर नींद छीनी, इंटरनेट ने संवाद बढ़ाया, पर मौन कम कर दिया। अब स्मार्ट ग्लासेस हमारे सामने वही परीक्षा रख रहे हैं। वे हमें देखने में मदद करेंगे, पर यह हम पर है कि हम क्या देखना चाहते हैं। दृश्य या उसकी व्याख्या। भविष्य अब सचमुच आंखों के सामने है। तकनीक ने दृष्टि को बुद्धि में बदला है, पर बुद्धि तभी सार्थक है, जब उसमें विवेक जुड़ा हो। स्मार्ट ग्लासेस केवल अगली तकनीकी छलांग नहीं, बल्कि मानव दृष्टिकोण का विस्तार हैं। यह उस यात्रा का नया अध्याय है, जो तेरहवीं सदी के कांच से शुरू होकर इक्कीसवीं सदी की कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक पहुंची है। चश्मे स्मार्ट हो गए हैं, अब जरूरत है कि देखने वाले भी उतने ही समझदार हों।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	82,498.14	25,454.35
गिरावट	1,236.11	365
प्रतिशत में	1.48	1.41

सोना 1,58,650 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,64,000 प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, शुक्रवार, 20 फरवरी 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1880, फ़ॉर्चून कि. 2390, रविन्द्रा 2490, फॉर्चुन 13 किग्रा 2110, जय जवान 2080, सचिन 2090, सूरज 2080, अवसर 1940, उजाला 2060, गृहणी 13 किग्रा 1945, क्लासिक (किग्रा) 2280, मोर 2275, चक्र टिन 2330, ब्लू 2185, आशीर्वाद मस्टर्ड 2380, स्वास्तिक 2520
किराना : महाराष्ट्र हल्दी 17300, जीरा 28000, लाल मिर्च 19000-21000, धनिया 11000-12000, अजवाईन 14000-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 10000-20000, सोंठ 37000, **प्रति किलो :** लौंग 850-1000, बादाम 800-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 350-400, मखाना 950-1100
चावल प्रति कुंटल : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा,5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8500, गौरी प्रीमियम 10200, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200
दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450, मलका दाल 7350-9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100-11800, अरहर कोरी छोटी 13100
चीनी : पीलीभीत 4430, बहेड़ी 4270

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती 3400, मसूरी 1200, बासमती 8000-9400, परमल 2000-4200
दाल दलहन : काला चना 2100-3000, साबुत चना दाल 1000, मूंग साबुत 5200, राजमा 9000-12400, दाल उड़द 7000, साबुत मसूर दाल 3400, मसूर दाल 1200,उड़द साबुत 10200, काबुली चना 7000-10200, अरहर दाल 10200-12000, लोबिया/करमानी 2000-4200

चंद देशों या धनाढ्यों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता एआई का भविष्य

गुटेरेस ने कहा- एआई का लाभ सभी को न मिला तो और ज्यादा बढ़ेगी असमानता

नई दिल्ली, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि एआई पर सबका अधिकार होना चाहिए और इसका भविष्य कुछ गिनती के देशों या अरबपतियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि एआई का लाभ सभी को मिलना चाहिए, ऐसे में यह सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में सहायक हो सकता है। ऐसा न हुआ तो यह असमानता को और बढ़ा सकता है।

गुटेरेस ने इंडिया एआई समिट 2026 के चौथे दिन विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों, प्रौद्योगिकी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों, विशेषज्ञों और शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि कहा, एआई का भविष्य कुछ गिने-चुने देशों द्वारा तय नहीं किया जा सकता, न ही इसे कुछ अरबपतियों की इच्छाओं पर छोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि एआई एक तरफ चिकित्सा में महत्वपूर्ण प्रगति को तेज कर सकता है, शिक्षा के अवसरों का विस्तार कर सकता है, खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ कर सकता है, जलवायु कार्रवाई और आपदा तैयारी को मजबूत कर सकता है और आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच में सुधार कर सकता है। लेकिन यह असमानता को गहरा भी कर सकता है, पक्षपात को बढ़ा सकता है और नुकसान को बढ़ावा दे सकता है।

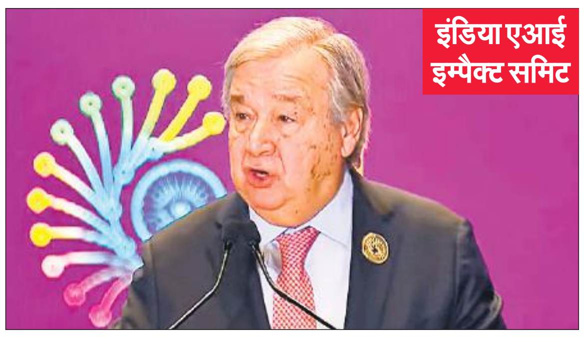

इंडिया एआई समिट को संबोधित करते संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस।

एआई पर वैश्विक कोष की स्थापना पर जोर

गुटेरेस ने एआई पर एक वैश्विक कोष की स्थापना का आह्वान किया ताकि विकासशील देशों में बुनियादी क्षमता का निर्माण किया जा सके, साथ ही वहां कौशल, डाटा, किफायती कंप्यूटिंग शक्ति और समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया जा सके। इस कोष में तीन अरब डॉलर जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, जो एक अकेली प्रौद्योगिकी कंपनी के वार्षिक राजस्व के एक प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने कहा कि निवेश के बिना कई देश एआई युग से बाहर रह जाएंगे।

एआई का लाभ समाज के बड़े तबके तक न पहुंचा तो होगा प्रतिरोध : नीलेकणि

नई दिल्ली। दिग्गज आईटी कंपनी इन्फोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणि ने चेतावनी दी कि एआई के लाभ समाज के व्यापक वर्ग तक न पहुंचा तो इसके खिलाफ प्रतिरोध पैदा हो सकता है, जो इस प्रौद्योगिकी की प्रगति को प्रभावित कर सकता है। नीलेकणि ने समिट में कहा कि फिलहाल एआई के विकास में रेस टू द टॉप (बेहतर प्रौद्योगिकी की होड़) और रेस टू द बॉटम (नकारात्मक उपयोग में तेजी) दोनों तरह की स्थितियां हैं जिनमें दूसरा पहलू ज्यादा तेजी से आगे बढ़ रहा है। नीलेकणि ने कहा, मेरा मानना है कि हम सभी, जो एआई को मानवता के लिए उपयोगी बनाना चाहते हैं, उन्हें इसके प्रसार को सुनिश्चित करने के लिए अपने प्रयास बढ़ाने होंगे और उन्हें दोगुना करना होगा। ऐसा नहीं होने पर इसके नतीजे बहुत मुश्किल हो सकते हैं।

एआई में तेजी से प्रगति करने वाला युग लाने की क्षमता : सुंदर पिचाई

नई दिल्ली। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने बृहस्पतिवार को एआई को तीव्र प्रगति के युग की शुरुआत करने वाली प्रौद्योगिकी करार दिया जिसमें नई वैज्ञानिक खोजों को संभव बनाने एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं को विकास के पारंपरिक चरणों को पार करने में मदद करने की क्षमता है। उन्होंने इसके साथ यह भी कहा कि उन्हें एआई जितना किसी भी प्रौद्योगिकी ने बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित नहीं किया।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट को संबोधित करते हुए गूगल एवं अल्फाबेट के सीईओ ने एआई के लिए एक महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत की और सरकारों, कंपनियों एवं संस्थानों से इस प्रौद्योगिकी को साहसपूर्वक एवं जिम्मेदारी से आगे बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, यह हमारे जीवनकाल का सबसे बड़ा वैश्विक बदलाव है। हम तीव्र प्रगति और नई खोजों के मुहाने पर हैं जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं की पुरानी कमियों को दूर करने में मदद कर सकती हैं। हालांकि यह परिणाम न तो निश्चित है और न ही स्वचालित। ऐसी एआई बनाने के लिए जो वास्तव में सभी के लिए उपयोगी हो, हमें प्रयास करना होगा, जिम्मेदारी से काम लेना होगा और इस निर्णायक क्षण में मिलकर काम करना होगा।

एपस्टीन विवाद : बिल गेट्स एआई समिट से नदारद, नहीं हुआ भाषण

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के सहसंस्थापक बिल गेट्स ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में अपना पूर्व निर्धारित मुख्य भाषण नहीं दिया। उनके फाउंडेशन ने कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया, लेकिन यह निर्णय तब आया है जब यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधित दस्तावेजों में गेट्स का नाम आने के बाद आयोजक असमंजस में पड़ गए थे। सरकारी सूत्रों ने 17 फरवरी को दावा किया था कि एपस्टीन प्रकरण के खुलासे से पहले गेट्स को दिया गया निमंत्रण वापस ले लिया गया है, लेकिन उसी दिन गेट्स फाउंडेशन के प्रवक्ता ने इसका खंडन करते हुए कहा था कि वह समिट में भाग ले रहे हैं। बृहस्पतिवार को गेट्स फाउंडेशन ने स्पष्ट किया कि वह समिट में नहीं बोलेंगे ताकि उसके मुख्य उद्देश्य से ध्यान न भटके। गेट्स पर एपस्टीन के किसी भी पीड़ित ने गलत काम करने का आरोप नहीं लगाया है, लेकिन अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से जारी रिकॉर्ड में एपस्टीन का आरोप शामिल है कि बिल गेट्स को यौन संचारित रोग हुआ था।

बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का ब्लॉकचेन फॉर इम्पैक्ट से समझौता

मेडटेक नवाचार की दिशा में बड़ा कदम, आईआईटी दिल्ली में साइन हुआ एमओयू

- ब्लॉकचेन ने नवाचार के लिए 50 लाख रुपये की सहायता भी प्रदान की

नई दिल्ली/बरेली। बरेली को स्वास्थ्य नवाचार का केंद्र बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (बीआईयू) के बरेली मेडटेक इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर ने प्रतिष्ठित संस्था ब्लॉकचेन फॉर इम्पैक्ट (बीएफआई) के साथ आईआईटी दिल्ली में आयोजित एक समारोह में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

कार्यक्रम में ब्लॉकचेन के संस्थापक संदीप नेलवाल एवं सीईओ डॉ. गौरव सिंह ने औपचारिक रूप से यह एमओयू बरेली मेडटेक इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर और रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. अर्जुन अग्रवाल को सौंपा। ब्लॉकचेन ने इस सहयोग के तहत मेडिकल टेक्नोलॉजी और स्वास्थ्य नवाचारों के लिए 50 लाख रुपये की अनुदान सहायता प्रदान करने की भी घोषणा की। डॉ. अर्जुन ने बीआईयू और मेडटेक इनक्यूबेशन सेंटर के विजन पर विश्वास जताने के लिए ब्लॉकचेन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह सहयोग केवल आर्थिक सहायता नहीं है बल्कि एक ऐसी शुरुआत है, जिससे बरेली से विकसित होने वाले स्वास्थ्य नवाचार प्रभावी, सुलभ और किफायती बनेंगे।

ब्लॉकचेन के संस्थापक संदीप नेलवाल और सीईओ डॉ. गौरव सिंह ने बीआईयू के बरेली मेडटेक इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर के निदेशक डॉ. अर्जुन अग्रवाल को एमओयू सौंपा।

नई तकनीकों के विकास के लिए बरेली को स्वास्थ्य नवाचार का केंद्र बनाने का लक्ष्य: डॉ. अर्जुन

डॉ. अर्जुन ने अपने संबोधन में कहा, पिछले 20 वर्षों से बीआईयू रोहिलखंड क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही है। अब हमारा लक्ष्य बरेली को स्वास्थ्य नवाचार का एक प्रमुख केंद्र बनाना है, जहां से नई तकनीकों का विकास होकर समाज के लिए उपयोगी समाधान उपलब्ध कराए जा सकें। उन्होंने कहा, इस सहयोग के माध्यम से बरेली मेडटेक इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर युवा डॉक्टरों, इंजीनियरों, शोधकर्ताओं और स्टार्टअप्स को मार्गदर्शन, संसाधन और वित्तीय सहयोग प्रदान करेगा। यह समझौता न सिर्फ बीआईयू बल्कि पूरे रोहिलखंड क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।

ईयू को भारत के कृषि उत्पाद और वाहन निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि

नई दिल्ली। भारत के कृषि उत्पाद और मोटर वाहनों का निर्यात यूरोपीय बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ा रहा है और अप्रैल-दिसंबर, 2025 के दौरान इसमें अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है।

वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों के दौरान वैश्विक वाहन निर्यात में भारत के 19.3 अरब डॉलर में से, यूरोपीय संघ (ईयू) का हिस्सा अप्रैल-दिसंबर, 2024 के 9.8 प्रतिशत से बढ़कर 11.6 प्रतिशत हो गया। यूरोपीय संघ को निर्यात अप्रैल-दिसंबर, 2024 के 1.6 अरब डॉलर से बढ़कर अप्रैल-दिसंबर, 2025 में 2.2 अरब डॉलर हो गया। भारत ने हाल ही में यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की है।

चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में इस क्षेत्र से दुनिया को भारत का निर्यात भी 16.8 अरब डॉलर से बढ़कर 19.3 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह, ईयू को भारत के मछली, कॉफी, चाय, मसाले, अनाज, गोंद और रेजिन के निर्यात में भी इस दौरान अच्छी वृद्धि दर दर्ज की गई है। अनाज निर्यात अप्रैल-दिसंबर, 2024 के 18.1 करोड़ डॉलर से बढ़कर अप्रैल-दिसंबर, 2025 में 33.9 करोड़ डॉलर हो गया है।

गुजरात का कर्ज 3.99 लाख करोड़ रुपये हुआ

गांधीनगर। गुजरात का कुल सार्वजनिक ऋण 2024-25 में बढ़कर 3,99,633 करोड़ रुपये हो गया है। राज्य विधानसभा को बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई। वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने बजट सत्र के प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक शैलेश परमार के एक लिखित प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी। परमार ने राज्य के कुल कर्ज और मूलधन व ब्याज भुगतान की वर्षवार जानकारी मांगी थी। सदन में पेश लिखित उत्तर में बताया गया कि वित्त वर्ष 2023-24 में गुजरात का कुल सार्वजनिक ऋण 3,52,718 करोड़ रुपये था।

सीएए विरोधी याचिकाओं पर 5 मई से सुनवाई

छह साल से लंबित याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई के बारे में शीर्ष कोर्ट ने जारी किए प्रक्रियात्मक निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह संशोधित नागरिकता अधिनियम, 2019 (सीएए) की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली आईयूएमएल की प्रमुख याचिका सहित 200 से अधिक याचिकाओं पर पांच मई से अंतिम सुनवाई शुरू करेगा। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने 2019-2020 से लंबित याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई के संबंध में प्रक्रियात्मक निर्देश जारी किए।

पीठ ने कहा कि वह याचिकाकर्ता जिनमें इंडियन यूनियन ऑफ मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के प्रमुख भी शामिल हैं, उनकी दलीलों पर वह डेढ़ दिन तक सुनवाई करेगी और केंद्र को अपनी दलीलें पेश करने के लिए एक दिन का समय दिया जाएगा। सीजेआई ने कहा कि पीठ 12 मई को याचिकाओं पर सुनवाई पूरी कर लेगी। पीठ ने पक्षों को चार सप्ताह के भीतर अतिरिक्त दस्तावेज और दलीलें दाखिल करने को कहा। पीठ ने कहा कि वह पहले पूरे भारत में सीएए के लागू होने से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई करेगी और उसके बाद असम तथा त्रिपुरा से संबंधित याचिकाओं पर विचार करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, असम की समस्या देश के बाकी हिस्सों से अलग है क्योंकि नागरिकता के लिए पहले की निर्धारक तिथि 24 मार्च 1971 थी, जिसे सीएए के तहत 31 दिसंबर 2014 तक बढ़ा दिया गया था। इन मामलों को पिछली बार 19 मार्च 2024 को एक पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया गया था, जब उसने केंद्र से उन अंतरिम आवेदनों पर जवाब देने को कहा था जिनमें सुप्रीम कोर्ट द्वारा कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं का निपटारा होने तक नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 के कार्यान्वयन पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था। शीर्ष अदालत ने हालांकि उन नियमों के अमल पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया, जिनके जरिए सीएए को लागू किया जाना है।

केंद्र ने मार्च 2024 में जारी की थी अधिसूचना

केंद्र सरकार ने 11 मार्च, 2024 को संबंधित नियमों की अधिसूचना जारी कर संशोधित नागरिकता अधिनियम, 2019 के कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त किया। यह अधिसूचना संसद में विवादास्पद कानून पारित किए जाने के चार साल बाद जारी की गई, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए उन गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने की प्रक्रिया को तेज करना था जो 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आए थे।

- सीएए की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए 200 से अधिक याचिकाएं दायर की गई हैं। याचिका दायर करने वालों में आईयूएमएल, कांग्रेस नेता जयराम रमेश, राजद नेता मनोज झा, तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा और एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी शामिल हैं।

घूसखोर पंडत शीर्षक वापस, याचिका निपटी

नई दिल्ली। फिल्म निर्माता नीरज पांडे की ओर से 'घूसखोर पंडत' शीर्षक और उससे जुड़ी सभी प्रचार सामग्री वापस लिए जाने की जानकारी दिए जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को फिल्म के खिलाफ दायर याचिका का निपटारा कर दिया। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने पांडे के हलफनामे को रिकॉर्ड पर लेने के बाद याचिका का निपटारा किया और उम्मीद जताई कि यह विवाद पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। 'ब्राह्मण समाज ऑफ इंडिया' के राष्ट्रीय संगठन सचिव अतुल मिश्रा ने याचिका दायर कर फिल्म की रिलीज पर रोक लगाए जाने का अनुरोध किया गया था।

एमके स्टालिन के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता एमके स्टालिन के खिलाफ दाखिल ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के नेता सैदाई एस. दुरईसामी की चुनाव याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया। याचिका में स्टालिन पर 2011 के विधानसभा चुनावों में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। मद्रास हाईकोर्ट द्वारा 2017 में इस याचिका को खारिज किए जाने के बाद दुरईसामी ने शीर्ष अदालत का रुख किया। दुरईसामी 2011 के विधानसभा चुनाव में कोलाथुर सीट पर स्टालिन से 2,739 वोटों से हार गए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि मतदाताओं को निर्धारित सीमा से अधिक धन वितरित किया गया था, साथ ही पूरक मतगणना भी कराई गई थी।

असम में एसआईआर कराने के लिए दाखिल याचिका पर सुनवाई से इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने असम में एसआईआर कराने का निर्वाचन आयोग को निर्देश देने के अनुरोध वाली जनहित याचिका पर बृहस्पतिवार को सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। सीजेआई सूर्यकांत,न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने निर्वाचन आयोग की इस दलील पर संज्ञान लिया कि असम में अंतिम मतदाता सूची पहले ही तैयार हो चुकी है और याचिका निष्प्रभावी हो गई है। मृणाल कुमार चौधरी की ओर से दायर याचिका में निर्वाचन आयोग के उस निर्णय को चुनौती दी गई थी जिसमें अन्य राज्यों में कराए गए अपेक्षाकृत अधिक कठोर एसआईआर के बजाय असम में मानक विशेष पुनरीक्षण कराने का निर्णय लिया गया था। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता विजय हंसारिया ने कहा कि राज्य को मतदाता सूची की शुचिता को बनाए रखने के लिए एसआईआर की आवश्यकता है। निर्वाचन आयोग का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता डीएस नायडू ने सूचित किया कि असम के लिए अंतिम मतदाता सूची 10 फरवरी को प्रकाशित हो चुकी है। इस पर सीजेआई ने टिप्पणी की,अब कुछ भी नहीं बचा है।

बिहार: विधानसभा अध्यक्ष समेत 45 विधायकों के निर्वाचन को चुनौती

पटना, एजेंसी

- पराजित उम्मीदवारों ने हाईकोर्ट में दायर कीं याचिकाएं, विधायकों को जारी किए गए नोटिस

बिहार विधानसभा के अध्यक्ष प्रेम कुमार समेत 45 सदस्यों के विधानसभा चुनाव 2025 में हुए निर्वाचन को पटना हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। पराजित प्रत्याशियों की ओर से दायर इन चुनाव याचिकाओं पर इन विधायकों को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है।

निर्वाचन आयोग का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता सिद्धार्थ प्रसाद ने बताया कि चुनाव याचिकाओं पर प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। प्रसाद ने कहा, टाउन सीट से प्रेम कुमार के निर्वाचन को चुनौती देते हुए याचिका दायर की गई है। हालांकि, उनके मामले में अभी नोटिस जारी नहीं हुआ है। भाजपा के आठवीं बार विधायक बने प्रेम कुमार के निर्वाचन को कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने वाले अखौरी ओंकार नाथ ने चुनौती दी है। वह 26 हजार से अधिक मतों से पराजित हुए थे। प्रसाद ने बताया कि अधिकतर चुनाव याचिकाएं विजयी उम्मीदवारों द्वारा दाखिल हलफनामों में कथित विसंगतियों या जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन के आरोपों के आधार पर दायर की गई हैं।

जिन प्रमुख नेताओं के निर्वाचन को चुनौती दी गई है उनमें जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव और युवा विधायक चेतन आनंद तथा भाजपा के पूर्व मंत्री जीवेश मिश्रा शामिल हैं। राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी राजद के एक विधायक के निर्वाचन को भी चुनौती देने वाली याचिका दायर की गई है। यह याचिका गोह सीट से 4,041 मतों के मामूली अंतर से विजयी रहे अमरेंद्र कुमार के निर्वाचन के खिलाफ दायर की गई है।

वोट चोरी, मतदाताओं को प्रलोभन देने के आरोप

मुख्य रूप से चुनावी हलफनामों में विसंगतियों और चुनाव नियमों के उल्लंघन का आरोप हैं। पराजित उम्मीदवारों का कहना है कि कई विधायकों ने नामांकन के समय अपनी संपत्ति, आपराधिक इतिहास और शैक्षणिक योग्यता के बारे में अधूरी या भ्रामक जानकारी दी। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों का भी उल्लंघन किया गया। इसके अलावा वोट चोरी, मतदान प्रक्रिया में गड़बड़ी और महिला सशक्तीकरण के नाम पर मतदाताओं को प्रलोभन देने के आरोप भी लगाए गए हैं।

अमेरिका से व्यापार समझौते के खिलाफ पूरे देश में अभियान शुरू करने की तैयारी में कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के पार्टी नेताओं के साथ बैठक कर भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते और उसके किसानों पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव के खिलाफ एक अभियान शुरू करने के प्रयासों पर चर्चा करेंगे।

- पार्टी नेतृत्व की पांच राज्यों और जम्मू-कश्मीर के नेताओं के साथ आज होगी बैठक

सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और बिहार के नेताओं के साथ बैठक कर अभियान की रूपरेखा को अंतिम रूप देगा। इस सप्ताह की शुरुआत में, भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर सरकार पर हमला तेज करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कई सवाल किए थे और आरोप लगाया था कि देश के किसानों के साथ विश्वासघात किया गया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री ने अमेरिका के सामने समर्पण कर दिया है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा को झटका, बागी विधायक बिष्णु प्रसाद टीएमसी में शामिल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा को झटका लगा है। उसके बागी विधायक बिष्णु प्रसाद शर्मा बृहस्पतिवार को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। शर्मा राज्य की कुर्सियांग विधानसभा सीट से विधायक हैं।

तृणमूल कांग्रेस मुख्यालय में शिक्षा मंत्री ब्रात्या बसु और उद्योग मंत्री शशि पांजा ने उनका स्वागत किया। शर्मा ने कहा कि वह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विकास मॉडल के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा, मुझे मेरे गोरखा भाइयों और बहनों ने चुना था, लेकिन मैं उनके लिए काम नहीं कर पाया। भाजपा ने वादे तो किए लेकिन कुछ नहीं किया। जमीनी स्तर पर कोई ठोस काम नहीं हुआ। शर्मा ने अलग गोरखालैंड राज्य की मांग का यह कहते हुए समर्थन किया था कि दार्जिलिंग पहाड़ियों पर अधिक ध्यान देने और विकास की आवश्यकता है। उन्होंने यह दावा करते हुए भाजपा के प्रति कई बार असंतोष व्यक्त किया था कि क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा करने के आश्वासन के बावजूद पार्टी जमीनी स्तर पर वादा निभाने में विफल रही।

बेंगलुरु में बुजुर्ग महिला की हत्या कर गहने लूटे

बेंगलुरु। बेंगलुरु के बाहरी इलाके में एक घर में 69 वर्षीय महिला की हत्या कर दी गई और उसके सोने के गहने लूट लिए गए। घटना के दौरान महिला का लकवाग्रस्त पति मौजूद था। पुलिस ने बताया कि यह घटना नेलमंगला के पीट स्ट्रीट में हुई, जहां शोभा लकवाग्रस्त और बिस्तर पर पड़े अपने पति के साथ रहती थी। पुलिस के अनुसार, पिछले दस साल से वह अपने पति की देखभाल कर रही थी। दंपति की कोई संतान नहीं है।

भाजपा केवल खुले में बीफ की बिक्री के खिलाफ: भट्टाचार्य

- पश्चिम बंगाल के पार्टी अध्यक्ष ने कहा- लोग अपनी पसंद का भोजन करने के लिए स्वतंत्र

कोलकाता। बिहार में राजग सरकार के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस के खुले में मांस-मछली की बिक्री पर प्रतिबंध संबंधी आरोपों को लेकर जारी राजनीतिक तकरार के बीच भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा है कि राज्य के लोग अपनी पसंद का भोजन करने के लिए स्वतंत्र हैं और पार्टी केवल खुले में बीफ की बिक्री के खिलाफ है।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने बिहार सरकार के खुले में मांस की बिक्री को विनियमित करने संबंधी हालिया आदेश का उल्लेख करते हुए इसे मांसाहार के खिलाफ भाजपा समर्थित कदम बताया। भट्टाचार्य ने पड़ोसी राज्य बिहार में खुलेआम मछली और मांस की बिक्री पर प्रस्तावित प्रतिबंध लगाने संबंधी तृणमूल कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए कहा, बंगाल के लोग जो चाहेंगे, वही खाएंगे। बंगाल में मछली और मांस मिलता रहेगा। बिहार के निर्देश पर विस्तार से बात करते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा ने इस तरह के किसी भी व्यापक प्रतिबंध का प्रस्ताव नहीं रखा था। उन्होंने कहा, वे कभी ऐसी बात कह ही नहीं सकते। कोई इसे स्वीकार नहीं करेगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा का रुख केवल बीफ की खुलेआम बिक्री का विरोध करने तक ही सीमित है। बिहार में मछली और मांस की बिक्री पर कथित प्रतिबंध के मुद्दे पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने मंगलवार को छोटे व्यापारियों की आजीविका संबंधी चिंताओं की ओर ध्यान दिलाया था। उन्होंने कहा था, मुझे बिहार के उपमुख्यमंत्री के इस कथन से संबंधित एक रिपोर्ट मिली है कि मछली और मांस खुले बाजार में नहीं बेचे जा सकते। यह जनविरोधी और निंदनीय है। क्या हर कोई शॉपिंग मॉल में मांस और मछली बेच सकता है। सड़क किनारे मछली और मांस बेचने वाले ज्यादातर विक्रेताओं का क्या होगा।

नाइजीरिया की खदान में जहरीली गैस के रिसाव से 37 लोगों की मौत

- अचेत हुए 26 अन्य को सरकारी अस्पताल में कराया गया भर्ती

अबुजा, एजेंसी

उत्तर-मध्य नाइजीरिया में एक खदान में जहरीली गैस के रिसाव से 37 लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस प्रवक्ता अल्फ्रेड अलाबो ने कहा कि घटना मंगलवार तड़के पठार राज्य के वासे क्षेत्र में स्थित कम्पानी जुरक समुदाय में हुई।

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि खनिक लेड ऑक्साइड तथा सल्फर एवं कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी अन्य संबंधित गैसों के अचानक रिसाव के कारण प्रभावित हुए थे, जो मनुष्यों के लिए विषाक्त और जहरीली होती हैं, खासकर एक बंद या खराब हवादार वातावरण में इन गैसों का असर खतरनाक होता है।

अलाबो ने बताया, शवों को धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार अंतिम संस्कार के लिए उनके परिवारों को सौंप दिया गया है। सरकार ने खनन स्थल को बंद कर दिया है और रिसाव की जांच जारी है। नाइजीरिया के ठोस खनिज विकास मंत्री डेले अलाके ने एक बयान में कहा कि खनिक खनन के दौरान जहरीली गैस के उत्सर्जन से अनजान थे।

कराची में विस्फोट से 16 लोगों की मौत

कराची। पाकिस्तान के कराची में गुरुवार को सुबह एक आवासीय इमारत में गैस रिसाव के कारण हुए विस्फोट में महिलाओं और बच्चों सहित 16 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारी जमशेद अशर ने कहा कि विस्फोट तड़के साढ़े चार बजे इमारत की पहली मंजिल पर हुआ। इमारत ओल्ड सोल्जर बाजार इलाके में है। पाकिस्तान में आज रमजान महीने का पहला दिन है। विस्फोट का कारण संभवत: गैस का रिसाव था।

सफलता संग असफलता भी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

आज हम जिस युग में जी रहे हैं वहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक तकनीकी शब्द नहीं, बल्कि आधुनिक सभ्यता का नया आधार स्तंभ बन चुका है। दशकों तक एआई केवल साइंस-फिक्शन फिल्मों और अकादमिक शोध का हिस्सा था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से जेनरेटिव एआई के आने के बाद, इसने हमारे जीवन के हर पहलू को स्पर्श किया है। एआई की यात्रा मानवीय मेधा और मशीनी गति के मिलन की कहानी है। यह एक ऐसी शक्ति है जो डेटा के अथाह समंदर से अर्थपूर्ण जानकारी निकाल सकती है, जो जटिल गणितीय समस्याओं को सेकंडों में हल कर सकती है और जो मानवीय रचनात्मकता को नई परिभाषा दे रही है। लेकिन, क्या एआई हर जगह सफल है? इस प्रश्न का उत्तर 'हां' और 'ना' के बीच एक सूक्ष्म रेखा पर टिका हुआ है।

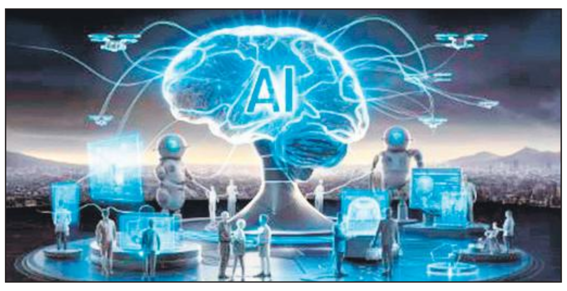

जहां एआई ने बाजी मारी

- स्वास्थ्य सेवा : एआई अब डॉक्टरों से बेहतर सटीकता के साथ एक्स-रे, एमआरआई और सीटी स्कैन का विश्लेषण कर रहा है।
- वित्तीय क्षेत्र : धोखाधड़ी का पता लगाने में एआई अद्वितीय है। यह लाखों लेनदेन को पलक झपकते स्कैन कर संदिग्ध गतिविधियों को रोकता है।
- लॉजिस्टिक्स और ई-कॉमर्स : अमेज़न या नेटफ्लिक्स के रिकमेंडेशन इंजन एआई से आपकी पसंद का पूर्वानुमान लगाकर लाभ को कई गुना बढ़ा रहे हैं।
- अनुवाद और भाषा : गूगल ट्रांसलेट और डीप एल जैसे टूल्स ने भाषाई बाधाओं को लगभग खत्म कर दिया है।

अभी हैं कई चुनौतियां

- डेटा की गुणवत्ता : एआई उतना ही अच्छा है जितना उसे दिया गया डेटा। यदि डेटा गलत है, तो एआई का परिणाम घातक हो सकता है।
- ऊर्जा की खपत : बड़े एआई मॉडल्स को प्रशिक्षित करने में अत्यधिक बिजली खर्च होती है, मशीनों को ठंडा करने में पानी भी अधिक लगता है, जो पर्यावरण के लिए एक चुनौती है।
- डिजिटल विभाजन : एआई संपन्न और विपन्न देशों के बीच की खाई को बढ़ा सकता है।
- डीपफेक और दुष्प्रचार : एआई का उपयोग गलत सूचनाएं फैलाने और सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने के लिए किया जा रहा है।
- कौशल की कमी : बाजार में एआई विशेषज्ञों की भारी कमी है।
- लागत : छोटे व्यवसायों के लिए उच्च-स्तरीय एआई इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना महंगा है।

जहां एआई अभी भी मशीन

- नैतिक निर्णय : युद्ध की स्थिति या कानूनी न्याय प्रणाली में एआई पक्षपाती (बायस्ड) हो सकता है क्योंकि वह उपलब्ध पुराने डेटा से सीखता है जिसमें मानवीय पूर्वाग्रह शामिल होते हैं।
- क्रिएटिविटी बनाम ओरिजनलिटी : एआई चित्र बना सकता है, कविता लिख सकता है, लेकिन वह मौजूदा डेटा का पुनर्संयोजन होता है। उसमें वह 'आत्मा' या 'नया विचार' नहीं होता जो मानवीय अनुभव से उपजता है।
- सामान्य ज्ञान : एक बच्चा जानता है कि अगर कांच का गिलास गिरेगा तो टूट जाएगा, लेकिन एआई को इस भौतिक सत्य को समझने के लिए हजारों डेटा पॉइंट्स चाहिए।

वर्ल्ड ब्रीफ

करतारपुर गुरुद्वारा के जीर्णोद्धार में तेजी

इस्लामाबाद। करतारपुर गुरुद्वारे के आधिकारिक शासी निकाय ने सिख धार्मिक स्थल के जीर्णोद्धार में तेजी लाने का फैसला किया है। करतारपुर गुरुद्वारा पिछले साल बाढ़ से प्रभावित हुआ था। गुरुद्वारा दरबार साहिब करतारपुर की शासी परिषद की आठवीं बैठक बुधवार को धार्मिक मामलों के मंत्रालय में सचिव साजिद चौहान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। परिषद ने हाल ही में आई बाढ़ के कारण आवश्यक मरम्मत और पुनर्वास कार्यों की समीक्षा की और बाढ़ को भारत की जल आक्रामकता से जोड़ते हुए कहा कि इससे कॉरिडोर परियोजना के कुछ हिस्से प्रभावित हुए हैं।

भारतीय मूल महिला को दो हफ्ते की जेल

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल की एक महिला को कथित रूप से किराये के विवाद में टैक्सी चालक को थप्पड़ मारने के मामले में गुरुवार को दो सप्ताह के कारावास की सजा सुनाई गई। शालिनी देवराजन ने 24 सिंगापुर डॉलर (करीब 19 अमेरिकी डॉलर) का किराया देने से यह कहते हुए इनकार कर दिया था कि उसके पास नकद नहीं है। उसने चालक द्वारा सुझाए गए डिजिटल भुगतान विकल्प भी अस्वीकार कर दिए। 36 वर्षीय महिला ने चालक को पुलिस थाने ले जाने की चुनौती दी, जिसे 73 वर्षीय चालक ने स्वीकार कर लिया। थाने में ही महिला ने चालक को थप्पड़ मार दिया।

दक्षिण अफ्रीका में बस हादसे में चार की मौत

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के लिम्पोपो प्रांत में गुरुवार को हुई एक बस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई और 31 लोग घायल हो गए। प्रांतीय परिवहन मंत्री वायलेट मैथी के अनुसार, बस दक्षिण अफ्रीका के गौतेंग प्रांत से जिम्बाब्वे जा रही थी, तभी जिम्बाब्वे की सीमा के पास एन1 राजमार्ग पर वह अनियंत्रित हो कर एक खाई में जा गिरी। मैथी ने बताया, अभी तक हमें चार लोगों की मौत की पुष्टि होने की खबर मिली है, जबकि कुछ अन्य लोगों को अस्पताल ले जाया गया है।

किम ने तैनात किए 50 नए रॉकेट लॉन्चर

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी पार्टी के एक अहम सम्मेलन से पहले अपनी सैन्य क्षमता को दर्शाने तथा प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया पर दबाव बनाने के इरादे से कम दूरी की मिसाइल क्षमता वाले 50 नए रॉकेट लॉन्चर तैनात किए हैं। किम की बहन ने एक अलग बयान में कहा कि उत्तर कोरिया शत्रु देश के खिलाफ अपनी सीमा सुरक्षा को मजबूत कर रहा है।

अमेरिका से समझौता करने में ही है ईरान की भलाई : व्हाइट हाउस

प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन ने कहा-राष्ट्रपति ट्रंप के कूटनीतिक विकल्प का इस्तेमाल करे ईरान

- उपराष्ट्रपति वेंस ने भी की थी वार्ता टूटने पर सैन्य विकल्प की बात

वाशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का किसी भी देश के साथ समझौता करने के लिए पहला विकल्प कूटनीति होता है, इसलिए ईरान को अमेरिका के साथ नए समझौते पर बातचीत करना चाहिए। यह बात व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने गुरुवार को कही। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ट्रंप हमेशा बहुत स्पष्ट रहे हैं। ईरान या दुनिया के किसी भी देश के मामले में कूटनीति हमेशा उनका पहला विकल्प होता है और ईरान के लिए राष्ट्रपति ट्रंप और अमेरिकी प्रशासन के साथ समझौता करना बहुत समझदारी भरा कदम होगा।

लेविट ने यह टिप्पणी ऐसे में की है, जब जब जिनेवा में अमेरिका-ईरान के बीच अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता फिर से शुरू हुई है, जिसमें अमेरिका के दूत स्टीव विटकॉफ और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ओमानी मिल रहे हैं। हालांकि दोनों पक्षों ने कुछ उन्नति की बात कही है, लेकिन अधिकारियों ने कहा है कि अभी भी काफी कमियां हैं और फारस की खाड़ी में अमेरिकी सेना की समानांतर बढ़ोतरी बातचीत के बड़े दांव को दर्शाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप की ओर से 2025 की शुरुआत में अपनाई गई अधिकतम दबाव की नीति ने ईरान की अर्थव्यवस्था पर दबाव डाला है, जिससे अमेरिका के अधिकारी कूटनीति सफलता के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर पैदा कर रहे हैं। लेविट का यह बयान अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के हालिया टिप्पणियों के अनुरूप है, जिन्होंने एक न्यूज़ चैनल को बताया था कि अगर बातचीत विफल हो जाती है तो सैन्य कार्रवाई लेने का विकल्प भी उसके पास है।

ईरानी अफसरों, कारोबारियों पर वीजा प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने गुरुवार को नए वीजा प्रतिबंधों की घोषणा की, जिसमें उन ईरानी अधिकारियों और नेताओं को निशाना बनाया गया है जिन पर देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के दौरान ईरानी लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने का आरोप है। यह कार्रवाई दिसंबर 2025 और जनवरी 2026 में व्यापक विरोध प्रदर्शनों पर ईरानी शासन की हिंसक कार्रवाई के जवाब में की गई है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरानी अधिकारियों ने हजारों शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग किया। इमिग्रेशन एंड नेशनलिटी एक्ट की धारा 212 के तहत लगाए गए वीजा प्रतिबंध आदेश पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हस्ताक्षर किए।

ट्रंप की शर्तें नहीं मानीं तो हमला संभव

वॉशिंगटन। ईरान परमाणु वार्ताओं में अगर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मांगों को लगातार खारिज करता रहा तो अमेरिका उसके खिलाफ जल्द ही सैन्य अभियान शुरू कर सकता है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस को अवगत कराया गया है कि पश्चिमी एशिया में हाल के दिनों में वायु और नौसैनिक संसाधनों की बड़ी तैनाती के बाद अमेरिकी सेना सप्ताहांत तक संभावित हमले के लिए तैयार हो सकती है। एक सूत्र ने यह भी बताया कि ट्रंप निजी तौर पर सैन्य कार्रवाई के पक्ष और विपक्ष दोनों में तर्क दे चुके हैं तथा सर्वोत्तम विकल्प पर सलाहकारों और सहयोगियों से राय ले रहे हैं।

सबरीमाला सोना चोरी मामले में तंत्री को मिली जमानत

कोल्लम। चर्चित सबरीमला स्वर्ण गबन मामले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत कोल्लम स्थित सतर्कता न्यायालय ने सबरीमला भगवान अयप्पा मंदिर के तंत्री कंदरारु राजीवरु को जमानत दे दी है। अदालत के इस फैसले को मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, जिसने उनकी रिहाई का कड़ा विरोध करते हुए निरंतर हिरासत की मांग की थी। राजीवरु को मंदिर के द्वार चौखटों और द्वारपालक प्रतिमाओं पर किए गए स्वर्ण मढ़ाई कार्य में कथित अनियमितताओं और स्वर्ण के दुरुपयोग के मामले में आरोपी बनाया गया था। एसआईटी का आरोप है कि इस कार्य के निष्पादन के दौरान गंभीर अनियमितताएं हुईं और इसमें मंदिर से जुड़े कुछ पदाधिकारियों तथा ठेकेदारों की मिलीभगत थी। अदालत ने जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष के उन तर्कों पर विचार किया, जिनमें तंत्री को सीधे तौर पर वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं से जोड़ने का प्रयास किया गया था। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा कोई ठोस साक्ष्य सामने नहीं आया है, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि स्वर्ण गबन में तंत्री की भूमिका थी।

भारत की रक्षा प्रौद्योगिकी का लाभ लें आसियान देश

विशाखापत्तनम में नौसेना के अभ्यास कार्यक्रम मिलान के उद्घाटन के दौरान उपस्थित रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी व अन्य।

- नौसेना के अभ्यास कार्यक्रम मिलन में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ

विशाखापत्तनम, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आसियान देशों को भारत की हिन्द प्रशांत रणनीति का केंद्र बताते हुए साझा सुरक्षा को क्षेत्रीय समृद्धि की आधारशिला करार दिया है। उन्होंने आसियान साझेदारों का आह्वान किया कि वे आत्मनिर्भरता के प्रयासों से परिपक्व हुए भारत के रक्षा प्रौद्योगिकी तंत्र का लाभ उठाने के लिए आगे आएं।

सिंह ने गुरुवार को यहां नौसेना के मिलन अभ्यास 2026 नौसैनिक अभ्यास के अवसर पर आसियान के नौ सदस्य देशों के मेहमान नौसेना प्रमुखों और नौसैनिक प्रतिनिधिमंडलों के साथ विचार-विमर्श किया। इस बैठक ने भारत की एक्ट ईस्ट नीति तथा क्षेत्रों के पार सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र उन्नति (महासागर) की परिकल्पना के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। रक्षा मंत्री ने मिलन 2026 में आसियान नौसेनाओं की भागीदारी का स्वागत किया।

भारत की भूमिका को सराहा गया

भारत-आसियान अनौपचारिक बैठक की भावनाओं को दोहराते हुए आसियान प्रतिनिधियों ने क्षेत्र में प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता के रूप में भारत की भूमिका की सराहना की। रक्षा मंत्री ने संयुक्त गतिविधियों के विस्तार का प्रस्ताव रखते हुए आसियान-भारत रक्षा विचार मंच संवाद तथा युवा नौसैनिक अधिकारियों की सहभागिता से संबंधित पहलों पर बल दिया, ताकि समुद्री स्थिरता सुनिश्चित हो।

दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक को उम्रकैद

सियोल। दक्षिण कोरिया की अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल को दिसंबर 2024 में मार्शल लॉ लागू करने का दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। न्यायाधीश जी कुई-यून ने कहा कि उन्होंने यून को नेशनल असेंबली (संसद) पर अवैध रूप से कब्जा करने के प्रयास के तहत सेना और पुलिस बल को जुटाने, नेताओं को गिरफ्तार करने और कुछ समय तक निरंकुश शासन स्थापित करने का दोषी करार दिया। नेशनल असेंबली में विपक्षी उदारवादी सांसदों का बहुमत है। यून के इस फैसले के खिलाफ अपील करने की संभावना है। एक विशेष अभियोजक ने यून के लिए मौत की सजा की मांग करते कहा कि उनके कार्यों ने लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा किया।

डीआरडीओ ने किया ड्रोग पैराशूट का सफल परीक्षण

- गगनयान मिशन में निभाएगा महत्वपूर्ण भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने अपने पहले मानव अंतरिक्ष मिशन की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए गगनयान कार्यक्रम के लिए ड्रोग पैराशूट का सफल भार परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि यह परीक्षण रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की टर्मिनल बैलिस्टिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला, चंडीगढ़ स्थित रेल ट्रैक रॉकेट स्लेज सुविधा में किया गया।

यह परीक्षण बुधवार को इसरो के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, एरियल डिलीवरी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, डीआरडीओ तथा टर्मिनल बैलिस्टिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला की टीमों के साथ किया गया। रेल ट्रैक रॉकेट स्लेज का यह गतिशील परीक्षण जिसमें वास्तविक उड़ान के अधिकतम भार से भी अधिक योग्यता स्तर भार का अनुकरण किया गया, पैराशूट के अतिरिक्त डिज़ाइन सुरक्षा मार्जिन को प्रदर्शित करता है। यह परीक्षण उच्च शक्ति रिबन पैराशूट के डिज़ाइन और निर्माण में भारत की विशेषज्ञता को सिद्ध करता है। यह उपलब्धि एक बार फिर टर्मिनल बैलिस्टिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला के उन्नत परीक्षण सुविधा तथा अंतरिक्ष कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करती है।

किरेन रीजीजू ने किया निगरानी ऐप का शुभारंभ

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने प्रधानमंत्री विकास योजना (पीएमजेवीके) के तहत निगरानी ऐप का शुभारंभ किया जो देश भर में बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करने में योगदान देता है। रीजीजू ने बिहार के राजगीर स्थित नालंदा विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर में पीएमजेवीके योजना के तहत निगरानी ऐप का शुभारंभ किया, जो भारत भर में बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करने में योगदान देता है। उन्होंने हज रिस्ट बैंड और एआई चैटबॉट का भी शुभारंभ किया। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय में चिंतन शिविर के आयोजन के लिए मंत्रालय की टीम की सराहना की।

इजराइल व भारत में रक्षा सहयोग को एक और करार

- प्रधानमंत्री मोदी की तेल अवीव की यात्रा से पूर्व हुए हस्ताक्षर

तेल अवीव, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इसी महीने के आखिर में होने वाली इजराइल यात्रा से पहले, भारत और इजराइल ने रक्षा संबंधों को प्रगाढ़ करने और भविष्य की संगोष्ठियों तथा सहकारी पहलों सहित चल रही संयुक्त गतिविधियों को मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इजराइल के रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय रक्षा सहयोग निदेशालय ने भारत और इजराइल के प्रमुख रक्षा उद्योगों के बीच बैठकों की सुविधा प्रदान की, जिसके परिणामस्वरूप समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। बताया गया कि एसआईबीएटी ने सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स और भारत के रक्षा मंत्रालय के सहयोग से इस सप्ताह अग्रणी भारतीय और इजराइली रक्षा कंपनियों के बीच एक संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता एसआईबीएटी के निदेशक, ब्रिगेडियर जनरल (रिटायर्ड) यायर कुलास ने किया। इसमें भारत के रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र और इसकी अद्यतन रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया 2026 - भारत की राष्ट्रीय रक्षा खरीद नीति की जानकारी देने के के लिए इजराइल और भारत की छोटी, मध्यम और बड़ी रक्षा कंपनियों को मंच प्रदान किया गया।

अनी समूह की 7 करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन मामले में अनी बुलियन ट्रेडर्स समूह की 7.30 करोड़ रुपये मूल्य की तीन अचल और एक चल संपत्ति कुर्क की। ईडी के लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय ने गुरुवार को बताया कि अचल संपत्तियों में अनी समूह की कंपनियों में से एक, यानी अनी बुलियन इंडस्ट्रीज की जमीन और इमारतें शामिल हैं, जो लखनऊ, दिल्ली और उत्तराखंड के उत्तरकाशी में हैं। चल संपत्ति एक फिक्स्ड डिपॉजिट के रूप में है। ईडी ने यूपी पुलिस द्वारा अजीत गुप्ता और कई अन्य व्यक्तियों एवं संस्थाओं के खिलाफ 110 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी और जालसाजी के लिए दर्ज की गई विभिन्न प्राथमिकियों और शिकायतों के आधार पर जांच शुरू की थी।

आज का भविष्यफल -पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 20 फरवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 14 .38 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

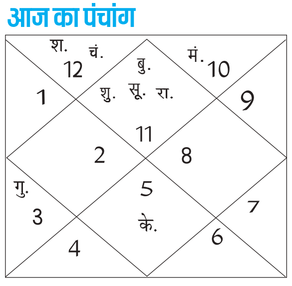

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तर भाद्रपद 20 .07 तक तत्पश्चात रेवती।

मेष — आज आपको अधिक परिश्रम करने से बचना चाहिए। मेहनत का उत्तम परिणाम प्राप्त नहीं होगा। विरोधी के साथ आपको उलझना पड़ सकता है। अनिर्णय की स्थिति उत्पन्न होगी। भाई-बहनों को कोई स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

वृष — आज कार्यक्षेत्र में आपका दबदबा बढ़ेगा। प्रियजनों से आपको उत्तम सलाह व उचित सहायता मिल सकती है। बच्चे माता-पिता की आशाओं पर खरे उतरेंगे। नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि हो सकती है। नई नौकरी ढूंढ रहे हैं, तो दिन अत्यधिक अनुकूल है।

मिथुन — आज व्यवसाय में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। वैवाहिक जीवन में प्रेम भावनाओं का आधिक्य रहेगा। किसी से अधिक अपेक्षा न करें, क्योंकि आप जैसा सोचेंगे वैसा नहीं होगा। केवल अपने काम पर ध्यान दें।

कर्क — आज यात्राओं के कारण स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। पुरानी गलतियों का भुगतान करना पड़ सकता है। उत्तेजनात्मक प्रतिक्रिया देने से बचें। धर्म के प्रति मन में शंका हो सकती है। संपत्ति विवाद गहरा सकते हैं।

सिंह — आज स्वास्थ्य समस्या है, तो तुरंत अपने डॉक्टर से मिलें। सिरदर्द और बुखार की समस्या हो सकती है। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। असभ्य भाषा बोलने से बचें। आडंबर युक्त व्यवहार के कारण लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं।

कन्या — आज व्यापार में बड़ी डील हो सकती है। नया काम भी प्रारंभ कर सकते हैं। परिवार में सुख-शांति रहेगी। आप जैसी अपेक्षा कर रहे थे, काम वैसे ही होंगे। अचानक बड़ा धन लाभ हो सकता है। शुभ समाचार मिलने से उत्साह में वृद्धि होगी।

तुला — आज अपनी गलतियों को सुधारने का प्रयास करें। विद्यार्थी अपने करियर को लेकर तनाव में आ सकते हैं। विवाहोत्सुक जातकों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में विदेशी क्लाइंट्स से आपको लाभ मिल सकता है।

वृश्चिक — आज आर्थिक कारणों से आपका मन विचलित रहेगा। अपने भाग्य को दोष देने के बजाय मजबूती से चुनौतियों का सामना करें। सफलता शीघ्र ही मिलेगी। आध्यात्मिक विषयों के प्रति आपकी जिज्ञासा आज बढ़ सकती है।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा। जीवनसाथी आपकी भावनाओं को समझ नहीं पा रहा है, लेकिन यदि कहीं आप इसके लिए जिम्मेदार हैं, तो इस मामले को शीघ्रता से सुलझा लें। वरना आप काफी अकेलापन महसूस करेंगे।

मकर — आज सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अधीनस्थ कर्मचारी विद्रोही रूख व्यक्त कर सकते हैं। व्यवसाय में आशा से बेहतर परिणाम मिलेंगे। विपरीत लिंग के जातकों के प्रति आकर्षण का भाव बढ़ेगा।

कुंभ — आज सुख-सुविधाओं पर अधिक धन खर्च कर सकते हैं। महिलाओं को थोड़ी स्वास्थ्य समस्या होने की संभावना है। मान-सम्मान में कमी आ सकती है। किसी आवश्यक कार्य के बाधित होने के कारण कुंठाग्रस्त हो सकते हैं।

मीन — आज व्यवसाय में नए अनुबंध हो सकते हैं, किंतु कार्य आरंभ नहीं हो पाएगा। आप अपनी जिम्मेदारियों को लेकर अत्यधिक संवेदनशील रहेंगे। मानसिक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। कमीशन वाले कार्यों से लाभ हो सकता है।

सुडोकू -67

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		6		8			1	
5			1		6		4	
9					7			2
		8	3					6
		2				9		
4			6		5	7		
			9		2			5
	7							3
	6			1		2		

सुडोकू - 66 का हल

5	6	1	9	8	3	7	2	4
4	2	8	6	5	7	3	1	9
9	7	3	4	1	2	5	6	8
1	9	5	3	2	8	6	4	7
3	4	2	7	9	6	8	5	1
6	8	7	5	4	1	9	3	2
2	1	9	8	3	5	4	7	6
7	3	4	2	6	9	1	8	5
8	5	6	1	7	4	2	9	3

टी-20 विश्व कप ग्रुप चरण में जिम्बाब्वे के प्रदर्शन को सभी ने सराहा है और उम्मीद है कि कठिन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ सुपर आठ चरण में वे उसी 'छिपे रुस्तम' वाली कहानी को दोहरा सकेंगे जिसे दुनिया में सभी पसंद करते हैं ।

-सिकंदर रजा, जिम्बाब्वे के कप्तान

स्टेडियम

हल्द्वानी, शुक्रवार, 20 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

आज के मैच

टीम	समय
ऑस्ट्रेलिया-ओमान	शाम 7 बजे

हाईलाइट

निराशाजनक प्रदर्शन की गहन समीक्षा करेगा ऑस्ट्रेलिया

मेलबर्न। पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया टी-20 विश्व कप में अपनी टीम के निराशाजनक प्रदर्शन की गहन समीक्षा करेगा। कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत और श्रीलंका में खेले जा रहे टी-20 विश्व कप के सुपर आठ जगह नहीं बना पाई। उसे जिम्बाब्वे और श्रीलंका से हार का सामना करना पड़ा। वह अपना आखिरी मैच शुक्रवार को ओमान के खिलाफ खेलेगा लेकिन इसका अब कोई महत्व नहीं रह गया है। जिम्बाब्वे और श्रीलंका सुपर आठ में पहुंच गए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया 2009 के बाद पहली बार ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाया है।

वैष्णवी आईटीएफ वुमैन्स ओपन के क्वार्टर फाइनल में

बेंगलुरु। भारत की वैष्णवी अदकर ने बृहस्पतिवार को यहां आठवीं वरीयता प्राप्त माई होनतामा को तीन सेट तक चले रोमांचक मुकाबले में हराकर आईटीएफ वुमैन्स ओपन डब्ल्यू100 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इक्कीस साल की वैष्णवी ने जापान की प्रतिद्वंद्वी को 2-6, 6-4, 7-6(8) से हराया और अब उनका सामना ऑस्ट्रेलिया की चौथी वरीय टेलाह प्रेस्टन से होगा। इससे पहले सहजा यमलापल्ली को ऑस्ट्रेलिया की शीर्ष वरीय तालिया गिब्सन से 0-6, 0-6 से हार का सामना करना पड़ा।

सिर्फ जीत हासिल करना मायने नहीं रखता : पारस म्हाम्ब्रे

मुंबई। पूर्व गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने भारत की टी20 विश्व कप में लगातार चार जीत का जिक्र करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह सिर्फ जीत हासिल करने की बात नहीं है बल्कि यह मायने रखता है कि टीम कैसे जीतती है क्योंकि इन मुकाबलों में चार अलग अलग खिलाड़ियों ने 'प्लेयर ऑफ द मैच' पुरस्कार हासिल किए जिससे टीम की गहराई और 'टीमवर्क' का पता चलता है। भारत ने लगातार चार जीत से ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया और सुपर आठ में जगह बनाई।

कप्तान बट पर प्रतिबंध के बाद पीएचएफ प्रमुख का इस्तीफा

कराची। पाकिस्तान हॉकी में चल रहा संकट बृहस्पतिवार को गहरा गया जब आस्ट्रेलिया दौरे की व्यवस्था में कुप्रबंधन के कारण खिलाड़ियों के सड़क पर रहने को लेकर पीएचएफ की आलोचना करने वाले कप्तान अम्माद शकील पर दो साल का प्रतिबंध लगाने के बाद महासंघ के अध्यक्ष तारिक बुगती ने पद से इस्तीफा दे दिया। बुगती ने कहा कि उन्होंने पीएचएफ के मुख्य संरक्षक प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को इस्तीफा भेज दिया है। उन्होंने कहा मैने प्रधानमंत्री को इस्तीफा भेज दिया है लेकिन उनसे और फील्ड मार्शल असीम मुनीर से आस्ट्रेलिया में प्रो लीग के दौरान हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने का आग्रह भी किया है।

जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को भी दी पटखनी

टी-20 विश्व कप : खूब गरजे कप्तान रजा और बेनेट के बल्ले, जीत की लगाई हैट्रिक

कोलंबो, एजेंसी

ब्रायन बेनेट के अर्धशतक और कप्तान सिकंदर रजा की 45 रन की पारियों के दम पर जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को बृहस्पतिवार को छह विकेट से हराकर अपराजेय रहते हुए ग्रुप की शीर्ष टीम के रूप में टी20 विश्व कप के सुपर आठ में प्रवेश किया। कठिन पिच पर जीत के लिये 179 रन के लक्ष्य के जवाब में जिम्बाब्वे ने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 182 रन बनाए।

बेनेट 48 गेंद में 63 और रजा 26 गेंद में 45 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों टीमें ग्रुप बी से सुपर आठ में पहुंच चुकी है और लीग चरण में आस्ट्रेलिया को हराने वाली जिम्बाब्वे के प्रदर्शन ने सभी को चौंका दिया है। जिम्बाब्वे ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 55 रन बना लिये थे । सलामी बल्लेबाज बेनेट और ताडी मारूमानी (26 गेंद में 34 रन) ने टीम को शानदार शुरुआत दी । दोनों ने पहले विकेट के लिये 8 . 3 ओवर में 69 रन बनाये । मारूमानी को दुनिथ वेलालागे ने रिटर्न कैच लेकर पवेलियन भेजा। रियान बर्ल ने 12 गेंद में 23 रन बनाये लेकिन दासुन शनाका की गेंद पर विकेट गंवा बैठे । इसके बाद रजा और बेनेट ने मोर्चा संभाला । रजा ने दिलशान मदुशंका को 15वें ओवर में लगातार दो छक्के लगाये । इसके अगले ओवर में स्पिनर महीष तीक्षणा को एक छक्का और एक चौका लगाया। रजा को 19वें ओवर में दुशान हेमंता ने आउट किया और दो गेंद बाद ताशिंगा मुसेकिवा भी पवेलियन लौट गए। आखिरी ओवर में जिम्बाब्वे को आठ रन चाहिये थे और टोनी मुनियोंगा ने तीक्षणा को छक्का लगाकर जिम्बाब्वे खेमे में खुशी का संचार कर दिया। इससे पहले धीमी पिच पर बीच के ओवरों में श्रीलंका के बल्लेबाजों को परेशानी आई और वे सात विकेट पर 178 रन ही बना सके।

पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरूआत अच्छी रही । सलामी बल्लेबाज कुसल परेरा (22) और पाथुम निसांका (62) ने 4 . 5 ओवर में 54 रन बनाए। बायें हाथ के बल्लेबाज परेरा सहज नहीं दिखे लेकिन तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को उन्होंने दो चौके लगाए। वह हालांकि मुजरबानी के बाउंसर पर पूल शॉट खेलने के प्रयास में शॉर्ट फाइन लेग पर ग्रीम क्रेमर को कैच दे बैठे। श्रीलंका के बल्लेबाजों ने पावरप्ले में एक विकेट पर 61 रन बना लिये थे लेकिन इसके बाद रनगति धीमी पड़ गई।

श्रीलंका पर जीत दर्ज करने के बाद पैवेलियन लौटते जिम्बाब्वे के टोनी मुनयोंगा (बाएं) और ब्रायन बेनेट। एजेंसी

अफगानिस्तान ने कनाडा को दिया 201 रनों का लक्ष्य

चेन्नई। इब्राहिम जदरान (नाबाद 95) और सेदिकुल्लाह अटल (44) विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर अफगानिस्तान ने गुरुवार को टी-20 विश्वकप के 39वें मुकाबले में कनाडा के खिलाफ 200 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। आज यहां कनाडा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान के लिए रहमानउल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जदरान की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 47 रन जोड़े। छठें ओवर में जसकरण सिंह ने रहमानउल्लाह गुरबाज 20 गेंदों में 30 रन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसी ओवर में जसकरण ने गुलबदीन नईब (एक) का भी शिकार कर लिया। सेदिकुल्लाह अटल ने इब्राहिम जदरान के साथ तीसरे विकेट लिए 95 रन जोड़कर बड़े स्कोर की नींव रखी। सेदिकुल्लाह ने 32 गेंदों में दो चौके और दो छक्कों की मदद से 44 रन बनाये। अजमतउल्लाह 13 रन बनाकर आउट हुए।

जीत का जश्न मनाते वेस्टइंडीज के खिलाड़ी। एजेंसी

होप और जोसेफ के कमाल से वेस्टइंडीज की आसान जीत

- इटली को 42 रनों से हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान बरकरार रखा

कोलकाता, एजेंसी

कप्तान शाई होप के आकर्षक अर्धशतक तथा तेज गेंदबाज शामार जोसेफ के चार विकेट और चार कैच की मदद से वेस्टइंडीज ने गुरुवार को यहां इटली को 42 रन से हराकर टी20 विश्व कप के ग्रुप सी में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज अनुकूल दिख रही पिच पर इटली के स्पिनरों के सामने खुलकर नहीं खेल पाए लेकिन उसने होप (46 गेंद पर 75 रन) के अर्धशतक की बदौलत छह विकेट पर 165 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया।

इसके जवाब में इटली की टीम 18 ओवर में 123 रन पर आउट हो गई। उसका कोई भी बल्लेबाज 30 रन की संख्या तक नहीं पहुंच पाया। वेस्टइंडीज की तरफ से जोसेफ ने 30 रन देकर चार विकेट लिए। उन्होंने चार कैच भी लपके और इस तरह से वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक मैच में चार विकेट और चार कैच लेने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वेस्टइंडीज ने इस तरह से अपना अजय अभियान जारी रखा और ग्रुप सी में शीर्ष पर रहते हुए सुपर आठ में जगह बनाई जहां उसका सामना भारत, दक्षिण अफ्रीका और जिंबॉब्वे से होगा। इटली ने चार मैच में एक जीत हासिल की। ग्रुप सी से सुपर-8 में दूसरी टीम इंग्लैंड पहुंची है।

अभिषेक शर्मा।

अभिषेक की शून्य की हैट्रिक, भारत की सबसे बड़ी चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने टी-20 विश्व कप में अपने चारों ग्रुप मैच जीत लिए हैं, लेकिन सुपर-8 में जाने से पहले ओपनर अभिषेक शर्मा का फॉर्म भारत की सबसे बड़ी चिंता होगी। भारत ने मौजूदा टी-20 वर्ल्ड कप के इतने ही मैचों में चार जीत हासिल की हैं और फिर भी, इस फॉर्मेट में नंबर 1 बैटर के बल्ले से एक भी रन की जरूरत नहीं पड़ी। लगातार तीन डक के बाद, अभिषेक ने यह पक्का कर दिया है कि कॉम्पिटिशन की सबसे खतरनाक बैटिंग लाइन-अप भी अपने सबसे अच्छे रूप में नहीं है। भारत के असिस्टेंट कोच, रयान टेन डेशकाटे ने फिलहाल इस छोटी सी चिंता को नजरअंदाज़ कर दिया है, कम से कम सबके सामने तो जरूर।

बुधवार को नीदरलैंड्स पर भारत की 17 रन की जीत के बाद टेन डेशकाटे ने कहा उसने कल रात नेट्स में बहुत अच्छी बैटिंग की, उसने 90 मिनट बैटिंग की। आपको उसे थोड़ी जगह भी देनी होगी। वह ग्रुप फेज में बहुत अच्छा महसूस नहीं कर रहा था, उसने कुछ दिन हॉस्पिटल में बिताए और (नामीबिया के खिलाफ) गेम मिस कर दिया। यह उसके लिए अब तक बहुत निराशाजनक टूर्नामेंट रहा है। लेकिन मैंने कल रात उसकी बॉल स्ट्राइकिंग में कुछ बहुत अच्छे संकेत देखे। इसलिए उसके बारे में कोई चिंता नहीं है, जब दूसरा फेज आएगा तो वह ठीक हो जाएगा। यह समझा जा सकता है कि अभिषेक का इस कॉम्पिटिशन में एक भी रन न बना पाना चिंता की बात क्यों नहीं है। पहली बात, वह डेढ़ साल के शानदार प्रदर्शन के दम पर टूर्नामेंट में आया है, जिसने उसे दुनिया की रैंकिंग लिस्ट में टॉप पर पहुंचाया है। दूसरी बात, उसके आउट होने का कोई खास पैटर्न नहीं है, जबकि अमेरिका और पाकिस्तान दोनों ने माना है कि उन्होंने बाएं हाथ के इस खिलाड़ी के आउट होने की प्लानिंग में काफी समय बिताया था। उन्होंने संजय कृष्णमूर्ति की गेंद पर डीप कवर में कैच दे डाला, सलमान आगा की गेंद पर मिड ऑन पर पुल करने में चूक गए, और आर्यन दत्त की गेंद पर पुल करने से चूक गए। असल में कोई पैटर्न नहीं है। यह देखते हुए कि बाकी बैट्समैन ने अलग-अलग मौकों पर अच्छा खेला है, अभिषेक की मुश्किलों ने अभी तक टीम को परेशान नहीं किया है, ठीक वैसे ही जैसे ज़्यादातर दिनों में होता है जब अभिषेक रन नहीं बना पाए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ ईशान किशन की धमाकेदार बल्लेबाजी ने यह पक्का कर दिया कि अभिषेक का जल्दी आउट होना चिंता की बात नहीं है। इससे पहले, इसी तरह के दुर्लभ शुरुआती आउट में, संजू सैमसन ने बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेंचुरी लगाई थीं, जब अभिषेक क्लिक नहीं कर पाए थे। टी20 में भारत का दबदबा ओपनर्स द्वारा शुरुआती कंट्रोल हासिल करने की वजह से आया है।

पारी के शुरू में 'एक्रॉस द लाइन' शॉट खेलने से बचें : गावस्कर

अहमदाबाद। दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि अभिषेक शर्मा मौजूदा टी-20 विश्व कप में उम्मीदों के दबाव से जूझ रहे हैं और वह चाहते हैं कि यह आक्रामक सलामी बल्लेबाज अपनी पारी की शुरुआत में 'एक्रॉस द लाइन' शॉट खेलने से बचे। अभिषेक ने टूर्नामेंट में अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उनमें वह खाता खोलने में नाकाम रहे हैं। अमेरिका, पाकिस्तान और नीदरलैंड के खिलाफ वह शुरू में ही आउट हो गए थे। गावस्कर ने स्टार स्पोर्टस से कहा अभिषेक शर्मा बहुत ही अच्छे इंसान हैं, लेकिन उन पर उम्मीदों का बोझ साफ दिख रहा है। अगर उन्होंने अमेरिका के खिलाफ अच्छी शुरुआत की होती तो बात कुछ और होती। अब बड़े छक्के लगाने वाला शीर्ष बल्लेबाज होने का दबाव उन पर साफ दिख रहा है। उन्होंने कहा अपनी बल्लेबाजी क्षमता को देखते हुए उन्हें क्रीज पर समय बिताना होगा। उन्हें अपनी पारी की पहली ही गेंद पर चौका या छक्का लगाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। अगर बड़े शॉट खेलने का मन करे तो ठीक है। लेकिन उन्हें 'एक्रॉस द लाइन' शॉट खेलने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। गावस्कर ने कहा कि इस 25 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज को अपनी पारी की शुरुआत में समझदारी से क्रिकेट खेलने की जरूरत है। उन्होंने कहा एक रन लो और अपना खाता खोलो। चार डॉट बॉल भी मायने नहीं रखतीं। वह बाद में उनकी भरपाई कर सकता है।

शिवम दुबे टी-20 विश्व कप में भारत का खामोश योद्धा

अहमदाबाद, एजेंसी

शिवम दुबे के शानदार खेल को देखकर उनकी जितनी चर्चा होनी चाहिए थी, उतनी नहीं होती, लेकिन यह भारतीय ऑलराउंडर खामोश योद्धा की तरह मौजूदा टी-20 विश्व कप में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए एक प्रमुख पावर-हिटर के रूप में अपनी साख बना रहा है। नामीबिया और पाकिस्तान के खिलाफ मुश्किल पिचों पर छोटी लेकिन महत्वपूर्ण पारियां खेलने के बाद दुबे ने बुधवार को नीदरलैंड के खिलाफ बीच के ओवरों में भारतीय पारी को जरूरी गति प्रदान की। दुबे ने शुरू में परिस्थितियों को परखा और अपनी पहली 11 गेंद पर छह रन बनाने के बाद तेजी दिखाई। उन्होंने 31 गेंद पर 66 रन बनाकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी इस पारी में छह छक्के शामिल हैं। अपने दूसरे टी-20 विश्व कप में खेल रहे दुबे स्पिनरों के खिलाफ अपनी सटीक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते थे, लेकिन अब उन्होंने तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी खुद को उतना ही प्रभावी साबित कर दिया है। तेज गेंदबाजों के खिलाफ उनके बेहतर प्रदर्शन का नमूना नीदरलैंड्स के खिलाफ देखने को मिला, जब उन्होंने लोगन वैन बीन की गेंदों की गति में होने वाले बदलावों को अच्छी तरह से समझा और उन्हें तीन छक्के जड़े। शॉर्ट बॉल के खिलाफ दुबे के खेल में कुछ सुधार आया है और इसका श्रेय वह आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में शामिल होने के बाद की गई कड़ी मेहनत को देते हैं। उनका दृढ़ विश्वास ऐसा है कि कुछ डॉट गेंदों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि वे जानते हैं कि बड़े शॉट आखिरकार लगेंगे ही। उन्होंने कहा यह बात हमेशा मेरे दिमाग में रहती है। यह जरूर है कि विकेट गिरने पर साझेदारी निभाना महत्वपूर्ण होता है इसलिए अगर दो-चार गेंद खाली भी चली जाती हैं तो बहुत फर्क नहीं पड़ता क्योंकि बाद में उसका हिसाब बराबर हो जाता है। दुबे ने अपनी सफलता का श्रेय दबाव वाली परिस्थितियों में खेलने के अधिक मौके मिलने को भी दिया। उन्होंने कहा मुझे उस तरह की परिस्थितियों में खेलने के मौके मिले हैं। इसलिए जब भी आपको खेलने का मौका मिलता है तो आप उससे कुछ न कुछ सीखते हैं। इसलिए मैंने अपना स्वाभाविक खेल खेला है और उस परिस्थिति में मैं थोड़ा समझदार हो गया हूं। इसलिए मैं जानता हूं कि गेंदबाज मुझे किस तरह की गेंद कर सकता है। दुबे का आत्मविश्वास चरम पर है।

> टी-20 में जब आप डॉट बॉल खेलते हैं, तो आप पर दबाव आता है। पर एक खिलाड़ी के रूप में, एक बल्लेबाज के रूप में मैं जानता हूं कि अगर मैं 10 गेंदों में दो रन बनाने के बावजूद यदि मैं अगली पांच गेंद में से दो गेंद पर छक्का लगा देता हूं तो हिसाब बराबर हो जाएगा।
>
> -शिवम दुबे

रणजी ट्रॉफी

खिताबी मुकाबले में जम्मू-कश्मीर से होगी भिड़ंत

विशाल बढ़त के दम पर कर्नाटक पहुंचा फाइनल में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार। आठ बार की चैंपियन कर्नाटक ने पहली पारी की विशाल बढ़त के दम पर उत्तराखंड को सेमीफाइनल में पछाड़ते हुए रणजी ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली।

मुकाबला ड्रॉ रहा, लेकिन पहली पारी में 503 रन की बढ़त ने कर्नाटक को फाइनल का टिकट दिला दिया। अब कर्नाटक की टीम 24 फरवरी को अपने घरेलू मैदान हुबली में पहली बार फाइनल में पहुंची जम्मू कश्मीर क्रिकेट टीम से भिड़ेगी।

शहर के इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले के आखिरी दिन कर्नाटक ने छह विकेट पर 299 रन से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन निचला क्रम ज्यादा योगदान नहीं दे सका और पूरी टीम 74.3 ओवर में 323 रन पर सिमट गई। दूसरी पारी में रविचंद्रन स्मरण ने 127 रन की शानदार पारी खेली, जबकि केएल राहुल 86 रन बनाकर नाबाद रहे। राहुल ने 130 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के जड़े। उत्तराखंड की ओर से मयंक मिश्रा ने 69 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि अभय नेगी ने 63 रन पर दो विकेट झटके। दोहरे शतक के लिए देवदत्त पड़िक्कल को 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से दिया गया।

- देवदत्त पड़िक्कल को दोहरे शतक के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया

लखनऊ : मैच समाप्ति के बाद एकदूसरे से मिलते कर्नाटक और उत्तराखंड के क्रिकेटर।। एजेंसी

संक्षिप्त स्कोर

कर्नाटक

- पहली पारी : 736 रन
- दूसरी पारी : 323 (74.3 ओवर)

उत्तराखंड

- पहली पारी : 233 रन
- दूसरी पारी : 260/6 (62 ओवर)

उत्तराखंड की संघर्षपूर्ण वापसी

उत्तराखंड की शुरुआत खराब रही और टीम ने पांच रन पर पहला विकेट गंवा दिया। इसके बाद विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे। अवनीश सुधा ने 71 गेंदों पर 66 रन की अर्धशतकीय पारी खेलकर एक छोर संभाले रखा। एक समय टीम का स्कोर छह विकेट पर 156 रन था, लेकिन इसके बाद सौरभ रावत (54) और अभय नेगी (57) ने सातवें विकेट के लिए 104 रन की अविजित साझेदारी कर मैच को रोमांचक बना दिया। कर्नाटक के श्रेयस गोपाल ने तीन और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए। आखिरकार दोनों टीमों के कप्तानों की सहमति से निर्धारित समय से 15 ओवर पहले मैच को ड्रॉ घोषित कर दिया गया।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे मैच में भारत को हराकर श्रृंखला 1-1 से बराबर की

कैनबरा, एजेंसी

जॉर्जिया वोल (88) और बेथ मूनी (46) के बीच पहले विकेट के लिए 128 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने बृहस्पतिवार को यहां दूसरे महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में भारत को 19 रन से हराकर तीन मैच की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली।

वोल और मूनी की पहले विकेट की साझेदारी भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी भागीदारी रही जिससे मेजबान टीम ने पांच विकेट पर 163 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने शानदार शुरुआत की लेकिन इसके बावजूद 20 ओवर में नौ विकेट पर 144 रन ही बना सकी जिसमें हरमनप्रीत कौर ने 36, स्मृति मंधाना ने 31 और शेफाली वर्मा ने 29 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए एश्ले गार्डनर ने 22 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि किम गार्थ, अनाबेल सदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया की कप्तान सोफी मोलिनू को दो-दो विकेट मिले। श्रृंखला का निर्णायक मुकाबला शनिवार को एडिलेड ओवल में खेला जाएगा। भारत का स्कोर नौवें ओवर में एक विकेट पर 65 रन था लेकिन मेहमान टीम ने आखिर में सात रन के अंदर छह विकेट गंवा दिए। शेफाली (23) की तेज शुरुआत के बाद मंधाना भी खुलकर खेल रही थीं। दोनों भारतीय सलामी बल्लेबाजों ने पावरप्ले में 54 रन बना लिए थे। लेकिन मोलिनू ने शेफाली को पगबाधा आउट करके भागीदारी का अंत किया और गार्डनर ने जेमिमा रोड्रिग्स (04) का अहम विकेट लिया।

स्मृति मंधाना को आउट करने के बाद जश्न मनातीं सोफी मोलिनू। एजेंसी